सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

www.stpi.in

वार्षिक रिपोर्ट

2022 - 2023

वार्षिक रिपोर्ट

2022-2023

विषय सूची

शासी परिषद* 1

सामान्य निकाय* 2

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया (एसटीपीआई) की प्रबंधन संरचना 3

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य 4

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई)-एक अवलोकन 5

एसटीपीआई की पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन 6

एसटीपीआई में पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा निर्यात 7

आईटी ग्रेड इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रावधान 9

डेटा संचार और अन्य मूल्य वर्धित सेवाएं 10

डेटा केंद्र सेवाएं 11

परियोजना प्रबंधन और परामर्श (पीएमसी) सेवाएं 12

बीपीओ संवर्धन योजनाएँ-आईटी नौकरियों का सृजन 18

संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर योजना/ईएमसी 2.0 19

सेंटर ऑफ़ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई) 20

नेक्स्ट जेनरेशन इन्क्यूबेशन स्कीम (एनजीआईएस) 29

संवर्धनात्मक कार्यकलाप 30

एसटीपीआई का वित्तीय विश्लेषण 33

लेखा विवरण 34

स्वत्रंत लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट 36

लेखा परीक्षक 39

अनुसूची-22 55

अनुसूची-22क 58

सूचना का अधिकार 66

एसटीपीआई के केन्द्र 67

शासी परिषद*

अध्यक्ष

श्री अश्विनी वैष्णव
माननीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री,
भारत सरकार

उपाध्यक्ष

श्री राजीव चंद्रशेखर
माननीय कौशल विकास और उद्यमिता तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, भारत सरकार

कार्यकारी उपाध्यक्ष

श्री एस कृष्णन
सचिव,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

सदस्य

श्री भुवनेश कुमार
अपर सचिव (सोसाइटी),
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री कुंतल सेनशर्मा
आर्थिक सलाहकार और एसटीपीआई के समूह समन्वयक,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री राजेश सिंह
संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री विवेक नारायण
उप महानिदेशक (डी एस),
दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री आशीष कुमार
संयुक्त सचिव (सीआईएस),
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री जनार्दन सिंह
संयुक्त निदेशक, आसूचना ब्यूरो,
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री योगेन्द्र गर्ग
महानिदेशक
प्रणाली एवं डेटा प्रबंधन,
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड,
राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार

श्री संतोष कुमार सारंगी
महानिदेशक विदेश व्यापार,
वाणिज्य विभाग,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

श्री संदीप नरूला
अध्यक्ष,
इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर निर्यात प्रमोशन काउंसिल (ईएससी)

श्री प्रशांत पित्ती
सह-संस्थापक
मेसर्स ईज़मायट्रिप

डॉ. आनंद देशपांडे
संस्थापक, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
मैसर्स परसिस्टेंट सिस्टम्स

श्री देबाशीष चटर्जी
प्रबंध निदेशक एवं सीआईओ
मैसर्स एलटीआईमाइंडट्री

सुश्री देबजानी घोष
अध्यक्ष, नैसकॉम

श्री पंकज महेंद्रू
अध्यक्ष,
इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन

डॉ. देवेश त्यागी
वरिष्ठ निदेशक, एसटीपीआई

सदस्य सचिव

श्री अरविन्द कुमार
महानिदेशक, एसटीपीआई

*नवम्बर, 2023 की स्थिति के अनुसार

सामान्य निकाय*

अध्यक्ष

श्री अश्विनी वैष्णव
माननीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री,
भारत सरकार

उपाध्यक्ष

श्री राजीव चंद्रशेखर
माननीय कौशल विकास और उद्यमिता तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, भारत सरकार

कार्यकारी उपाध्यक्ष

श्री एस कृष्णन
सचिव,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

सदस्य

श्री भुवनेश कुमार
अपर सचिव (सोसाइटी),
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री कुंतल सेनशर्मा
आर्थिक सलाहकार और एसटीपीआई के समूह समन्वयक,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री राजेश सिंह
संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री विवेक नारायण
उप महानिदेशक (डी एस),
दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री आशीष कुमार
संयुक्त सचिव (सीआईएस),
गृह मंत्रालय, भारत सरकार,

श्री जनार्दन सिंह
संयुक्त निदेशक, आसूचना ब्यूरो,
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री योगेन्द्र गर्ग
महानिदेशक,
प्रणाली एवं डेटा प्रबंधन,
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड,
राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार

श्री संतोष कुमार सारंगी
महानिदेशक विदेश व्यापार,
वाणिज्य विभाग,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

डॉ. देवेश त्यागी
वरिष्ठ निदेशक, एसटीपीआई

सदस्य सचिव

श्री अरविन्द कुमार
महानिदेशक, एसटीपीआई

*नवम्बर, 2023 की स्थिति के अनुसार

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया (एसटीपीआई) की प्रबंधन संरचना

शासी परिषद

शासी परिषद, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) का शीर्ष प्रबंधन निकाय है, जो एसटीपीआई की समग्र कार्यप्रणाली का निर्देशन और देखरेख करती है तथा नीतिगत निर्देश प्रदान करती है। माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार, शासी परिषद के **'अध्यक्ष'** हैं। माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री, भारत सरकार, शासी परिषद के **'उपाध्यक्ष'** हैं। सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, शासी परिषद के **'कार्यकारी उपाध्यक्ष'** हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय, संचार मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग एवं उद्योग संघों के प्रतिनिधि शासी परिषद के सदस्य हैं ।

महानिदेशक

महानिदेशक (डीज़ी), एसटीपीआई शासी परिषद के सदस्य-सचिव हैं तथा शासी परिषद के मार्गदर्शन के अंतर्गत एसटीपीआई के प्रबंधन तथा संचालन के लिए उत्तरदायी हैं। संस्था के कुशल संचालन के लिए महानिदेशक को आवश्यक कार्यकारी शक्तियां तथा अधिकार प्रत्यायोजित किए गए हैं।

निदेशकों की कार्यकारी समिति (ईकॉड)

संस्था के संस्थापना प्रलेख के अनुसार, निदेशकों की कार्यकारी समिति (ईकॉड), जो संस्था का एक अंग है, शासी परिषद एवं प्रशासनिक मंत्रालय की ओर से प्रशासनिक, वित्तीय, संचालन और इस तरह के नीतिगत मामलों की समीक्षा एवं मंजूरी प्रदान करने जैसे कार्य करती है। ईकॉड की अध्यक्षता सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा कार्यकारी उपाध्यक्ष, शासी परिषद, एसटीपीआई द्वारा की जाती है।

स्थायी कार्यकारी बोर्ड (एसईबी)

ऐसे प्रत्येक राज्य में जहाँ एसटीपीआई का केन्द्र है, नीतिगत और संचालन संबंधी मामलों में उद्योग और सरकार के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने के लिए एक स्थायी कार्यकारी बोर्ड (एसईबी) का गठन किया जाता है। स्थायी कार्यकारी बोर्ड, एसटीपीआई केन्द्रों/उपकेन्द्रों की भावी विस्तार योजनाएं तैयार करने, सुविधाओं का दर्जा बढ़ाने, प्रत्येक एसटीपीआई केंद्र की वार्षिक योजना एवं बजट तैयार करने और महानिदेशक, एसटीपीआई को परामर्श देने का कार्य करता है।

वरिष्ठ निदेशक

वरिष्ठ निदेशक, एसटीपीआई मुख्यालय के प्रमुख हैं। वरिष्ठ निदेशक, एसटीपी और ईएचटीपी योजनाओं के प्रशासन के लिए क्षेत्राधिकार निदेशक के रूप में कार्य करते हैं।

निदेशक

निदेशक, एसटीपीआई केन्द्र के तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रमुख होते हैं। निदेशक, एसटीपी और ईएचटीपी योजनाओं के प्रशासन के लिए सबंधित अधिकार क्षेत्र में क्षेत्राधिकार निदेशक के रूप में कार्य करते हैं।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य

प्रौद्योगिकी टियर 2 और टियर 3 शहरों में एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में उभरी है, जिससे अभूतपूर्व प्रगति और विकास हो रहा है। जैसे-जैसे डिजिटल बुनियादी ढांचे की पहुंच बढ़ रही है, इन शहरों में एक तकनीकी क्रांति देखी जा रही है जो व्यवसायों और समुदायों को समान रूप से सशक्त बनाती है। हाई-स्पीड इंटरनेट, मोबाइल कनेक्टिविटी और किफायती स्मार्टफोन के आगमन ने सूचना और सेवाओं तक पहुंच को लोकतांत्रिक बना दिया है, जिससे स्थानीय उद्यमियों और स्टार्टअप को आगे बढ़ने में मदद मिली है। स्वास्थ्य देखभाल, कृषि और शासन जैसे क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी-संचालित पहल इन क्षेत्रों में निवासियों के लिए दक्षता बढ़ा रही है और जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर रही है। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाट रही है, टियर 2 और टियर 3 शहर डिजिटल रूप से समावेशी और समृद्ध भविष्य की दिशा में भारत की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। आज के तकनीकी स्टार्टअप उभरती प्रौद्योगिकियों की क्षमता का लाभ उठा रहे हैं और जनता के लिए लागत प्रभावी समाधान बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

भारत के तकनीकी स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र ने पिछले एक दशक में बहुत उल्लेखनीय कार्य किया है, जिसने देश को नवाचार और उद्यमिता के लिए एक वैश्विक केंद्र में बदल दिया है। प्रतिभाशाली उद्यमियों, एक विशाल बाजार और एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र के मिश्रण के साथ, भारत नवीन प्रौद्योगिकी स्टार्टअप के लिए एक आदर्श गंतव्य के रूप में उभरा है।

देश से आईटी/आईटीईएस निर्यात को बढ़ावा देने में भारी सफलता के बाद, एसटीपीआई ने कृषि, स्वास्थ्य, वित्त, ऑटोमोटिव आदि क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, आइओटी, ब्लॉक चेन जैसी विभिन्न उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोगात्मक तरीके से पूरे भारत में सेंटर ऑफ़ इंटरप्रीनोरशिप (सीओई) स्थापित करके तकनीकी स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और नवाचार के नेतृत्व वाली उद्यमिता के विकास को बढ़ावा देने की शुरुआत की है। प्रौद्योगिकी नवाचार, उत्पाद विकास और आईपी निर्माण को बढ़ावा देने की दृष्टि से, इन सीओई ने मिलकर एक मजबूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है जिसमें लगभग 247 सलाहकार और 150 भागीदार शामिल हैं और सह-शिक्षण और नेटवर्किंग के लिए एक आम मजबूत मंच प्रदान करते हैं। 31 मार्च 2023 तक, 393 स्टार्टअप ऑन-बोर्ड हो चुके हैं।

देश में तकनीकी स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करने और विशेष रूप से प्रौद्योगिकी नवाचार, उत्पाद विकास, आईपी निर्माण की संस्कृति को फैलाने और भारत के टियर- II शहरों में विशाल तकनीकी प्रतिभा पूल का लाभ उठाने के लिए, एसटीपीआई ने नेक्स्ट जेनरेशन इनक्यूबेशन योजना (एनजीआईएस) को लागू कर रहा है। एनजीआईएस ने आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम के क्षेत्र में 300 स्टार्टअप/उद्यमियों/एसएमई को समर्थन देने की योजना बनाई है और स्टार्टअप से 50+ पेटेंट/आईपीआर का लक्ष्य रखा है। 31 मार्च 2023 तक, एनजीआईएस के माध्यम से 352 स्टार्टअप को समर्थन दिया जा चुका है।

भारतीय आईटी-बीपीएम उद्योग ने वित्त वर्ष 2021-22 के 227 बिलियन डॉलर के राजस्व की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 में 245 बिलियन डॉलर के राजस्व को छूते हुए 8.4% की वृद्धि दर्ज की। इस उद्योग का निर्यात वित्त वर्ष 2021-22 के 178 बिलियन डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 194 बिलियन डॉलर हो गया है, जबकि इसी अवधि में घरेलू राजस्व (हार्डवेयर सहित) बढ़कर 51 बिलियन डॉलर हो गया है। आई टी सेवाओं का निर्यात वित्त वर्ष 2021-22 के 95 बिलियन डॉलर की तुलना में बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 103.7 बिलियन डॉलर हो गया है, जोकि 8.9% की वृधि दर्शाता है। आईटीईएस/बीपीएम निर्यात 2021-22 के 39 बिलियन डॉलर की तुलना में वर्ष 2022-23 में बढ़कर 42.1 बिलियन डॉलर हो गया है, जो साल-दर-साल लगभग 9% की वृद्धि है। इंजीनियरिंग, अनुसन्धान एवं विकास (ईआर&डी) में लगभग 11.1% की वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2021-22 के 36 बिलियन डॉलर की तुलना में वर्ष 2022-23 में 41 बिलियन डॉलर हो गया है।

2022-23 में, आईटी सॉफ्टवेयर और सेवाओं ने लगभग 2,90,000 नौकरियों का सर्जन किया है, जिससे प्रत्यक्ष रोजगार की संख्या 5.4 मिलियन हो गई है, जबकि इस क्षेत्र में अप्रत्यक्ष रोजगार लगभग 10 मिलियन हो गया है। भारत के आईटी-बीपीएम क्षेत्र के बाजार का आकार 2025 तक बढ़कर 350 अरब डॉलर तक होने का अनुमान है और कुल राजस्व में से बीपीएम का हिस्सा 50-55 अरब डॉलर तक होने की उम्मीद है। 53% के साथ, आईटी-बीपीएम क्षेत्र की कुल भारतीय सेवाओं के निर्यात में सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। सकल घरेलू उत्पाद में योगदान के रूप में, भारतीय आईटी-बीपीएम क्षेत्र (हार्डवेयर सहित) का राजस्व 1998-99 के दौरान 1.2% से बढ़कर 2022-23 में लगभग 7.5% हो गया है।

अमेरिका ने लगातार आईटी-बीपीएम निर्यात वृद्धि को बढ़ावा देते हुए अपनी सबसे बड़ी बाजार हिस्सेदारी को 62% पर बरकरार रखा हुआ है, इसके बाद यूनाइटेड किंगडम का 17%, यूरोप महाद्वीप का 11%, एशिया प्रशांत क्षेत्र का 8% और शेष विश्व का हिस्सा 2% है। कुल निर्यात में 90% योगदान देने वाले शीर्ष पांच वर्टिकल में बीएफएसआई 41%, हाई-टेक/ टेलीकॉम 18%, मैन्युफैक्चरिंग 16%, रिटेल 10% और हेल्थकेयर 5% शामिल हैं।

एसटीपीआई-पंजीकृत आईटी/ आईटीईएस इकाइयों द्वारा किया गया निर्यात वित्त वर्ष 2021-22 के ₹6,28,754 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 35% की वृद्धि दर के साथ ₹8,48,398 करोड़ हो गया है ।

तकनीकी स्टार्टअप के मोर्चे पर, भारत का प्रदर्शन उल्लेखनीय है। देश में लगभग 2500+ स्टार्टअप्स जुड़े हैं, जिससे इनकी संख्या बढ़कर 27000+ हो गयी है। वित्त वर्ष 2022-23 में सॉफ्टवेयर उत्पाद उद्योग का कुल राजस्व 14 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।

भारत का तकनीकी स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र एक लंबा सफर तय कर चुका है और इसका विकास पथ प्रभावशाली बना हुआ है। एक संपन्न उद्यमशीलता संस्कृति, प्रतिभा तक पहुंच और बढ़ते निवेश के साथ, भारतीय स्टार्टअप सफलता के लिए अच्छी स्थिति में हैं। जैसे-जैसे भारत नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है, यह तकनीकी स्टार्टअप परिदृश्य में वैश्विक नेता बनने की ओर अग्रसर है।

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई)-एक अवलोकन

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) की स्थापना और पंजीकरण, संस्था पंजीकरण अधिनियम,1860 के अधीन एक स्वायत्त संस्था के रूप में तत्कालीन इलेक्ट्रॉनिकी विभाग (अब इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय), भारत सरकार के अंतर्गत 5 जून, 1991, को की गई थी, जिसका उद्देश्य सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (एसटीपी) तथा इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (ईएचटीपी) योजनाओं के कार्यान्वयन, आधारभूत सुविधाओं की स्थापना और उनका प्रबंधन तथा प्रौद्योगिकी मूल्यांकन एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी अन्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

संस्था के उद्देश्य

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के उद्देश्य हैः

क) आईटीईएस/जैव-आईटी सहित सॉफ्टवेयर और सॉफ्टवेयर सेवाओं के विकास और निर्यात को बढ़ावा देना।

ख) एसटीपी/ईएचटीपी तथा इनकी जैसी अन्य योजनाओं को, जोकि सरकार द्वारा समय-समय पर तैयार करके सौंपी जाती हैं, कार्यान्वित करके निर्यातकों को सांविधिक तथा अन्य संवर्धनात्मक सेवाएं उपलब्ध करवाना।

ग) आईटी/आईटीईएस संबंधित उद्योगों को मूल्य वर्धित सेवाओं सहित डेटा संचार सुविधाएं उपलब्ध कराना।

घ) आईटी/आईटीईएस के क्षेत्र में उद्यमशीलता के लिये अनुकूल वातावरण सृजित करके छोटे, लघु व मझौले उद्यमियों को बढ़ावा देना।

एसटीपीआई की पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन

संस्था के उद्देश्यों को प्राप्त करने की दृष्टि से वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान हासिल की गई मुख्य उपलब्धियां तथा निष्पादित कार्यों का विवरण नीचे दिया गया है:

सांविधिक सेवाओं का प्रावधान

एसटीपीआई प्रारंभ से ही निम्नलिखित योजनाओं के अंतर्गत पूरे देश में फैले विभिन्न एसटीपीआई केन्द्रों से सिंगल विन्डो क्लीयरेंस मैकेनिज्म द्वारा सांविधिक सेवाएं प्रदान कर रहा है:

(क) सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (एसटीपी) योजना

(ख) इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क(ईएचटीपी) योजना

एसटीपीआई की पंजीकृत इकाइयों का विवरण

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान एसटीपी योजना में 139 नयी इकाइयां और केवल साफटेक्स अनुप्रमाणन सेवाएं प्राप्त करने वाली 808 इकाइयां पंजीकृत की गयी। इस प्रकार, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 947 इकाइयां पंजीकृत की गईं, जो वित्त वर्ष 2021-22 में पंजीकृत की गई 739 इकाइयों की तुलना में 28% अधिक है। पिछले 3 वर्षों के दौरान, एसटीपीआई के साथ पंजीकृत इकाइयों की कुल संख्या का ग्राफ नीचे दर्शाया गया है:

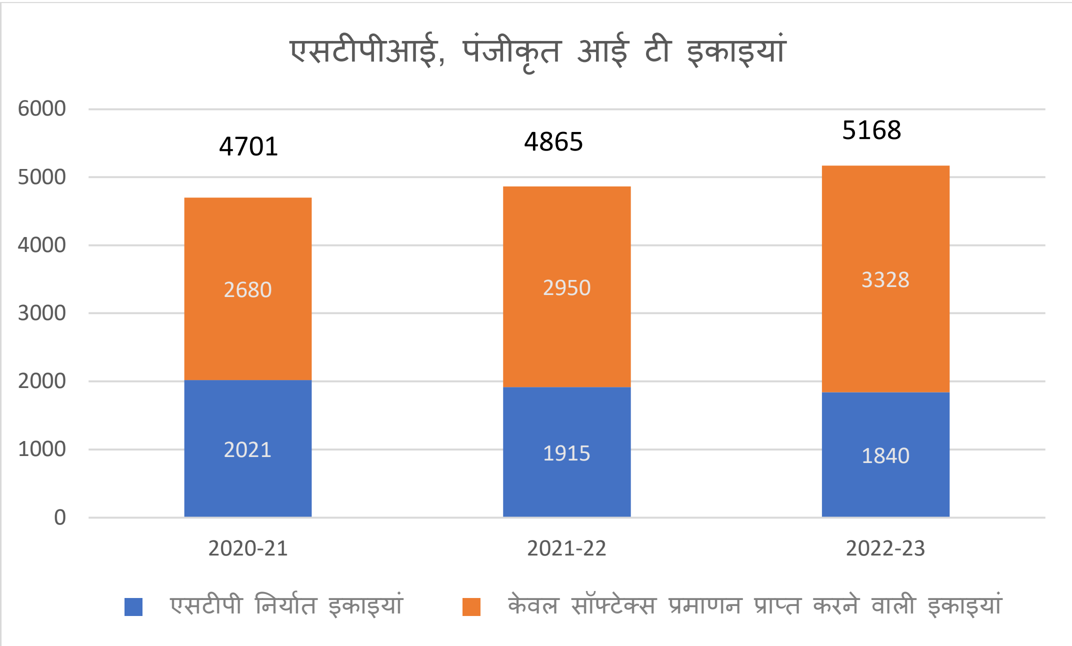

एसटीपीआई में पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा निर्यात

एसटीपीआई पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा वर्ष 2021-22 के ₹6,28,330 करोड़ की तुलना में वर्ष 2022-23 में निर्यात बढ़ कर ₹8,48,398 करोड़ हो गया और यह वृद्धि 35 प्रतिशत है। वर्ष 2022-23 के दौरान किए गए निर्यात का विवरण निम्नानुसार है:

(क) एसटीपी योजना (एफटीडीआर अधिनियम 1992 के अंतर्गत) के अंतर्गत सेवाएं प्राप्त करने वाली इकाइयों ने ₹6,18,412.48 करोड़ का निर्यात किया।

(ख) केवल सॉफ्टेक्स अनुप्रमाणन सेवाऍं प्राप्त करने वाली इकाइयों ने ₹2,29,985.73 करोड़ का निर्यात किया।

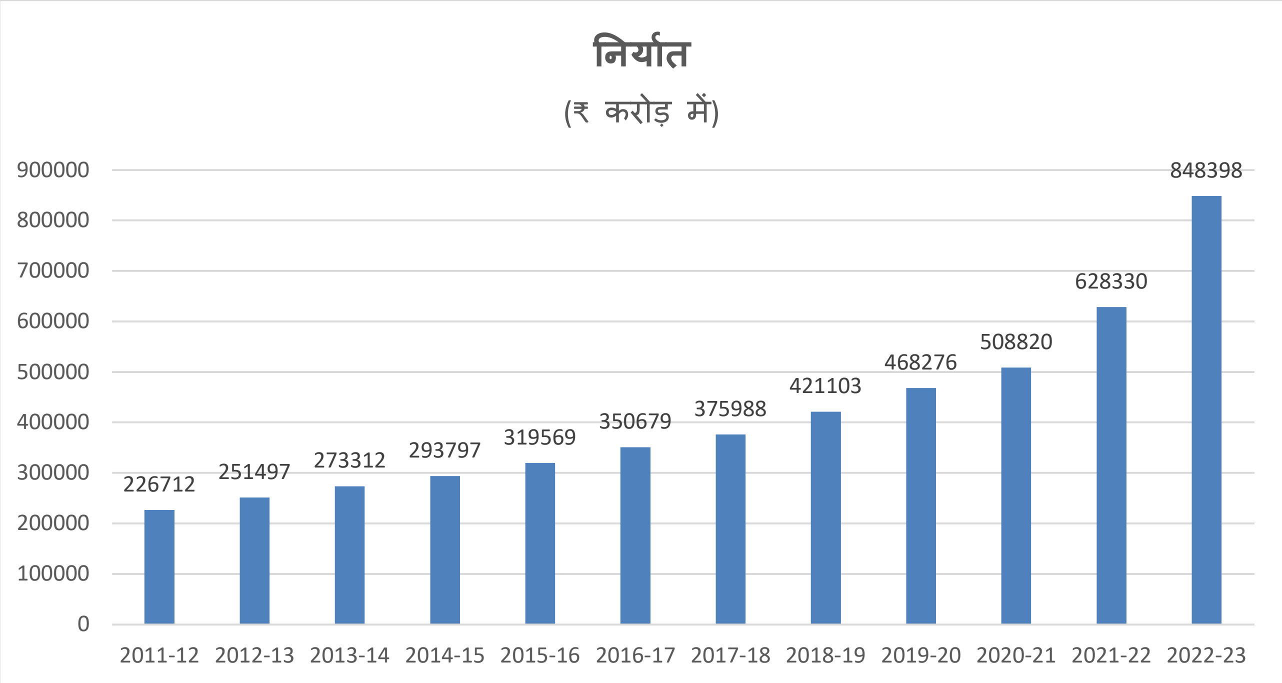

पंजीकृत इकाइयों द्वारा एसटीपीआई के माध्यम से सॉफ्टवेयर निर्यात का राज्यवार ब्यौरा नीचे दी गई तालिका के अनुसार है:

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश का नाम	2022-23
1	आंध्र प्रदेश	1,089.31
2	असम	30.02
3	बिहार	3.08
4	चंडीगढ़	1,205.72
5	छत्तीसगढ़	73.55
6	दिल्ली	8,071.94
7	गोवा	216.65
8	गुजरात	6,880.26
9	हरियाणा	46,871.42
10	हिमाचल प्रदेश	13.38
11	जम्मू और कश्मीर	37.62

12	झारखंड	46.13
13	कर्नाटक	3,55,169.17
14	केरल	5,702.46
15	मध्य प्रदेश	1,871.65
16	महाराष्ट्र	1,65,701.52
17	मेघालय	82.51
18	ओडिशा	3,010.79
19	पुद्दुचेरी	323.75
20	पंजाब	2,180.70
21	राजस्थान	2,695.47
22	सिक्किम	8.24
23	तमिलनाडु	73,968.96
24	तेलंगाना	1,19,886.47
25	उत्तर प्रदेश	40,293.24
26	उत्तराखंड	213.49
27	पश्चिम बंगाल	12,750.72
	कुल	**8,48,398.22**

ईएचटीपी इकाइयों द्वारा निर्यात

ईएचटीपी इकाइयों द्वारा किया गया निर्यात वर्ष 2021-22 के ₹8,289.29 करोड़ की तुलना में वर्ष 2022-23 में बढ़ कर ₹9,881.65 करोड़ हो गया है और यह वृद्धि 19% है।

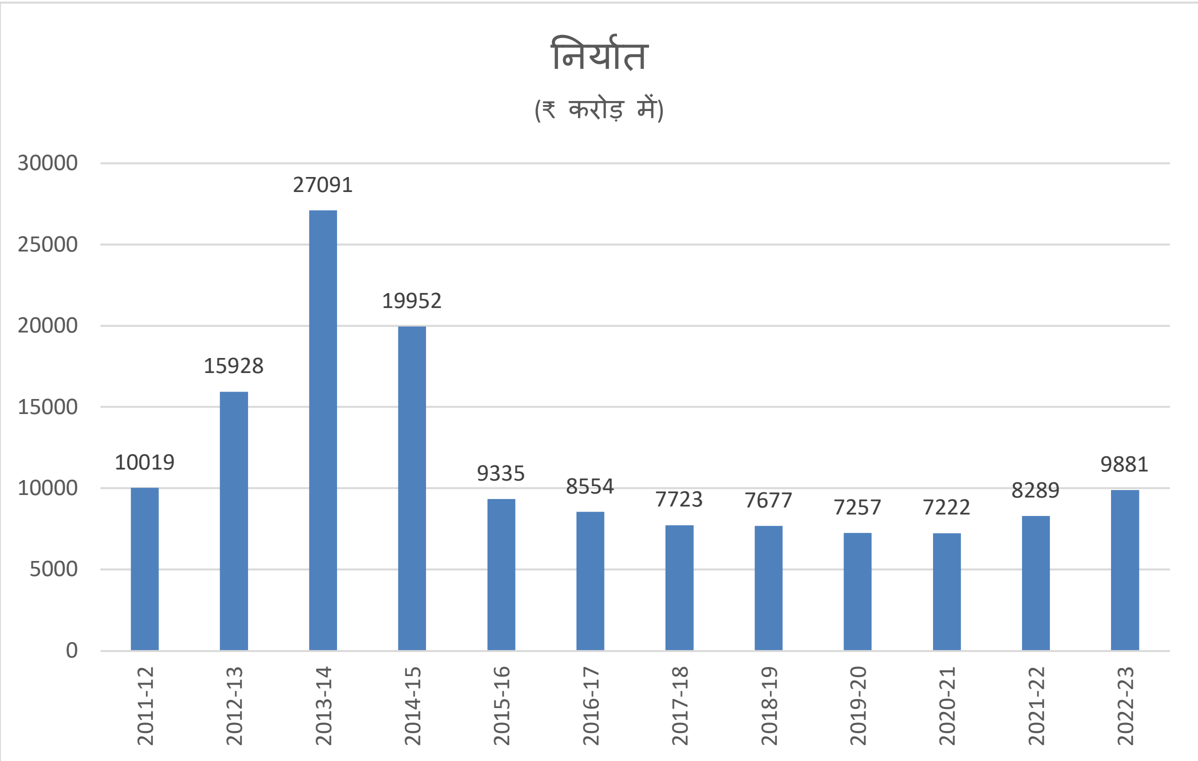

आईटी ग्रेड इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रावधान

आईटी उद्योगों को सेवा प्रदान करने के लिए केन्द्रों/सुविधाओं की स्थापना और विस्तार

आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम उद्योग के संवर्धन और विकास के अपने मुख्य उद्देश्य को प्राप्त करने के प्रयास में एसटीपीआई के नए केन्द्रों की स्थापना की दिशा में प्रमुख जोर दिया गया और मौजूदा केन्द्रों में सुविधाओं का सुधार और विस्तार किया गया । नए केंद्र और सुविधाओं का उद्देश्य उद्योग को सांविधिक, इन्क्यूबेशन, डेटाकॉम और स्टार्टअप संवर्धन सेवाएं प्रदान करना है, ताकि सॉफ्टवेयर और सॉफ्टवेयर सेवाओं के यथा संभव उच्चतम निर्यात के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। इस समय पूरे देश में एसटीपीआई के 63 केंद्र परिचालन में हैं जिनमें से 55 टियर II और टियर III शहरों में हैं।

वर्तमान में, एसटीपीआई में पास देश भर में 13.52 लाख वर्गफुट आईटी ग्रेड इंफ्रास्ट्रक्चर हैं जिसमें से 5.43 लाख वर्गफुट अनिर्मित इन्क्यूबेशन स्पेस और 3400 प्लग-एन-प्ले सीट इन्क्यूबेशन सेवाओं के लिए प्रदान की गई हैं। 31 मार्च 2023 एसटीपीआई देश भर में 403 इनक्यूबेटीज़ को इन्क्यूबेशन सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान एसटीपीआई की निम्नलिखित बुनियादी सुविधाओं का परिचालन शुरू हो गया:

- एसटीपीआई नोएडा में 12,521 वर्ग फुट का अतिरिक्त बुनियादी ढांचे का निर्माण ।
- 5 नवंबर 2022 को दावणगेरे में 10,000 वर्ग फुट के निर्मित स्थान के साथ एसटीपीआई के नए केंद्र का उद्घाटन किया गया।

निम्नलिखित नये केन्द्रों में बुनियादी ढांचे की स्थापना कार्यान्वयन के विभिन्न चरणो में है:

1. कोच्चि
2. आगरा
3. गोरखपुर
4. ईटानगर
5. अमृतसर
6. काँगड़ा
7. पंचकुला
8. जाजपुर
9. धनबाद
10. जमशेदपुर
11. भागलपुर
12. दरभंगा
13. कोरापुट
14. संबलपुर

डेटा संचार और अन्य मूल्य वर्धित सेवाएं

डेटा संचार सेवाओं का प्रावधान

एसटीपीआई का सॉफ्टवेयर निर्यात क्षेत्र में एक उल्लेखनीय योगदान उच्च गति की डेटा (एचएसडीसी) सेवाएं उपलब्ध कराना है। एसटीपीआई वर्ष 1993 से ही भारत में डेटा संचार सेवा प्रदाता के रूप में अग्रणी रहा है। एसटीपीआई को श्रेणी-क इन्टरनेट सेवा प्रदाता (आईएसपी) का लाइसेंस प्राप्त है।

एसटीपीआई गुणवत्ता के प्रति जागरूक भारतीय आईटी उद्योग, शिक्षा संस्थाओं, सरकारी संगठनों आदि को एसटीपीआई द्वारा डिजाइन और विकसित किये गए सॉफ्टनेट, अत्याधुनिक एचएसडीसी नेटवर्क के माध्यम से सॉफ्टलिंक सेवाएं प्रदान करके डेटा संचार जरूरतों को पूरा करता है। यह सेवा सभी उद्योगों, शिक्षा संस्थाओं, सरकारी संगठनों आदि के लिए पूरे भारत में प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य पर उपलब्ध है।

सॉफ्टलिंक

सॉफ्टलिंक एक ऐसी सेवा है जो साझेदारी और विश्वसनीयता के आधार पर इंटरनेट एक्सेस उपलब्ध करा रही है। उद्योगों की बढ़ती हुई माँग को पूरा करने की दृष्टि से बेहतर गुणवत्ता और प्रतिबद्धता के लिए यह सेवा शुरू की गयी थी। आज, काफी संख्या में ग्राहकों द्वारा सॉफ्टलिंक सेवा का लाभ उठाया जा रहा है। आज, सॉफ्टलिंक सेवा को एक बड़ा ग्राहक आधार प्राप्त है। 2022-23 में, एसटीपीआई देश भर में लगभग 31 जीबीपीएस इंटरनेट बैंडविड्थ के साथ 700+ ग्राहकों को सेवा दे रहा था जिनमें ज्यादातर एसटीपीआई-पंजीकृत इकाइयों शामिल हैं ।

ऐक्सेस नेटवर्क/लास्ट माईल कनेक्टिविटी

विश्वसनीय लास्ट माईल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की दृष्टि से, एसटीपीआई ने पॉइंट-टू-पॉइंट और पॉइंट-टू-मल्टी पॉइंट वायरलेस नेटवर्क का प्रयोग करते हुए स्वयं का माइक्रोवेव नेटवर्क स्थापित किया है, जिससे एसटीपी इकाइयों की मूल आवश्यकताएं पूरी होती हैं। माइक्रोवेव ईथरनेट रेडियो के इस्तेमाल से नेटवर्क और अधिक सुदृढ़ हुआ है तथा एसटीपीआई के कुल नियंत्रण में लास्ट माईल की लंबी दूरी तक बड़ी बैंडविड्थ की डिलीवरी कर सका है। जहाँ कहीं भी संभव है वहाँ स्थानीय केबल (फाइबर/कॉपर) भी इस्तेमाल किये जाते हैं। माइक्रोवेब/फाइबर लास्ट माईल कनेक्टिविटी के माध्यम से एसटीपीआई लगभग 99.9 प्रतिशत का उच्च अप-टाईम कायम रखने में सक्षम हुआ है। ये संचार सुविधाएँ अपतटीय सॉफ्टवेयर कार्यकलापों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है और कई आईटी/आईटीईएस उद्यमों की सफलता के लिए आधार के रूप में कार्य करती हैं।

वल्नरेबिलिटी अस्सेस्मेंट एंड पेनेट्रेशन टेस्टिंग (वीएपीटी):

भारत सरकार की एजेंसी होने के नाते, एसटीपीआई का एक प्रमुख उद्देश्य उद्योग को सक्षम बनाने में सहायता प्रदान करना है ताकि वे अपने व्यवसाय को अधिक सुरक्षित तरीके से संचालित कर सकें, मूल्यवान डेटा की गोपनीयता, वफ़ादारी और उपलब्धता बनाए रखें (सीआईए) और विभिन्न सूचनाओं, खतरे और हमले के कारण हुई व्यावसायिक हानि को कम कर सकें। इस उद्देश्य से एसटीपीआई ने विभिन्न सरकारों और अन्य संगठनों की सूचना सुरक्षा, लेखा परीक्षा जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से वीएपीटी सेवाएं प्रारंभ की है। इसे आगे बढ़ाने के लिए एसटीपीआई को वीएपीटी सेवाओं के लिए सर्ट-इन में सूचना सुरक्षा लेखा परीक्षक (आईएसए) के रूप में पैनलबद्ध भी किया गया है ।

डेटा केंद्र सेवाएं

ऑनलाइन सेवाओं के लिए नागरिकों की बढ़ती अपेक्षाओं और सरकारी और निजी और साथ ही कॉर्पोरेट ग्राहकों द्वारा शुरू की जा रही स्वचालन परियोजनाओं की संख्या के साथ, डेटा सेंटर की आवश्यकताएं तेजी से बढ़ रही हैं। उद्योग की जरूरत को पूरा करने के लिए, एसटीपीआई उच्च उपलब्धता, त्वरित मापनीयता, कुशल प्रबंधन और संसाधनों के इष्टतम उपयोग की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है।

एसटीपीआई ने चेन्नई, बेंगलुरु, मोहाली, भुवनेश्वर और विजयवाड़ा में लगभग कुल 55,000 वर्ग फुट के क्षेत्रफल और 700 की रैक क्षमता के साथ पांच अत्याधुनिक टियर III अनुपालन डेटा केंद्र स्थापित किया हैं। ये डेटा केंद्र सरकारी संगठनों/संस्थानों/उद्योगों और ऐसी अन्य एजेंसियों की आवश्यकता को पूरा कर रहे हैं ।

31 मार्च 2023 तक, 98 ग्राहक इन केंद्रों से डेटा सेंटर सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। एसटीपीआई डेटा केंद्र का विवरण इस प्रकार हैं:

चेन्नई डेटा केंद्र:

एमटीएनएल-एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लिमिटेड (एमएसआईटीएसएल), एमटीएनएल और एसटीपीआई की एक संयुक्त उद्यम कंपनी ने चेन्नई में संबद्ध कार्यालय (5,000 वर्ग फुट) के साथ 3,500 वर्ग फुट आकार का एक अत्याधुनिक विश्व स्तरीय टियर-III डेटा सेंटर और अपवार्ड स्केलेबल ऑपरेशन स्थापित किया है।

मोहाली डेटा केंद्र:

यह डेटा केंद्र चंडीगढ़ के ट्राईसिटी में स्थित है, जो चंडीगढ़ के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से 8 किमी दूर स्थित है। एसटीपीआई-मोहाली डेटा केंद्र 6000 वर्ग फुट के समर्पित सर्वर फार्म क्षेत्र के साथ लगभग 15,000 वर्ग फुट माप वाले भवन की पहली मंजिल पर स्थित है।

बेंगलुरु डेटा केंद्र:

यह डाटा सेंटर 8,000 वर्ग फुट के सर्वर फार्म क्षेत्र के साथ लगभग 20,000 वर्ग फुट का है। यह सुविधा सरकार, उद्योग और शिक्षा संस्थानों को सर्वर को-लोकेशन, क्लाउड सेवाएं और प्रबंधित आईटी सेवाएं प्रदान करती है और बेंगलुरु, इलेक्ट्रॉनिक सिटी में एसटीपीआई परिसर में स्थित है।

भुवनेश्वर डेटा केंद्र :

यह डेटा सेंटर सरकार/उद्योग और अन्य एजेंसियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 2,500 वर्ग फुट के सर्वर फार्म क्षेत्र के साथ लगभग 7,500 वर्ग फुट में स्थित है।

विजयवाड़ा डेटा केंद्र:

यह डेटा केंद्र अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 22 किमी दूर आंध्र प्रदेश की राजधानी में स्थित है। यह डेटा सेंटर लगभग 2,500 वर्ग फुट का है जिसमें सर्वर फार्म क्षेत्र लगभग 700 वर्ग फुट है।

व्यवसाय और तकनीकी आवश्यकताओं के आधार पर, ग्राहक विभिन्न प्रकार की सेवाओं जैसे को-लोकेशन सेवाओं, प्रबंधित सेवाओं के साथ ही क्लाउड और डीआर सेवाएं चुन सकते हैं, जो ग्राहकों की आवश्यकता पर आधारित हैं।

परियोजना प्रबंधन और परामर्श (पीएमसी) सेवाएं

पिछले कई वर्षों में, एसटीपीआई प्रौद्योगिकी सेवाओं ने विस्तार और सेवा दोनों पोर्टफोलियो में बहुत विकास किया है। आज, एसटीपीआई के पोर्टफोलियो में संचार एवं आईटी, परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाऐं और आईटी सुरक्षा लेखा परीक्षा सेवाएं शामिल हैं और यह सरकारी विभागों, आईटी उद्योग, शिक्षा जगत के साथ-साथ विदेशी सरकारी संगठनों सहित ग्राहकों की सेवा में कार्यरत है।

एसटीपीआई अपने ठोस डोमेन ज्ञान, तकनीकी क्षमता तथा प्रक्रिया ज्ञान के जरिए अपने उपभोक्ताओं की आवश्यकता को पूरा करने के लिए तदनुकूल समाधान हेतु बेहतर नीति बनाने में सक्षम हुआ है। इन समाधानों के परिणामस्वरूप संस्थागत संसाधनों का उचित उपयोग हुआ है और अपेक्षाऐं पूरी हुई है। दशकों से एसटीपीआई ने परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाएं प्रदान करके कई सरकारी संगठनों की सहायता की है।

31 मार्च तक, एसटीपीआई के पास देश भर में 21 परियोजनाएं चल रही हैं। कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:

कर्नाटक वन विभाग (केएफ़डी), कर्नाटक सरकार के लिए आईटी संरचना उन्नयन हेतु पीएमसी सेवाएं

कर्नाटक वन विभाग (केएफ़डी), कर्नाटक सरकार बेंगलुरु स्थित अरण्य भवन कार्यालय के मौजूदा आईटी बुनियादी ढांचे का उन्नयन करना चाहता है। इस संबंध में केएफ़डी ने आईटी अवसंरचना की खरीद और परिचालन और रखरखाव के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु बेंगलुरु स्थित अरण्य भवन कार्यालय में मौजूदा आईटी बुनियादी ढांचे का उन्नयन करने के लिए एसटीपीआई को परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त किया है।

परियोजना स्कोप:

- मौजूदा नेटवर्क आर्किटेक्चर की वर्तमान स्तिथि का अध्ययन, ईपीएबीएक्स, ऑडियो-विजुअल सौल्यूशन, सर्वर रूम कंसोलिडेशन, सीसीटीवी, मौजूदा बैंडविड्थ, यूपीएस का आकलन आदि।
- लैन और वैन को डिजाइन करना, जिसमें वायरलेस सुविधाओं के साथ लैन और वैन, मापनीयता, अतिरेक, नेटवर्क की सुरक्षा और आईटी अवसंरचना के अनुकूलन और बेहतर रखरखाव के लिए नेटवर्क/सर्वर कक्ष का निर्माण शामिल है।
- निष्क्रिय और सक्रिय नेटवर्क कॉम्पोनेन्ट की खरीद के लिए विनिर्देशो के साथ विस्तृत सामग्री बिल (बीओएम) तैयार करना।
- सिस्टम इंटीग्रेटर के चयन के लिए सामग्री के बिल के विस्तृत विनिर्देश (बीओएम) के साथ आरएफपी (निविदा दस्तावेज) तैयार करना।
- सिस्टम इंटीग्रेटर के चयन के लिए बोलियों के मूल्यांकन के दौरान सहायता।
- सिस्टम इंटीग्रेटर द्वारा नेटवर्किंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के कार्यान्वयन की निगरानी।
- नेटवर्क कार्यान्वयन का सत्यापन और साइन ऑफ़।
- रिपोर्ट प्रस्तुत करना और प्रमाणन।

परियोजना मार्च 2023 में सफलतापूर्वक पूरी हो गई है

खजाने-II परियोजना के लिए परियोजना प्रबंधन सेवाएं

कर्नाटक सरकार के ट्रेजरी विभाग ने स्वयं को केन्द्रीयकृत आर्किटेक्चर आधारित एप्लीकेशन यानि खजाने-II, जो राज्य के बजट की लेखा प्रणाली के काम में प्रयुक्त होने वाली एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आई.एफ.एम.एस)

एप्लीकेशन है में स्थानांतरित कर दिया है।

आईसीटी अवसंरचना तथा डेटा केंद्र के सुचारू प्रचालन के लिए विभाग ने नॉन-आई अवसंरचना सहित 450 वर्गफीट के खजाने-II डाटा केंद्र की स्थापना के लिए एसटीपीआई से परियोजना प्रबंधन सेवाएँ ली हैं। इसकी सहायता से विभाग अपनी दैनिक गतिविधियों के लिए यूनिफाइड खजाने -II एप्लीकेशन का प्रयोग करने के लिए पूरे कर्नाटक में अपने सभी हितधारकों को एकीकृत कर सकेगा।

परियोजना स्कोप:

- कर्नाटक राज्य द्वारा केंद्र में खजाने-II के डीसी, डीआर और आईसीटी अवसंरचना की जरूरतों को अंतिम रूप देने में सहायता करना।
- ट्रेज़री कार्यालय के लिये अनेक आई टी/ नॉन आई टी अवसंरचना की खरीद के लिये निविदा प्रक्रिया में सहायता।
- 218 ट्रेज़री कार्यालयों में लैन स्थापना के दौरान सिस्टम इंटेग्रेटर के साथ समन्वय तथा डेटा केन्द्र में गैर-आईटी अवसंरचना स्थापित करना।

परियोजना स्कोप के अंतर्गत कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है तथा एसटीपीआई, परियोजना में डेटा केंद्र संचालन के लिए प्रचालन तथा रखरखाव सेवाएं उपलब्ध करा रहा है।

कर्नाटक म्युनिसिपल डेटा सोसाइटी (केएमडीएस) (विगत में एमआरसी के नाम से ज्ञात) डेटा सेंटर हेतु डेटा सेंटर अवसंरचना सेवाएं

एसटीपीआई म्युनिसिपल डेटा सेंटर के लिए परिचालन और रख रखाव सेवाएं प्रदान कर रहा है, जिसमे केएमडीएस डेटा सेंटर की शुरुआत से ही नागरिक केन्द्रित एप्लीकेशन के लिए सर्वर और सिस्टम एड्मिनिसट्रेशन, नेटवर्क एड्मिनिसट्रेशन, डीबीए, आदि शामिल है। केएमडीएस को एसएएन और इंटरनेट जैसी सम्बद्ध सेवाएं भी दी जा रही हैं। इसके साथ म्युनिसिपल प्रशासन निदेशालय (डीएमए) सफलतापूर्वक सभी नागरिक केन्द्रित एप्लीकेशन प्रदान कर रहा है। एसटीपीआई ने सफलतापूर्वक सेवाएं प्रदान की हैं और सिस्टम, डेटाबेस और नेटवर्क का 99.9 प्रतिशत अपटाइम बनाए रखने में सफल रहा है।

परियोजना स्कोप:

केएमडीएस डेटा सेंटर के लिए निम्नलिखित सुविधा प्रबंधन (संचालन और रखरखाव) सेवाएं शामिल हैं :

- सिस्टम प्रशासन
- नेटवर्क प्रशासन
- डेटाबेस प्रशासन
- आईटी प्रबंधन समर्थन सेवाएं

एसटीपीआई परिचालानात्मक और प्रबंधन सेवाएं प्रदान कर रहा है।

इंटेग्रटेड सिटी ऑपरेशन प्लेटफ़ार्म (आईसीओपी) सहित स्मार्ट सिटी एप्लीकेशन प्रदान करने के लिए केंद्रीकृत डेटा सेंटर स्थापित करने हेतु परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाएं

कर्नाटक में कर्नाटक अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेव्लपमेंट एंड फ़ाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड (केयूआईडीएफसी), शहरी विकास विभाग, कर्नाटक सरकार ने नगर प्रशासन निदेशालय (डीएमए) के माध्यम से एसटीपीआई को इंटेग्रटेड सिटी ऑपरेशन प्लेटफ़ार्म (आईसीओपी) सहित स्मार्ट सिटी एप्लीकेशन्स की मेजबानी के लिए केंद्रीकृत डेटा केंद्र स्थापित करने के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त किया है।

परियोजना स्कोप

एसटीपीआई की सेवा के व्यापक दायरे में डेटा सेंटर का डिजाइन तैयार करना, आईसीटी इंफ्रास्ट्रक्चर(आईटी और गैर आईटी) का डिज़ाइन तैयार करना, डीपीआर तैयार करना, उपयुक्त सिस्टम ईंटेग्रेटर के चयन के लिए आरएफ़पी कागजात तैयार करना, कार्यान्वयन के दौरान परियोजना की निगरानी आदि शामिल है।

एसटीपीआई ने बोली मूल्यांकन और मास्टर सिस्टम इंटेग्रेटर के चयन के दौरान केएमडीएस की सहायता की है। कर्नाटक नगर पालिका डेटा सोसायटी (केएमडीएस) में केन्द्रीकृत डेटा केंद्र स्थापित करने के लिए एसटीपीआई परियोजना निगरानी और परामर्श सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। वर्तमान में डेटा केंद्र का सहायक अवसरंचना कार्य एवं आईटी उपकरण स्थापना कार्य पूरा हो गया है तथा आईसीओपी कार्य एवं जीआईएस कार्य प्रगति पर है।

कर्नाटक नगर पालिका डेटा सोसायटी (केएमडीएस) के लिए स्टोरेज एरिया नेटवर्क रिमोट बैकअप सेवा

एसटीपीआई 2007 से कर्नाटक म्यूनिसिपल डेटा सोसाइटी (केएमडीएस) को स्टोरेज एरिया नेटवर्क (सैन)/रिमोट बैकअप सेवा प्रदान कर रहा है, जिसमें केएमडीएस डेटा सेंटर को एसटीपीआई बेंगलुरु के स्टोरेज एरिया नेटवर्क (सैन) में बैकअप किया जाता है, ताकि आपदा के दौरान कर्नाटक सरकार के संपूर्ण एप्लीकेशन्स के डेटा हानि को रोकने के लिए स्वचालित बैकअप समाधान द्वारा डेटा सुरक्षा

सुनिश्चित हो सके।

कर्नाटक सरकार के सेंटर फॉर ई-गवर्नेंस के लिए परामर्श और परियोजना निगरानी सेवा

ई-गवर्नेंस सेंटर, कर्नाटक सरकार ने ई-गवर्नेंस, कर्नाटक सरकार की विभिन्न आईसीटी परियोजनाओं के लिए परामर्श और परियोजना निगरानी सेवाएं प्रदान करने के लिए एसटीपीआई को नियुक्त किया है। आवश्यकता अनुसार परामर्श प्रदान करने के लिए एसटीपीआई द्वारा पूर्णकालिक आधार पर एक परियोजना प्रबंधन विशेषज्ञ तैनात किया गया है।

परियोजना सितम्बर 2020 में शुरू की गई थी, जिसे वार्षिक आधार पर नवीनीकृत किया जा रहा है।

खदान निदेशालय, ओडिशा सरकार के बीसीपी के लिए एसटीपीआई डेटा केंद्र पर आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना

एसटीपीआई को खदान निदेशालय, ओडिशा सरकार एसटीपीआई-इलिट डेटा सेंटर में आईटी इनफ्रास्ट्रक्चर की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग के लिए ओडिशा स्टेट डेटा सेंटर के साथ 3 साल के सपोर्ट साथ निम्नलिखित सेवाओं के साथ उनकी व्यापार निरंतरता योजना के लिये सौंपा गया है:

- एसटीपीआई-इलिट डेटा केंद्र पर सभी उपस्करों की आपूर्ति, स्थापना एवं उनकी कमीशनिंग करना।
- सक्रिय-निष्क्रिय क्लास्ट्रिंग मोड स्टोरेज वातावरण पर ऑपरेटिंग सिस्टम, वर्चुअल वातावरण और डेटाबेस एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर की स्थापना और कोन्फ़िग्रेशन।
- फेलओवर मोड़ सहित अन्य आईटी अवसरंचना को स्थापित करना।
- एसटीपीआई डीसी और ओएसडीसी के बीच डीसी-डीआर प्रतिकृति को कॉन्फ़िगर करना।

परियोजना अक्टूबर 2019 में 5 वर्ष के रखरखाव के साथ शुरु की गई थी।

खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता कल्याण विभाग, ओडिशा सरकार के लिये ओडिशा स्टेट डेटा सेंटर (ओएसडीसी) और एसटीपीआई- एलीट डेटा सेंटर में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर

खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण विभाग ओड़िशा सरकार ने एसटीपीआई-भुबनेश्वर को ओड़िशा स्टेट डेटा सेंटर (ओएसडीसी) और एसटीपीआई एलीट डाटा सेंटर के बुनियादी ढांचे के उन्नयन और व्यापर निरंतरता सेवाओ के प्रावधान का काम सौपा है।

इस परियोजना को 6 साल के रखरखाव के साथ नवंबर 2019 में शुरु किया गया था।

क्योंझर और जाजपुर रोड खान सर्किल, ओडिशा हेतु सीयूजी नेटवर्क की स्थापना

एसटीपीआई को खदान निदेशालय, ओडिशा सरकार ने क्योंझर और जाजपुर रोड खान सर्किल, ओडिशा में बारह जांच गेटों और उपनिदेशक खदान कार्यालय के बीच सीयूजी नेटवर्क की स्थापना का काम दिया है, जिसके उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

- क्योंझर के चेक गेट और खनन कार्यालय को जोड़ने और जाजपुर रोड माइनिंग सर्कल के पारादीप में डीडीएम कार्यालय और सहायक खनन अधिकारी (एएमओ) के कार्यालय में 3 चेक गेट को जोड़ने के लिए एक मजबूत और सुरक्षित नेटवर्क इनफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण।
- ऑनलाइन जांच और खनिज परिवहन को अद्यतन करने के लिए चेक गेट स्तर पर आधुनिक आईटी अवसंरचना का निर्माण।
- रियल-टाइम निगरानी बनाए रखने के लिए निगरानी सुविधा का निर्माण करना।
- प्रबंधन और समाधान की निगरानी के लिए विशेषज्ञ कर्मी दल की तैनाती ।
- वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में इन्टरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करना ।

यह परियोजना 5 वर्ष के रखरखाव के साथ 31 दिसम्बर, 2018 को शुरू की गई थी।

कोइरा माइनिंग सर्किल, ओड़िशा में सीयूजी आईटी नेटवर्क का रखरखाव और प्रबंधन

एसटीपीआई को खान निदेशालय ओडिशा सरकार से कोइरा माइनिंग सर्किल, ओड़िशा में सीयूजी नेटवर्क स्थापित करने सहित निम्न कार्य सौपे गए हैं:

- कोइरा माइनिंग सर्किल के 6 चेक गेट एवं डीडीएम माइनिंग कार्यालय को सीयूजी नेटवर्क से जोड़ने के लिए एक मजबूत और सुरक्षित नेटवर्क बनाना और उसका प्रबंधन करना।
- ऑनलाइन चेकिंग और खनिज परिवहन को अद्यतन करने के लिए चेक गेट स्तर पर विश्वसनीय आईटी अवसरंचना का प्रबंधन।
- खान में रीयल टाइम मानिटरिंग प्रबंधन के लिए निगरानी सुविधा।

- सी यू जी नेटवर्क के प्रबंधन एवं देखरेख के लिए आवश्यक विशेषज्ञता और अनुभव रखने वाले कार्मियों के साथ परियोजना प्रबंधन टीम का प्रबंध करना।

यह परियोजना जनवरी 2016 में शुरू हुई और बाद में अगस्त 2022 में 5 वर्षों के लिए रखरखाव के लिए नवीनीकृत की गई ।

पर्यटन विभाग, ओडिशा सरकार की ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली के वेब आधारित एप्लीकेशन के लिए आईटी सेवाएं

एसटीपीआई को ओडिशा पर्यटन विभाग, ओडिशा सरकार द्वारा विभाग की पर्यटन और आतिथ्य सेवाओं की बुकिंग प्रणाली के लिए वेब-आधारित एप्लीकेशन के संवर्धन, संचालन और प्रबंधन की स्थापना के लिए निम्नलिखित कार्य सौंपा गया है :

- प्रचालन की तारीख से एक वर्ष के लिए सपोर्ट और रखरखाव के साथ वेब पोर्टल का डिजाइन और विकास।
- ज़ीआईज़ीडब्लू अनुपालन, सुरक्षा ऑडिट, लोड और बग परीक्षण, साइबर सुरक्षा ऑडिट और प्रमाणन के साथ अनुपालन।
- स्थापना, प्रचालन और डॉक्यूमेंटेशन आदि।
- स्थापना के बाद 3 साल की अवधि के लिए इसका रखरखाव।

यह परियोजना स्थापना के साथ 3 साल के रखरखाव के लिए 12 मार्च 2021 को शुरू की गई थी।

एमएचआई (एससीबी का सीओई) के लिए वायरलेस नेटवर्क एवं डायनामिक वेबसाइट विकास के लिये आपूर्ति, स्थापना एवं रखरखाव

एसटीपीआई को मानसिक स्वास्थ्य संस्थान (एमएचआई), सीओई ऑफ़ एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के लिए वायरलेस नेटवर्क एवं डायनामिक वेबसाइट के विकास हेतु आपूर्ति स्थापना एवं रखरखाव के लिए निम्नलिखित कार्य सौपे गए:

- एस सी बी एम सी एच में वर्तमान में कैंपस नेटवर्क ज्यादातर भवनों से कन्नेक्टेड है, जिसे एमएचआई (सीओई) भवन तक आगे बढाया जाना है।
- एस सी बी एम सी एच नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एन.के.एन) से भी कन्नेक्टेड है, जिसे एमएचआई भवन तक आगे बढाया जाना है।
- सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिये सुरक्षित वायरलेस एक्सेस को उपयोगकर्ता आधारित सुरक्षा कारकों के साथ परिसर नेटवर्क में एकीकृत किया जाना है, जिसमें उपयोगकर्ता डिवाइस स्तर फ़िल्टरिंग और नीति नियंत्रण शामिल है।
- एमएचआई के लिए वेबसाइट का विकास, प्रचालन एवं रखरखाव करना।

यह परियोजना स्थापना के साथ 3 साल के रखरखाव के साथ जनवरी 2020 में शुरु हुई।

खान निदेशालय, ओडिशा सरकार की परियोजना के लिए i3एमएस सिस्टम इंटीग्रेशन सर्विस

एसटीपीआई को खान निदेशालय, ओडिशा सरकार द्वारा i3एमएस प्रोजेक्ट की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और डेटा एन्क्रिप्शन समाधान के रखरखाव के लिए ऑनसाइट संचालन कार्य सौंपा गया है, जिसमे निम्नलिखित कार्य के साथ तीन साल की व्यापक वारंटी शामिल है:

- सुरक्षा लाइसेंसों की खरीद, वितरण, सेटअप और कॉन्फ़िगरेशन ।
- सुरक्षा के लिए सर्वर की खरीद, वितरण, सेटअप और कॉन्फ़िगरेशन ।
- i3एमएस सिस्टम में सुरक्षा का कार्यान्वयन।
- तकनीकी सहायता (क्रिप्टो विश्लेषक)।

यह परियोजना 3 साल के रखरखाव और समर्थन सेवाओं के साथ 12 मार्च 2021 को शुरू की गई थी।

सीईआरटी- इन (CERT-In) दिल्ली के लिए पीएमसी सेवाएं

सीईआरटी-इन द्वारा प्रथम व सातवें तल, डीएमआरसी आईटी पार्क, शास्त्री पार्क, नई दिल्ली में स्मार्ट लैब्स, प्रशिक्षण कक्षों, सम्मेलन कक्षों, सुरक्षा संचालन केन्द्रों और रखरखाव और संचालन सहित डीसीआईएम सक्षम निगरानी सुविधा के साथ 40 रैक डेटा सेंटर के लिए पीएमसी के रूप में एसटीपीआई को नियुत किया गया है। यह डेटा सेंटर ओपन अनसिक्योर्ड पब्लिक डोमेन और संवेदनशील सरकारी वातावरण के बीच मध्यस्थ और अभिसरण बिंदु के रूप में कार्य करेगा। डेटा सेंटर के पास प्रमाणीकरण मैट्रिक्स के आधार पर अपने संबंधित सिस्टम तक पहुंचने के लिए सीईआरटी-इन को प्रमाणित करने के लिए उच्च उपलब्धता, केंद्रीकृत प्रमाणीकरण प्रणाली होगी।

परियोजाना स्कोप :

- फाल्स सीलिंग, फर्श उठाने, नमी रोकने और खिड़कियों और अन्य सभी आवश्यक घटकों को सुदृढ़ करने सहित डेटा सेंटर के निर्माण के लिए आवश्यक सिविल, इलेक्ट्रिकल और मेकेनिकल कार्यों के सन्दर्भ में प्रस्तावित डाटा सेंटर, स्मार्ट लैब्स, ड्रिल रूम, ट्रेनिंग

सेंटर, एनओसी और मॉनिटरिंग रूम की डिजाईन और साईट की तैयारी।

- आवश्यक बुनियादी ढाँचे की आपूर्ति, स्थापना और गठन।
- बायोमीट्रिक आधारित अभिगम-नियंत्रण प्रणाली, सीसीटीवी/ निगरानी प्रणाली जैसे मल्टी-लेयर भौतिक सुरक्षा,बुनियादी ढांचे की आपूर्ति, स्थापना और गठन।
- डेटा सेंटर में बुनियादी ढांचे को स्थापित करने में आपूर्ति किए गए सभी उपकरणों और उनके घटकों का एक-वर्षीय ऑनसाइट रखरखाव।
- योग्य इंजीनियरों/कर्मियों द्वारा एक वर्ष की अवधि के लिए 24x7x365 आधार पर डेटा सेंटर अवसंरचना संचालन के लिए ऑनसाइट सहायता।

यह परियोजना अक्टूबर 2022 में सफलतापूर्वक समाप्त हो गई है।

अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान (एबीवी-आईआईआईटीएम), ग्वालियर के लिए संचालन एवं रखरखाव (ओ&एम) सेवा

एबीवी-आईआईआईटीएम, ग्वालियर के परिसर में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाओं और इसके संचालन और इसके प्रयोक्ताओ को निर्बाध लैन सेवा प्रदान करने और इसके रखरखाव के लिए दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों का प्रबंधन करने हेतु संस्थान ने एसटीपीआई को ओ एंड एम सेवा प्रदाता के रूप में नियुक्त किया है। संस्थान के परिसर में उपयुक्त तकनीकी योग्य (आउटसोर्स) जनशक्ति को तैनात करके ओ एंड एम सेवाओं को निष्पादित किया जा रहा है।

परियोजना स्कोप:

- परिसर में एक उपयुक्त कर्मचारी तैनात करके एबीवी-आईआईआईटीएम, ग्वालियर में आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर और सेवाओं का संचालन और रखरखाव।
- मौजूदा वारंटी और वार्षिक रखरखाव अनुबंध विक्रेताओ के साथ समन्वय में दिन प्रतिदिन की संचालन और रखरखाव गतिविधियों को क्रियान्वित करना।

यह परियोजना एक वर्ष के लिए 1 मई 2020 को शुरू की गई थी तथा मई 2021 से अप्रैल 2023 तक नवीनीकृत की गई है।

आर्टेवा कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, देहरादून के लिए संचालन एवं रखरखाव (ओ&एम) सर्विस

आर्टेवा कंसल्टेंसी को उत्तराखंड सरकार द्वारा "बुजुर्ग" हेल्पलाइन के रूप में पैनल पर रखा गया है। यह परियोजना उत्तराखंड सरकार के सामाजिक कल्याण मंत्रालय के अधीन है। इस परियोजना को भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय द्वारा दिसम्बर 2020 में शुरु किया गया था।

आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और सेवाओं के प्रचालन और रखरखाव की दैनिक गतिविधियों के प्रबंधन तथा अपने प्रयोक्ताओ के लिए सुचारू लेन सेवाएं देने के लिए आर्टेवा कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, देहरादून ने एसटीपीआई को ओ एंड एम सेवा प्रदानकर्ता के रूप में रखा है।

यह परियोजना 16 अगस्त 2021 को शुरू हुई थी और अगस्त 2022 में सफलतापूर्वक पूरी हो गई है।

गोवा में गोवा ब्रॉडबैंड नेटवर्क (जीबीबीएन) का तृतीय पक्ष ऑडिटर (टीपीए)

गोवा ब्रॉडबैंड नेटवर्क (जीबीबीएन) पूरे गोवा राज्य में यथा आवश्यक वायरलेस कोनेक्टिविटी के साथ आप्टिक फाइबर केबल कनेक्टिविटी सहित ब्रॉडबैंड नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदान कर रहा है। एसटीपीआई पूरे गोवा में जीबीबीएन नेटवर्क की निगरानी के लिए तृतीय पक्ष ऑडिटर (टीपीए) के रूप में कार्य कर रहा है। टीपीए एजेंसी के कार्य क्षेत्र में जीबीबीएन के कार्य क्षेत्र की निगरानी, सेवा शर्तों में यथा परिभाषित अपेक्षित सेवा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क की आवधिक लेखा परीक्षा शामिल है। लेखा परीक्षा का मुख्य प्रयोजन एसएलए में परिभाषित अपेक्षित सेवा शर्तों में परियोजना के लक्ष्य को हासिल करना और सेवा स्तर में सुधार के लिए सिफ़ारिश करना है। एसटीपीआई का पाँच वर्षों के लिए टीपीए के रूप में चयन किया गया है। समझौते पर 1 अप्रैल, 2016 को हस्ताक्षर किया गया था। एसटीपीआई त्रैमासिक गारंटीड राजस्व रिपोर्ट(क्यूजीआर) राज्य सरकार को नियमित रूप से देता आया है, जिसमें कार्यनिष्पादन लेखा-परीक्षा रिपोर्ट,एसएलए गणना और आंतरिक और सुरक्षा लेखा-परीक्षा रिपोर्ट शामिल है।

केरल राज्य डेटा केंद्र की गैर-कंप्यूटिंग़ अवसंरचना के विस्तार और सुधार के लिए केरल स्टेट आईटी मिशन (केएसआईटीएम) को पीएमसी सेवाएं ।

केएसआईटीएम मुख्य आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर, ई-गवर्नेंस एप्लीकेशन, सर्विस डिलीवरी प्लेटफार्म, क्षमता निर्माण, अभिनव परियोजनाएं, आईटी सुरक्षा पहल, आदि के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, केरल सरकार की एक स्वायत्त नोडल आईटी कार्यान्वयन एजेंसी है, जो को-बैंक टावर्स में स्थित दो स्टेट डेटा सेंटर एसडीसी-1 और टेक्नोपार्क,

तिरुवनंतपुरम में एसडीसी-2 का प्रबंधन करती है।

केएसआईटीएम ने 1 मार्च 2021 को एसटीपीआई को पीएमसी का कार्य सौंपा है, जो कि टेक्नोपार्क, तिरुवनंतपुरम में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार स्टेट डेटा सेंटर -2 में अतिरिक्त सर्वर फार्म क्षेत्र के डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए मौजूदा इलेक्ट्रिकल इनफ्रास्ट्रक्चर का उन्नयन करता है, जिसमें एसडीसी-2 के विस्तार और एसडीसी-1 और 2 में मौजूदा बीएमएस को अपग्रेड किया जाना है। एसडीसी-2 में विस्तार के लिए लगभग 2750 वर्ग फुट क्षेत्र उपलब्ध है।

परियोजाना स्कोप :

- परियोजना व्यवहार्यता का मूल्यांकन और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करना (डीपीआर)
- केएसआईटीएम को परियोजना आवश्यकताओं का मिलान करने और अंतिम रूप देने में सहायता प्रदान करना
- निविदा प्रक्रिया, बोली मूल्यांकन और सिस्टम इंटीग्रेटर की पहचान में सहायता करना
- परियोजना के कार्यान्वयन के दौरान सिस्टम इंटीग्रेटर के साथ समन्वय
- आवधिक परियोजना प्रगति की समीक्षा और केएसआईटीएम प्रबंधन को अद्यतन करना
- सिस्टम इंटीग्रेटर द्वारा किए गए यूएटी का सत्यापन ओर परियोजना को केएसआईटी को सौपना

केरल राज्य के डेटा केंद्रों के गैर-आईटी बुनियादी ढांचे का विस्तार और पुनरुद्धार

केरल राज्य आईटी मिशन (केएसआईटीएम) केरल राज्य ई-गवर्नेंस की नोडल एजेंसी है जो कोर आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, ई-गवर्नेंस एप्लिकेशन, सेवा वितरण प्लेटफार्म, क्षमता निर्माण, अभिनव परियोजनाएं, आईटी सुरक्षा पहल इत्यादि लागू करती है।

एसटीपीआई तिरुवनंतपुरम को केरल राज्य में डेटा केंद्रों में गैर-आईटी बुनियादी ढांचे के विस्तार और सुधार के लिए, केएसआईटीएम द्वारा परामर्श के लिए नियुक्त किया गया है। पीएमसी गतिविधि का संक्षिप्त स्कोप जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:

- अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सभी आवश्यक सिविल, इलेक्ट्रिकल, एचवीएसी और अन्य प्रणालियों के साथ सर्वर फार्म क्षेत्र का डिजाइन, निर्माण।
- राज्य डेटा केंद्रों पर मौजूदा बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) को अपग्रेड करना
- निविदाओं का मूल्यांकन करना, कार्यान्वयन के बाद स्वीकृति परीक्षण करना

सिस्टम इंटीग्रेटर को निविदा प्रक्रिया के माध्यम से चयनित और शामिल किया गया है। यह परियोजना कार्यान्वयनाधीन है जिसके दिसंबर 2023 तक पूरा होने की उम्मीद है।

डिजिटल यूनिवर्सिटी, केरल में स्मार्ट डेटा सेंटर की स्थापना

केरल यूनिवर्सिटी ऑफ डिजिटल साइंसेज, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (केयूडीएसआईटी), केरल सरकार द्वारा एक राज्य विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय, डेटा इंजीनियरिंग, मशीन लर्निंग, डेटा सुरक्षा, ब्लॉक चेन, भू-स्थानिक विश्लेषण, कृषि सूचना विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में कई अनुसंधान केंद्रों की मेजबानी करता है। केयूडीएसआईटी ने मार्च 2022 में टियर III प्रमाणीकरण के साथ स्मार्ट डेटा सेंटर को डिजाइन और कार्यान्वित करने के लिए STPI को पीएमसी सेवाओं के लिए निम्नलिखित कार्य क्षेत्र के साथ नियुक्त किया है:

- अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सभी आवश्यक सिविल, इलेक्ट्रिकल, नेटवर्किंग (पैसिव), बीएमएस घटकों के साथ सर्वर फार्म क्षेत्र के डिजाइन, निर्माण के लिए व्यवहार्यता अध्ययन और आरएफपी को अंतिम रूप देना।
- निविदा प्रक्रिया के सुचारू संचालन, बोलियों के मूल्यांकन और सिस्टम इंटीग्रेटर का चयन करने के लिए केयूडीएसआईटी को सपोर्ट करना ।
- परियोजना के कार्यान्वयन की निगरानी करना और कार्यान्वयन के बाद स्वीकृति परीक्षण करना।
- टियर-III अनुपालन प्रमाणन प्रक्रिया के लिए आवश्यक सहायता और समर्थन प्रदान करना।

वर्तमान में, सिस्टम इंटीग्रेटर की नियुक्ति हेतु प्रक्रिया जारी है।

बीपीओ संवर्धन योजनाएँ-आईटी नौकरियों का सृजन

संतुलित क्षेत्रीय विकास और छोटे शहरों में आईटी उद्योग के विस्तार के लिए, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने डिजिटल इंडिया पहल के तहत भारत बीपीओ संवर्धन योजना (आईबीपीएस) और पूर्वोत्तर बीपीओ संवर्धन योजना (एनईबीपीएस) आरम्भ की हैं। योजना के उद्देश्य छोटे शहरों में बीपीओ/आईटीईएस परिचालन स्थापित कर स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और संबंधित क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निवेश आकर्षित करना हैं। एसटीपीआई दोनों योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी है। उपरोक्त योजनाएं पात्र कंपनियों को वायबिलिटी गैप फंडिंग के रूप में प्रति सीट 1 लाख रूपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं।

एनईबीपीएस का लक्ष्य पूर्वोत्तर राज्यों में 5000 सीटों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान करना है। योजना के अंतर्गत बीपीओ/आईटीईएस के संचालन के लिए 30 सफल बोलीदाताओं को 3511 सीटें आबंटित की गई हैं। एनईबीपीएस के तहत 19 बीपीओ/आईटीईएस इकाइयां परिचालन में हैं जिन्होंने 810 व्यक्तियों को रोजगार दिया है।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) और मेट्रो शहरों को छोड़कर आईबीपीएस योजना के अंतर्गत, पूरे देश में 48,300 सीटों के वितरण की योजना बनाई गई है। आईबीपीएस के तहत पूरे देश में बीपीओ/आईटीईएस ऑपरेशन की स्थापना के लिए 227 सफल बोलीदाताओं को 57,697 सीटों का आबंटन किया गया है।

आईबीपीएस के तहत 227 बीपीओ/आईटीईएस इकाइयां या तो परिचालन में हैं या उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा कर लिया है और इसमें 51,157 व्यक्तियों को रोजगार दिया है।

योजनाओं के तहत बीपीओ/आईटीईएस इकाइयों को कुल 110.63 करोड़ रुपये की कुल वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) स्वीकृत/वितरित की गई है।

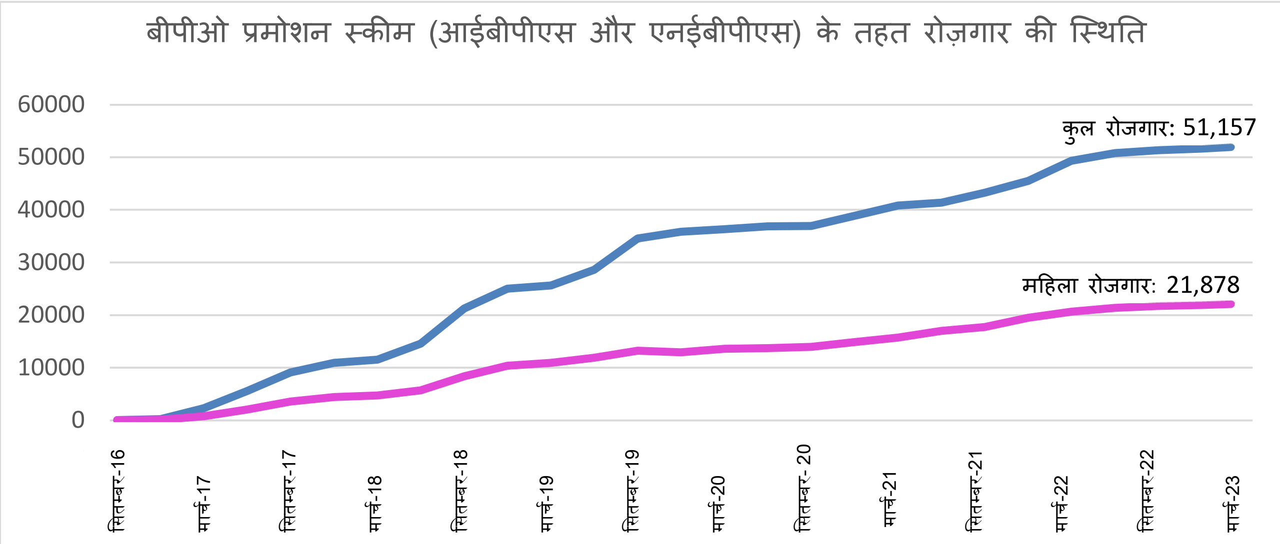

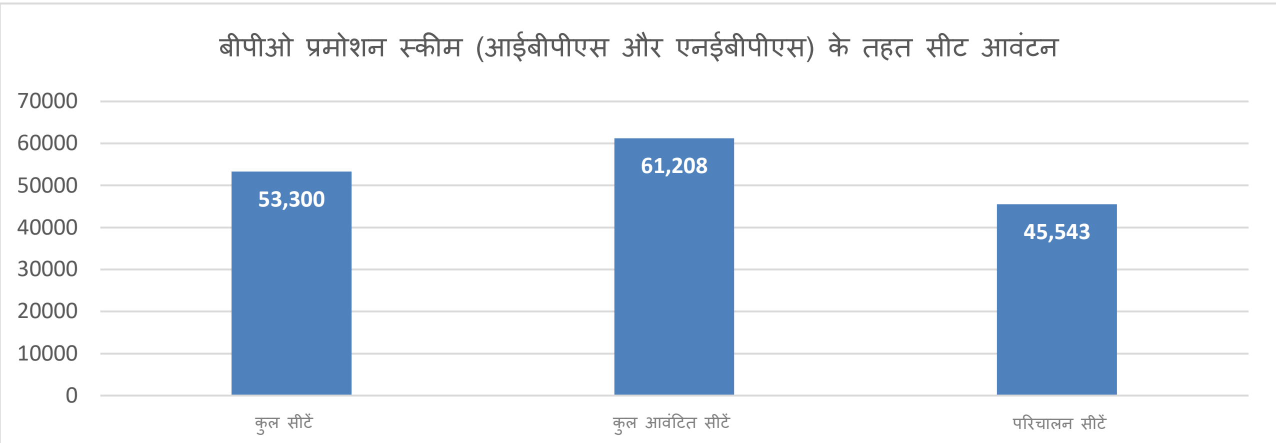

संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर योजना/ईएमसी 2.0

ईएमसी 2.0 योजना को 1 अप्रैल 2020 को 8 साल की कार्यान्वयन अवधि (अर्थात् मार्च 2028 तक) के साथ अधिसूचित किया गया था। योजना में 31 मार्च 2023 तक आवेदन किया जा सकता है। ईएमसी 2.0 योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण आधार सुदृढ़ करने, अपनी सप्लाई चेन के साथ उत्पादन करने के लिए एंकर इकाइयों को आकर्षित करने, विश्व स्तरीय प्लग-एन-प्ले बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक लागत को कम करने के लिए एक व्यापक सप्लाई चेन/ इकोसिस्टम बनाना है । योजना के लिए कुल बजटीय सहायता रु. 3,762 करोड़ है ।

ईएमसी 2.0 के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता नीचें दी गई है:

- ईएमसी परियोजना प्रत्येक 100 एकड़ भूमि के लिए ₹70 करोड़ की सीमा के साथ परियोजना लागत का 50% तक । एक ईएमसी परियोजना के लिए कुल वित्तीय सहायता की राशि ₹350 करोड़ से अधिक नहीं हो सकती है
- सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी): प्रति परियोजना ₹75 करोड़ की अधिकतम सीमा के साथ परियोजना लागत का 75% तक।

यह योजना भारत में भारी निवेश लाएगी जिससे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में सर्वोच्च स्थान बन सकेगा।

एसटीपीआई को ईएमसी 2.0 के सुचारू कार्यान्वयन का नेतृत्व करने के लिए एमईआईटीवाई द्वारा परियोजना प्रबंधन एजेंसी (पीएमए) के रूप में नियुक्त किया गया है।

31 मार्च 2023 के अनुसार ईएमसी 2.0 योजना: ईएमसी 2.0 के तहत दो ईएमसी अनुमोदित की गई है।

राज्य	स्थान	परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए)	क्षेत्र (एकड़ में)	विक्रेय क्षेत्र (एकड़ में)	परियोजना लागत ((₹ करोड़ में))	स्वीकृत वित्तीय एमईआईटीवाई से सहायता (₹ करोड़ में)	स्थिति
आन्ध्र प्रदेश	कडपा, वाईएसआर	एपीआईआईसी	540	347.40	748.76	350.00	आवेदन अनुमोदित
हरियाणा	आईएमटी, सोहना	एचएसआईआईडीसी	500	291 .69	662.08	331.04	आवेदन अनुमोदित
महाराष्ट्र	रंजनगांव, फेज III, पुणे	एमआईडीसी	297.11	200.05	492.85	207.98	आवेदन अनुमोदित
कर्नाटक	कोतूर - बेलूर, आईए, धारवाड़	केआईडीबी	224.5	151.10	179.14	89.57	आवेदन अनुमोदित

विवरण	वर्ष समाप्ति	
	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2022-23
परियोजनाओं की संख्या		
लागू परियोजनाओं की कुल संख्या	6	12
स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या	2	4
स्वीकृत परियोजनाओं की स्थिति		
परियोजना क्षेत्र (एकड़ में)	1,040	1,561.61
परियोजना की लागत (₹ करोड़ में)	1,410.8	2,082.79

सेंटर ऑफ़ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई)

माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने पूरे भारत में सहयोगी तरीके से एसटीपीआई द्वारा "डोमेन केन्द्रित सीओई" स्थापित करने के संबंध में 13 फ़रवरी 2018 को एक घोषणा की है ताकि यह सुनिश्चित हो कि भारत आईओटी, ब्लाकचेन, फिनटेक, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, ऑगमेंटेड और वर्चुअल रियलिटी, गेमिंग और एनीमेशन, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और हेल्थ इन्फार्मेटिक्स, डेटा साइंस और एनालिटिक्स, साइबर सिक्यूरिटी, चिप डिजाइनिंग, ईएसडीएम आदि उभरते क्षेत्रों में नेतृत्व और उदीयमान उद्यमियो की एक नयी पौध का निर्माण करे।

एसटीपीआई इस अवधारणा को और आगे बढ़ाते हुए देश के विभिन्न भागों में उपयुक्त सहभागियों के साथ सहयोग कर अनेक डोमेन केन्द्रित सीओई स्थापित कर रहा है। प्रत्येक सीओई एक एकल-खिड़की सुगमता केंद्र के रूप में कार्य करता है, जिसका उद्देश्य भारत सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों, उद्योग, शैक्षणिक समुदायों, डोमेन और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों, वेंचर कैपिटलिस्टों और अन्य स्टार्टअप इकोसिस्टम के हितधारियों के सहयोग से प्रयोगशाला और इन्क्यूबेशन, प्रशिक्षण, परामर्श देना, मार्गदर्शन, एक्सेस-टू-फण्ड, नेटवर्किंग, मार्केट कनेक्ट आदि सहित व्यापक संरचनात्मक और मौलिक समर्थन प्रदान करना है। सीओई के इस सहयोगी मॉडल में प्रतिष्ठित उद्योग/शैक्षणिक समुदायों/उद्यमियों को 'चीफ मेंटर' के रूप में शामिल कर उसका और विस्तार किया जाता है, जो सीओई के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में भी काम करता है।

सीओई अपने समर्पित परिचालन टीम और सहायक कर्मचारियों के सहयोग से रणनीति, संचालन, नेटवर्किंग, आउटरीच, सलाह और सेवाओं को प्रदान करता है। सीओई स्टार्टअप्स के पोषण और प्रोत्साहन पर ध्यान देते हैं ताकि वे विश्व स्तरीय आईटी उत्पादों और आईपीआर को घरेलू स्तर पर विकसित करने के साथ "नौकरी निर्माता" बन सकें।

पिछले वर्षों के दौरान 22 सीओई पहले ही स्वीकृत किए गए थे। इस वर्ष के दौरान अतिरिक्त 1 सीओई को मंजूरी दी गई है। कुल मिलाकर, निम्नलिखित 23 सीओई को मंजूरी दी गई है जो कार्यान्वयन और संचालन के विभिन्न चरणों में हैं:

- दिल्ली में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क
- एसटीपीआई-बेंगलुरु में आईओटी ओपनलैब
- एसटीपीआई-चेन्नई में फिनब्लू
- एसटीपीआई-भुवनेश्वर में इलेक्ट्रोप्रेन्योर पार्क, एक ईएसडीएम सीओई
- एसटीपीआई-मोहाली में न्यूरॉन
- आईआईटी-भुवनेश्वर में वीएआरसीओई
- एसटीपीआई-हैदराबाद में इमेज
- एसटीपीआई-गुरुग्राम में एपीआरी
- एसटीपीआई-पुणे में मोशन
- एसजीपीजीआई-लखनऊ में मेडटेक
- एसटीपीआई-बेंगलुरु में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी)
- एसटीपीआई-गुवाहाटी में आक्टेन (OctaNE)- कृषि में आईओटी सीओई
- एसटीपीआई-शिलांग में आक्टेन (OctaNE)-एनिमेशन सीओई
- एसटीपीआई-इंफाल में आक्टेन (OctaNE) एआर/वीआर

- एसटीपीआई-गंगटोक में आक्टेन (OctaNE)- आईटी एप्लीकेशन सीओई (हेल्थकेयर और एग्रीटेक)
- एसटीपीआई-ईटानगर में आक्टेन (OctaNE) - ड्रोन टेक सीओई सहित जीआईएस एप्लीकेशन
- एसटीपीआई-कोहिमा में आक्टेन (OctaNE - आईटी एप्लीकेशन सीओई)-(ग्राफिक डिजाइन)
- एसटीपीआई-आइजोल में आक्टेन (OctaNE)-गेमिंग और इंटरटेनमेंट सीओई
- एसटीपीआई-अगरतला में आक्टेन (OctaNE)- डाटा विश्लेषण एवं एआई सीओई
- एसटीपीआई-बेंगलुरू में एफिशिएंसी औगुमेंटेशन सीओई
- डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ अकोला में फसल सीओई
- आर आई एन एल विशाखपटनम में कल्पतरु सीओई
- भुवनेश्वर में इमर्जिंग टेक्नोलॉजी सीओई और बीपीयूटी, राउरकेला में सैटेलाइट सेंटर

एसटीपीआई के सीओई नवोन्मेषी स्टार्टअप को खड़ा करने के लिए नई तकनीकी का 360 डिग्री सहयोगी इकोसिस्टम अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, हैण्ड होल्डिंग फण्ड उपलब्ध कराने के साथ मेंटरिंग एवं नेटवर्किंग के अवसर उपलब्ध कराते है तथा भारत को एक "उत्पाद देश" बनाते है। भली प्रकार प्रचलित खुले मुकाबले के कार्यकर्मो एवं प्रतियोगिताओ के द्वारा कुल मिलकर 22 प्रचालित सीओई के माध्यम से कुल 776 स्टार्ट अप का चुनाव किया गया है, इनमे से 376 कार्यरत है। परिणामस्वरूप, इन स्टार्ट-अप्स ने अपने शानदार विचारों को 434 अग्रणी उत्पादों में बदल दिया है, 244 आईपी बनाए हैं और 515 प्रोटोटाइप प्रदर्शित किए हैं। इनमें से,वित्तीय वर्ष (2022-23) में, कुल 166 स्टार्टअप को ऑनबोर्ड किया गया है, 152 उत्पाद विकसित किए गए हैं, और 184 नए प्रोटोटाइप प्रदर्शित किए गए हैं। कुछ सीओई के केपीआई नीचे सूचीबद्ध की गयी है:

प्रत्येक एसटीपीआई सीओई की संक्षिप्त सामान्य रूपरेखा एवं वर्तमान स्थिति नीचे दी गई है:

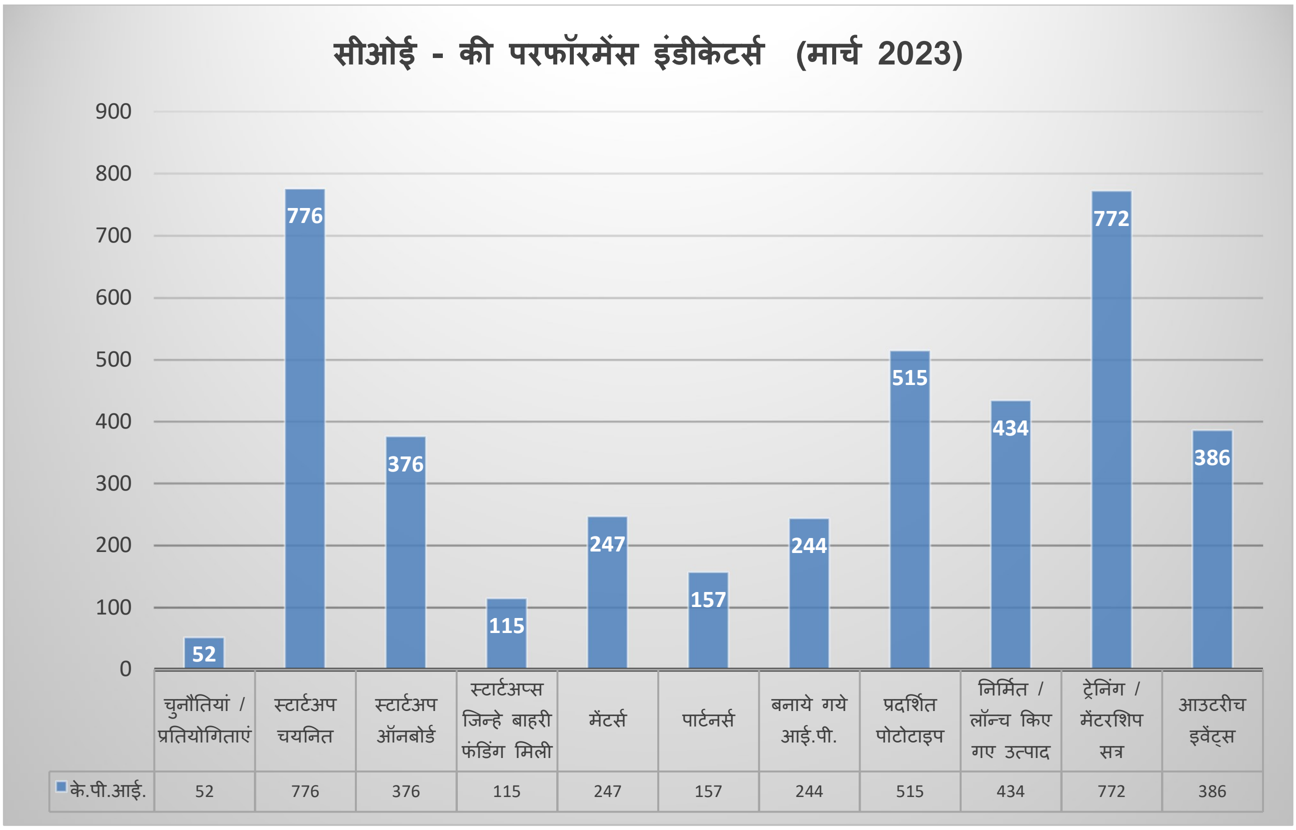

दिल्ली में इलेक्ट्रोप्रेन्योर पार्क (ईपी)

इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक है। इस उद्योग के नए उद्यमियों को समर्थन देने के लिए, एसटीपीआई ने इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) और शैक्षणिक भागीदारों के सहयोग से दिल्ली में एक इलेक्ट्रोप्रेन्योर पार्क (ईपी) स्थापित किया है।

ईपी दिल्ली ईएसडीएम क्षेत्र में 50 स्टार्टअप को सहायता करने और पांच साल की अवधि में कम से कम 5 वैश्विक कंपनियों के सृजन का लक्ष्य रखती है। ईपी दिल्ली स्थानीय आईपी निर्माण और स्वदेशी उत्पाद विकास पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे घरेलू मूल्य संवर्धन होगा और शिक्षा, उद्योग, सरकार और अन्य सहायक तत्वों का एक अनूठा एकीकरण होगा। यह उद्योग जगत में एक अनूठी पहल है, जो देश में इन्क्यूबेशन केन्द्रों के संरक्षण और विकास के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा । ईपी दिल्ली को 25 अक्टूबर, 2015 में परिचालित किया गया था और 27 अगस्त 2016 को इसका औपचारिक उद्घाटन किया गया।

ईपी के पास इसके लाभार्थियों के रूप में 57 स्टार्टअप हैं। इस अवधि के दौरान स्टार्टअप द्वारा महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गयी जहाँ उन्होंने राष्ट्रीय पेटेंट दाखिल कर अपने उत्पादों के स्तर में विकास किया है। कुल मिलाकर, ईपी के स्टार्टअप्स की उपलब्धियों के रूप में 85 नए उत्पाद के साथ 114 प्रोटोटाइप बनाए गए हैं। साथ ही, ईपी स्टार्टअप्स द्वारा 65 आईपीआर दर्ज़ किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 42 स्टार्टअप को 18 करोड़ रुपये की बाहरी वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है और स्टार्टअप द्वारा कुल 144 करोड़ रुपये का राजस्व सृजित किया गया। इस प्रभावशाली आंकड़ो के अतिरिक्त ईपी स्टार्टअप्स ने ₹ 529 करोड़ सृजत किया है।

एसटीपीआई-बेंगलुरु में आईओटी ओपनलैब

“इन्टरनेट ऑफ़ थिंग्स” अथवा आईओटी एक कंप्यूटिंग कांसेप्ट है जो इन्टरनेट से जोड़ी जानेवाली रोजमर्रा की भौतिक वस्तुओं को एक साथ लाता है और अन्य डिवाइसों के साथ अपनी पहचान और संपर्क बनता है। भारतीय आईओटी बाजार वर्ष 2025 तक 9.28 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच जाने का अनुमान है तथा भारत में वर्ष 2022 तक ही 2.0 बिलियन आईओटी उपकरण होंगे। सिर्फ “भारतीय सिलिकॉन वैली” बेंगलुरु में ही 500 से ज्यादा आईओटी स्टार्टअप्स हैं।

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, मेसर्स एरो इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य के सहयोग से बेंगलुरु में एसटीपीआई आईओटी ओपनलैब स्थापित किया गया है । आईओटीओपन लैब का उद्देश्य एक प्रौद्योगिकी मंच सृजन करना है ताकि नवाचार स्टार्टअप आईओटी आधारित एप्लीकेशन, उत्पाद और समाधान विकसित कर सकें, जो न सिर्फ घरेलू जरूरतों को ही पूरा करेगा बल्कि इसका परिप्रेक्ष्य भी वैश्विक होगा। आईओटीओपन लैब में 4200 वर्ग फीट का रेडी टू वर्क स्पेस, सभी सैंपल बैंक सहित एक आईओटीओपन लैब, टेस्ट उपकरण और तकनीकी सहायता, आतंरिक इंजीनियरिंग टीम द्वारा तकनीकी मेंटरिंग और समर्थन, वित्तीय संसाधनों तक पहुंच, विपणन समर्थन आदि शामिल है। इसका लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में प्रति वर्ष 100 स्टार्टअप (फिजिकल और वर्चुअल) का समर्थन और पोषण है। आईओटी ओपनलैब को 3 दिसम्बर, 2019 को परिचालित किया गया। आईओटी ओपनलैब ने 44 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 25 प्रोटोटाइप और 31 उत्पादों का विकास किया गया है।

एसटीपीआई चेन्नई में फिनब्लू

डिजिटल प्रौद्योगिकियों के तेजी से विकास और आम आदमी के दैनिक जीवन पर उसके प्रभाव के साथ, वित्तीय डोमेन का प्रौद्योगिकी परिदृश्य एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। वित्तीय प्रौद्योगिकी सीओई या फिनटेक में अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा, नवाचार, रोजगार सृजन और उत्पादकता में एक नए युग की शुरुआत करने की क्षमता है। फिनटेक न सिर्फ मुद्रा का डिजिटाइज़ेसन करता है बल्कि डेटा का भी मुद्रीकरण करता है। फिनटेक सोल्यूशंस में विशेष रूप से नए और छोटे सभी व्यवसायों के लाभ की अपार संभावनाएं हैं। फिनब्लू, फिनटेक क्षेत्र में अपनी तरह का पहला सीओई है जिसे 26 जुलाई, 2019 में परिचालित किया गया था, ऐसे सोल्यूशंस प्रदान करता है जो निचले स्तर पर कुशल और प्रभावी हैं और साथ ही यह छोटे व्यवसाइयों को लाभान्वित कराता है और उन्हें अधिक से अधिक अनेक प्रकार के फंडिंग विकल्प उपलब्ध कराता है। यह सीओई न सिर्फ निवेशकों, ऋणदाताओं और उधारकर्ताओं के बीच तालमेल बढाता है बल्कि सभी के लिए एक ऐसा अवसर प्रदान करता है जिससे बाज़ार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढे। फिनब्लू द्वारा लाये जा रहे बदलाव के कारण लोग बड़ी आसानी से डिजिटल माध्यम द्वारा लेनदेन करने में सक्षम हो रहे हैं।

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय राज्य सरकार, आईआईटी मद्रास, टीआईई चेन्नै और विभिन्न औद्योगिक भागीदारों जैसे कि इंटेललेक्ट डिज़ाइन, एनपीसीआई, येस बैंक, पे पाल, पोंटाक वेंचर, आरबीएस, टोरस इनोवेशन आदि की भागीदारी से चेन्नै में फिनब्लू सीओई की स्थापना की गयी है, जो फिनटेक के साथ काम करने मे नवाचार स्टार्टअप और उद्यमियों को पूरी सहायता और समर्थन प्रदान करता है।

यहाँ 100 से अधिक उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में रेडी-टू-वर्क प्लग-एन प्ले-स्पेस एक्सेस टू एपीआई, भागीदार बैंकों का पेमेंट गेट वे और सैंडबॉक्स एनवायरनमेंट और मेसर्स इंटेल्लेक्ट का एनपीसीएल, सीएएनवीएएस टेक्नॉलाजी, तकनीकी मेंटरींग और सहायता, वितीय संसाधन (एंजेल बैंकिंग, सीड फ़ंड, वीसी आदि) नेटवर्किंग और मार्केटिंग गतिविधियों तक पहुँच और सहायता शामिल है।

फिनब्लू का उद्देश्य ट्रेडिंग, बैंकिंग, उधार (लेंडिंग), प्रेषण(रेमिटेंस), बीमा, जोखिम और अनुपालन, धन सम्बन्धी सलाह, वित्तीय समावेशन, बचत, भुगतान और इसी प्रकार के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान के साथ 5 वर्षों की अवधि में 58 स्टार्टअप का समर्थन करने का लक्ष्य है।

फिनब्लू ने 35 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 56 प्रोटोटाइप और 90 उत्पादों का विकास किया गया है।

एसटीपीआई भुवनेश्वर में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क, एक ईएसडीएम सीओई

इलेक्ट्रॉनिक्स भारत के सबसे अधिक आयातित मदों में से एक है। इस बात की आवश्यकता है कि भारत आयातित इलेक्ट्रॉनिकी पर अपनी निर्भरता को कम करे और घरेलू उत्पादन बढ़ाये। अपने मेक इन इंडिया पहल से सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के घरेलूकरण पर विशेष बल दिया है फलस्वरूप पूरे देश में अनेक मोबाइल निर्माण इकाइयां सफलतापूर्वक स्थापित हुई हैं। हांलाकि यह पर्याप्त नहीं है और अभी काफी कुछ और करने की आवश्यकता है।

एसटीपीआई ने उपरोक्त परिकल्पना के अनुरूप अपनी तरह का पहला ईएसडीएम इन्क्यूबेशन सेंटर इलेक्ट्रोप्रेन्योर पार्क नई दिल्ली में स्थापित किया है। नई दिल्ली स्थित इलेक्ट्रोप्रेन्योर पार्क (ईपी) बेहद सफल रहा है जिससे अनेक स्टार्टअप का वित्त पोषण हुआ है और अनेक पेटेंट्स दर्ज किये गए हैं।

अतः इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से एसटीपीआई इस अत्यधिक सफल सहयोगी मॉडल को भारत के विभिन्न भाग में क्रियान्वित कर रहा है और अगला ईपी राज्य सरकार, शैक्षिक समुदायों जैसे कि आईआईआईटी भुवनेश्वर, अग्रणी औद्योगिक भागीदार के रूप में आईईएसए के सहयोग से भुवनेश्वर, ओडिशा मे ईएसडीएम इन्क्यूबेशन सीओई के रूप मे स्थापित किया है। भुवनेश्वर में ईपी ईएसडीएम क्षेत्र में अनुसंधान और विकास, नवाचार, उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए एक समग्र पारिस्थितिकी प्रणाली के निर्माण के माध्यम से भारत के ईएसडीएम विकास में योगदान करेगा। यह पारिस्थितिकी प्रणाली ईएसडीएम क्षेत्र मे महत्वपूर्ण विकास, प्रोत्साहन, इन्क्यूबेशन, नवाचार सृजत करने के लिए आवश्यक है । यह ईएसडीएम क्षेत्र मे उत्पाद निर्माण और आईपी सृजन पर बल देगा।

इस पार्क के लगभग 7500 वर्गफीट निर्मित क्षेत्र मे अत्याधुनिक सुविधाओं सहित उच्च गति की कनेक्टिविटी, पावर इलेक्ट्रॉनिक के प्रोटोटाइपिंग और जांच के लिए पूर्णतया सुसज्जित ईएसडीएम लैब, एलईडी, कम्युनिकेशन आरएफ़ वाले हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, टेस्ट और मेजरमेंट आदि से पूरी तरह से सुस्सजित कार्यालय उपलब्ध है।

इसका लक्ष्य 5 वर्षों की अवधि मे 40 स्टार्टअप्स को लाभ प्रदान करना है, जिसमे उर्जा, प्रोसेस कंट्रोल और इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और शिक्षा जैसे क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया जाएगा। ईपी भुवनेश्वर को 23 दिसम्बर, 2019 को परिचालित किया गया था।

ईपी भुवनेश्वर ने 27 स्टार्टअप को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप द्वारा 66 प्रोटोटाइप और 25 उत्पादों का विकास किया गया है।

एसटीपीआई मोहाली में न्यूरॉन

मोहाली में न्यूरॉन सीओई का विज़न विशेष रूप से एआई/बिग डेटा, एवीजी और आईओटी के क्षेत्र में अत्याधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को बढ़ावा देकर युवाओं, शोधकर्ताओं, इंजीनियर और बड़े पैमाने पर समाज में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ाना है, जो देश में आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देगा। इस दृष्टि से इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पंजाब सरकार, आईएसबी मोहाली, पीटीयू और उद्योग के सहयोग से एआई/डेटा एनालिटिक्स, आईओटी और एवीजी में एक सीओई शुरू किया गया है जो एआई/डेटा एनालिटिक्स, आईओटी और एवीजी के क्षेत्र में नवाचार स्टार्टअप को हैंडहोल्डिंग और समर्थन देगा।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में समर्पित 500 सीटों के को-वर्किंग स्पेस के साथ इन्क्यूबेशन सुविधा और एआई/डेटा एनालिटिक्स, आईओटी और एवीजी के लिए समर्पित लैब शामिल है। भौतिक और क्षेत्र-विशिष्ट बुनियादी ढांचे के अतिरिक्त, हब के पास डोमेन विशेषज्ञों, टेक्नोक्रेट, मेंटरशिप प्रोग्राम के साथ-साथ वित्त पोषण तक पहुंच भी उपलब्ध होगा। इसमें 5 वर्षों की अवधि में शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य देखभाल आदि में वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए एआई, एमएल, डीए, आईओटी और वर्चुअल रियलिटी जैसे फोकस क्षेत्र के 100 से अधिक (संशोधित) स्टार्टअप को समर्थन देने का लक्ष्य रखा गया है। न्यूरॉन 30 सितंबर, 2019 को परिचालित किया गया था।

न्यूरॉन ने 42 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है और परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 54 प्रोटोटाइप और 20

उत्पादों का विकास किया गया है।

आईआईटी भुवनेश्वर में वीएआरसीओई

इमर्सिव विज़ुअलाइज़ेशन में अनुसंधान एवं विकास करने, आर एंड डी, इनक्यूबेशन, आईपी क्रिएशन, उत्पाद विकास, कौशल विकास और एआर, वीआर और संबद्ध क्षेत्रों में उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से एक इकोसिस्टम बनाने के लिए आईआईटी भुवनेश्वर में वीएआरसीओई की स्थापना की गई । एलाइड मार्केट रिसर्च द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक एआर और वीआर बाजार, जो वर्ष 2017 में 11.32 बिलियन डॉलर था, उसका वर्ष 2025 तक 63.3% की सीएजीआर के साथ 571.42 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

इस परिप्रेक्ष्य में, औगुमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी के क्षेत्र में एक सीओई आईआईटी-भुवनेश्वर में स्थापित किया गया है और 19 जनवरी 2018 को उक्त डोमेन में स्टार्टअप को पोषित करने के साथ-साथ उपकरणों और प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और विकास के लिए परिचालित किया गया था। इस सीओई ने स्वास्थ्य, कला और वास्तुकला, परिवहन, निर्माण, पर्यटन, मनोरंजन और शिक्षा के क्षेत्रों में 5 वर्षों के लिए स्टार्टअप और व्यक्तिगत शोधकर्ताओं सहित 300 लाभार्थियों को लक्षित किया है। वीएआरसीओई ने वीआर/एआर के विभिन्न एप्लीकेशनों की परियोजना के पहले सेट के साथ परिचालन शुरू किया है। वर्तमान में, विभिन्न डोमेन में एआर और वीआर एप्लीकेशन की नौ प्रमुख परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जिसमे आईआईटी भुवनेश्वर के 12-15 उच्च योग्य संकाय वाले शोधकर्ता शामिल हैं।

एसटीपीआई हैदराबाद में इमेज

एनीमेशन, वीएफएक्स और कंप्यूटर विजन उद्योग विश्व स्तर पर और साथ ही भारत में घरेलू स्तर पर तेजी से बढ़ रहा है। भारत में एनीमेशन एवं वीएफ़एक्स संबंधी उधोग के 2024 तक ₹180 बिलियन तक होने का अनुमान है। (यह तीन वर्षों में 100% से अधिक की वृद्धि है।) वैश्विक रूप से कंप्यूटर विज़न (सी वी) का बाज़ार 2023 तक 17.38 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है (जो 2018 में 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा तेज वृद्धि है)।

इस पृष्ठभूमि और एक आशावादी भविष्य की कल्पना के साथ, गेमिंग वीएफ़एक्स, सीवी और एआई के क्षेत्र में इमेज ब्रांड से एक सीओई इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, तेलंगाना सरकार, शिक्षा और हैदराबाद एसडब्ल्यू एंटरप्राइजेज एसोसिएशन और तेलंगाना वीएफएक्स, एनिमेशन और गेमिंग एसोसिएशन जैसे उद्योगों की साझेदारी में हैदराबाद में स्थापित किया गया। इस सीओई में मेंटरिंग, प्रौद्योगिकी सहायता और गेमिंग, एनिमेशन, वीएफएक्स, कंप्यूटर विजन और एआई स्टार्टअप के लिए वित्त पोषण का प्रावधान है । स्टार्टअप्स में विकास के लिए इमेज अपनी इन्क्यूबेशन सुविधा के माध्यम से एकीकृत कार्यक्रम, सीवीएलएबी और गेम लैब प्रदान करता है। इमेज कार्यक्रम में प्रीमियम प्लग एंड प्ले, स्टार्टअप के लिए को-वर्किंग स्पेस शामिल है और इकोसिस्टम तक पहुंच प्रदान करता है, जिसमें आईपी ओनर, मेंटर, निवेशक और गो-टू-मार्केट रणनीति का समर्थन करने के लिए एक मंच शामिल हैं।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में 10,000 वर्ग फुट इन्क्यूबेशन स्थान और 3,500 वर्ग फुट के क्षेत्र में कैमरों, डिस्प्ले इकाइयों और संबंधित उपकरणों के साथ एक इमेज लैब शामिल है। इमेज लैब में कंप्यूटर विजन और एआई के लिए मोशन कैप्चर (मोकैप) सुविधा और कंप्यूटिंग सुविधा शामिल है। सीवी लैब में जीपीयू सर्वर, स्टोरेज सर्वर, हाई एंड मिड कॉन्फिग कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर के साथ 26 पोर्ट पीओई + स्विच के साथ कई कैमरों को एक साथ जोड़ना और पावर देना शामिल हैं। मोकप सुविधा में शूटिंग की जगह होगी, जिसमें हाई-एंड मोशन कैप्चर, व्यापक एनीमेशन के पूरक के लिए चेहरे का एनीमेशन और एनिमेशन, वीएफएक्स और गेमिंग डोमेन पर काम करने वाले स्टार्टअप के लिए वीएफएक्स काम होगा। मोकप लैब में मोकप कैमरा और कंट्रोल बॉक्स, क्लैम्प, हेड, केबल एक्सेसरी किट और मोकप सूट किट के साथ रेफरेंस कैमरा शामिल हैं।

इस सीओई का लक्ष्य 5 वर्षों की अवधि में सीवी और एआई, गेमिंग ,एनीमेशन और वीएफ़एक्स के क्षेत्र में 140 स्टार्टअप हैं। इमेज को 17 फ़रवरी, 2020 को परिचालित किया गया है।

इमेज ने 20 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 31 प्रोटोटाइप और 47 उत्पादों का विकास किया गया है।

एसटीपीआई गुरुग्राम में एपीआरी

ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी सरकारी और निजी क्षेत्र के इंटरफेस के बीच पारदर्शिता लाकर उद्यमों के लिए सहयोग और हमारे नागरिकों के जीवन को सुगम बनाती है। इस तथ्य के बावजूद कि यह प्रौद्योगिकी अभी भी अपने विकास आरंभिक चरण में है और इसे अभी अपनाया जाना है, इस डोमेन में काफी अवसर उपलब्ध हैं।

गार्टनर के हाल के पूर्वानुमान के अनुसार ब्लॉकचेन के व्यावसायिक मूल्य में 2025 तक थोड़ी वृद्धि के साथ यह 176 बिलियन अमेरिकी डॉलर होगा और फिर 2030 तक इसमें काफी वृद्धि होगी और यह 3.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाएगा।

इस पृष्ठभूमि के साथ, एपीआरी ब्रांड से ब्लॉकचेन में एक सीओई

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, एसटीपीआई, एसटीपीआईनेक्स्ट, हरियाणा सरकार, पैडअप वेंचर प्राइवेट लिमिटेड, आईबीएम, इंटेल, ज़ीबीए और एफ़आईटीटी के सहयोग से स्थापित किया गया है।

यह ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सफल स्टार्टअप की पहचान और मूल्यांकन करने की एक पहल है जो एसटीपीआई गुरुग्राम के इनक्यूबेशन केंद्र में आयोजित किया जाएगा। यहाँ उपलब्ध सुविधा और सेवा में 7000 वर्ग फीट का इनक्यूबेशन स्पेस, आईबीएम ब्लॉकचेन प्लेटफ़ॉर्म, मेंटरिंग, अनुसन्धान और विकास, वित्तपोषण और नेटवर्किंग शामिल है। अपीअरी सीओई को 23 मार्च 2021 को परिचालित किया गया।

इस सीओई का लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में 100 नवाचार स्टार्टअप को बढ़ावा देना है।

अपीअरी ने 26 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 27 प्रोटोटाइप और 10 उत्पादों का विकास किया गया है।

एसटीपीआई पुणे में मोशन

वैश्विक गतिशीलता परिदृश्य तेजी से बदल रहा है, जिसमें प्रौद्योगिकी नवाचार, बढ़ती कनेक्टिविटी, तेजी से बढ़ रही विश्व जनसंख्या, बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताएं और पर्यावरण गिरावट का प्रभाव सरकार, उद्योग और समाज पर पड़ रहा है इन सभी को अपने अस्तित्व के लिए इस गतिशीलता से तालमेल बिठाना है।

स्वचालित वाहनों का व्यावसायीकरण भी विभिन्न उद्योगों जैसे कि आईटी, प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिकी के राजस्व वृद्धि में भी योगदान करेगा । रिसर्च एंड मार्केट्स के अनुसार, वैश्विक स्वचालित वाहन बाजार का वर्ष 2017 में कारोबार 27.09 बिलियन अमेरिकी डॉलर था और जिसके 2026 तक बढ़ कर 615.02 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंचने की उम्मीद है।

ऑटोनॉमस, कनेक्टेड, इलेक्ट्रिक एंड शेयर्ड (एसीईएस) में सीओई जिसे मोशन कहते हैं, महाराष्ट्र सरकार, मैसर्स टाटा मोटर्स, मेसर्स काइनेटिक, मेसर्स विस्टोन, मैसर्स मैथवर्क्स इंडिया, मैसर्स इंटेल, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग पुणे (सीओईपी) और एआरएआई, एसएई-इंडिया, टीआईए-पुणे आदि जैसे संगठनों के सहयोग और साझेदारी में स्थापित किया गया है।

यहां उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में एसटीपीआई पुणे में 7000 वर्ग फीट (लैब और इन्क्यूबेशन) का स्पेस है और इनका लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में ऑटोनॉमस, कनेक्टेड, इलेक्ट्रिक एंड शेयर्ड (एसीईएस) मोबिलिटी में 51 डोमेन विशिष्ट स्टार्टअप को लाभ पहुँचाना है। मोशन को 10 अगस्त, 2019 को परिचालित किया गया था।

मोशन ने 29 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 75 प्रोटोटाइप और 34 उत्पादों का विकास किया गया है।

एसजीपीजीआई लखनऊ में मेडटेक

पुराने क्लिनिकल निर्णय के मॉडल के अप्रभावी और पुराने हो जाने के साथ-साथ राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन जैसे सरकारी कार्यक्रमों के कारण जमीनी स्तर पर प्रौद्योगिकी प्रदान करने के लिए देश में चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी की मांग में तेजी आई है।

भारत वैश्विक रूप से शीर्ष 20 चिकित्सा उपकरण बाज़ारो में शामिल है तथा एशिया में जापान, चीन, और साउथ कोरिया के बाद चौथा सबसे बड़ा चिकित्सा उपकरण बाज़ार है। वर्ष 2020-25 के बीच डायग्नोस्टिक इमेजिंग बाज़ार के सीएजीआर 13.5% की दर से बढ़ने का अनुमान है। भारत की चिकित्सा उपकरणों के आयात पर 75 से 80% निर्भरता है। वित्त वर्ष 2021 में भारत से 2.53 बिलियन अमेरिकी डॉलर के चिकित्सा उपकरण निर्यात किये गए है जिसके वर्ष 2025 तक 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है।

इस पृष्ठभूमि और एक आशावादी भविष्य की कल्पना के साथ, एसटीपीआई मेडटेक ब्रांड के रूप में मेडी-इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान के डोमेन में एसजीपीजीआई, लखनऊ, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, यूपी सरकार, एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री (एआईएमईडी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर और आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन (एएमटीजेड) के साथ एआईएमईडी के सहयोग से लखनऊ में सीओई स्थापित कर रहा है जो "मेक इन इंडिया" प्रोग्राम में योगदान करेगा।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में 18,000 वर्ग फुट रेडी-टू-वर्क, प्लग-एंड-प्ले इनक्यूबेशन स्पेस और मेडीइलेक्ट्रॉनिक्स एंड हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स लैब (मेडलैब) और आईओटी लैब की उपलब्धता शामिल है, जो सैंपल बैंक ऑफ इंस्ट्रूमेंट्स, एनालाइजर, क्लिनिकल कंज्यूमेबल्स, इमेजिंग और ऑप्टिकल डिवाइस, टेस्ट उपकरण और तकनीकी सहायता से लैस है। मेडटेक सीओई 14 अगस्त 2020 को परिचालित किया गया था।

मेडटेक का लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में 50 स्टार्टअप का समर्थन करना है। मेडटेक ने 31 स्टार्टअप को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप द्वारा 17 प्रोटोटाइप और 13 उत्पादों का विकास किया गया है।

एसटीपीआई बेंगलुरु में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी)

एक जीवंत अखिल भारतीय इकोसिस्टम के निर्माण के उद्देश्य से और आईओटी, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स, ई-कॉमर्स, बिग

डेटा और एआई में फोकस क्षेत्र के साथ स्टार्टअप्स के विकास और सफल उद्यमिता के निर्माण का समर्थन करने, बढ़ावा देने और नवोन्मेष की संस्कृति का विकास करने के साझा दृष्टिकोण के लिए, एसटीपीआई अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) और नीति आयोग के सहयोग से बेंगलुरु में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी) स्थापित किया गया है।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा और प्रयोगशाला से सुसज्जित 10,000 वर्ग फुट का स्थान, सामान्य कार्यालय सुविधाओं के साथ हैकाथॉन आयोजित करने के लिए एक समर्पित टीम, आईडिया चैलेंज, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण, तकनीकी और बिज़नस मेंटरिंग सेशन शामिल हैं जो आईपीआर फाइलिंग, कानूनी, लेखा आदि के मामले में स्टार्टअप्स की सहायता करेगा।

एआईसी को मई 2018 में मंजूरी दी गई थी और यह 5 वर्षों की अवधि में 65 इनोवेटिव स्टार्टअप्स को लक्षित करता है।

एआईसी ने 30 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 25 प्रोटोटाइप और 18 उत्पादों का विकास किया गया है।

उत्तर पूर्व क्षेत्र में ऑक्टेन सीओई (8 सीओई जैसे कि एसटीपीआई-गुवाहाटी में कृषि में आईओटी, एसटीपीआई-शिलांग में एनिमेशन, एसटीपीआई-इंफाल में एआर/वीआर, एसटीपीआई-गंगटोक में आईटी एप्लीकेशन इन हेल्थकेयर एंड एग्रीटेक, एसटीपीआई-ईटानगर में ड्रोन टेक सहित जीआईएस एप्लीकेशन, एसटीपीआई कोहिमा में ग्राफिक डिजाइन में आईटी एप्लीकेशन, एसटीपीआई आइजोल में गेमिंग और एंटरटेनमेंट, एसटीपीआई और अगरतला में डेटा एनालिटिक्स और एआई)

भारत सरकार ने 'डिजिटल नार्थ ईस्ट विज़न 2022' प्रारंभ किया है, जिसमे 'डिजिटल इनोवेशन एंड स्टार्टअप' प्रमुख क्षेत्र हैं। उपरोक्त क्षेत्र में किये गए पहल में पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों में उभरती प्रौद्योगिकी में सीओई और ई-कॉमर्स सुविधा सहित स्टार्टअप इनोवेशन जोन स्थापित करना है। इनोवेशन जोन को छात्रों और युवाओं द्वारा टिंकरिंग आधारित नवाचार के लिए सुविधा के रूप में पेश किया गया है, जिनमे से कुछ के स्टार्टअप बनने की उम्मीद है। यह राज्यों में डिजिटल इनोवेशन संस्कृति को जन्म देगा। ई-कॉमर्स सुविधा उभरते युवा उद्यमियों को और वैसे लोगों को जो अपनी उत्पादों की मौजूदा व्यवस्था के लिए ई-कॉमर्स विकसित करने का इरादा रखते हैं उनको न्यूनतम निवेश पर परामर्श आदि जैसे समर्थन की सुविधा प्रदान करता है।

इस विजन के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रत्येक राज्य की राजधानी में चरणबद्ध तरीके से ई-कॉमर्स सुविधा के साथ स्टार्टअप इनोवेशन ज़ोन (एसआईज़ेड) सहित आठ सीओई स्थापित करने की कल्पना की गई है।

तदनुसार, पहले चरण में ऑक्टेन के तहत 8 सीओई स्थापित किये गए है। इनमें से 3 गुवाहाटी में कृषि में आईओटी, इंफाल में नई तकनीक (ए आर वी आर) शिलांग में गेमिंग और एनीमेशन तथा दूसरे चरण में बने 5 अन्य है: अइज़ोल में गेमिंग एवं एंटरट्रेनमेंट, ईटानगर में जीआईसी एप्लीकेशन (ड्रोन तकनीकी सहित), कोहिमा में ग्राफिक डिजाइन में आईटी एप्लीकेशन, अगरतला में एनालेटिंक्स एंड एआई तथा गंगटोक में हेल्थकेयर में आईटी।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में वास्तविक घटक (प्लग-एन-प्ले स्पेस, कनेक्टिविटी, क्लाउड आधारित सेवाएं, टिंकरिंग प्रयोगशाला के रूप में इनोवेशन जोन, आदि) और शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग और अन्य हितधारकों से अन्य सहायता (जैसे विपणन, सीड फण्ड सहायता, आदि) शामिल हैं। सीओई और एसआईज़ेड एक दूसरे के साथ सहयोगात्मक तरीके से अथवा क्षेत्रीय आधार पर, जैसी आवश्यकता हो, काम करेंगे। तथा 5 वर्षों में 367 स्टार्टअप्स को लाभ पहुचाने का लक्ष्य तय किया गया।

ऑक्टेन सीओई चरण- I को 20 जुलाई 2020 को चालू किया गया तथा चरण II 20 जुलाई 2021 को चालू किया गया।

ऑक्टेन ने 18 स्टार्टअप को अपने साथ जोड़ा है।

बेंगलुरू में एफिशिएंसी औगुमेंटेशन सीओई

स्वचालन और आधुनिकीकरण विनिर्माण उद्योग की संस्कृति में व्यापक बदलाव ला रहा हैं जिससे अत्यधिक कुशल श्रमिकों के लिए नए पदों का सृजन हो रहा हैं। इस बात पर बल दिया गया है कि विनिर्माण का भविष्य उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकी प्रगति में निहित है। उद्योग 4.0 कंपनियों के निर्माण, सुधार और उनके उत्पादों को वितरित करने में क्रांति ला रहा है। निर्माता आईओटी, एआई, एमएल और डेटा एनालिटिक्स सहित पूरे विनिर्माण कार्यों नई तकनीकों को एकीकृत कर रहे हैं।

एफिशिएंसी औगुमेंटेशन सीओई एक ओपन साइबर-फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) इकोसिस्टम है जिसे प्रारंभिक चरण के नवाचार और प्रयोग को विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस सीओई का उद्देश्य व्यावसायिक विचारों को तकनीकी डिलिवरेबल्स में बदलने के लिए सरकार, एसएमई/एमएसएमई और टेक स्टार्टअप लीडर्स के साथ काम करना है। यह सीओई उद्योग की जरूरतों का अनुमान लगाने और वास्तविक दुनिया की उद्योग संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के लिए नेतृत्व

प्रदान करेगा और प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं को अपनाएगा।

इस सीओई की स्थापना एसटीपीआई द्वारा कर्नाटक सरकार, हेवलेट पैकर्ड एंटरप्राइज, विद्यार्थी शिक्षा सेवा ट्रस्ट (वीएसएस ट्रस्ट), युवा संघ और इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के सहयोग से की जा रही है। यह सीओई अंतरराष्ट्रीय स्तर का होगा, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय समुदाय, उद्योग को एक साथ लाना है ताकि उद्योग (बुनियादी ढांचे और व्यापार परिवर्तन) और लोगों के विकास दोनों में उद्योग पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव को संबोधित करने के लिए बहस, विचार-विमर्श हो, कार्य किये जा सके और नवाचार विकसित हो।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में बोर्ड/सम्मेलन कक्षों के साथ 100+ कार्यस्थानों को समायोजित करने के लिए अत्याधुनिक इन्क्यूबेशन केंद्र के साथ 16,000 वर्ग फुट का क्षेत्र शामिल है। स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, स्मार्ट फार्मिंग, स्मार्ट एनर्जी, होम एंड ऑफिस ऑटोमेशन, स्मार्ट वाटर, कनेक्टेड ट्रांसपोर्टेशन मौसम की निगरानी, स्मार्ट अस्पताल, स्मार्ट सुरक्षा और बुद्धिमान संपत्ति की निगरानी पर ध्यान केंद्रित करने वाले स्टार्टअप द्वारा आवश्यक नेटवर्क, कंप्यूट और स्टोरेज एलिमेंट्स, डेवलपमेंट टूल्स/सॉफ्टवेयर और प्लेटफॉर्म की रेंज से लैस एक इनोवेशन एंड डेवलपमेंट लैब होगी।

चूंकि प्रशिक्षण कार्यक्रम सीओई द्वारा दी जाने वाली महत्वपूर्ण सेवाओं में से एक है, इसमें एक अच्छी तरह से सुसज्जित प्रशिक्षण कक्ष शामिल है। इसके अतिरिक्त, सीओई जोन होगा,जहां प्रशिक्षुओं के सीखने के लिए विभिन्न एक्चुएटर्स और सेंसर से जुड़े पीएलसी, पीएसी, वायरलेस सेंसर, ऑटोमेशन कंट्रोलर और आईआईओटी प्लेटफॉर्म जैसे विभिन्न उपकरण उपलब्ध होंगे।

यह सीओई 5 वर्षों की अवधि में 100 नवाचार स्टार्टअप्स को लक्षित करता है। यह सीओई बहुत जल्द लॉन्च किया जाएगा.

डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ अकोला में फसल

2050 तक वैश्विक जनसंख्या के 9.6 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है जो कृषि क्षेत्र के लिए अनेक चुनौतियां पेश करेगा हैं। चरम मौसम की स्थिति, बढ़ते जलवायु परिवर्तन और खेती के पर्यावरणीय प्रभाव जैसी इन चुनौतियों का मुकाबला करने के बावजूद, अधिक खाद्यान्न की मांग को भी पूरा करना होगा। इन बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए कृषि नई तकनीक की ओर रुख करना होगा। आईओटी प्रौद्योगिकियों पर आधारित स्मार्ट खेती से उत्पादक और किसान बर्बादी को कम करने और कृषि की दक्षता बढ़ाने के लिए उर्वरक के उपयोग को अनुकूलित करने से उत्पादकता बढ़ाने में सक्षम होंगे।

यह आईओटी अपने अत्यधिक इंटरऑपरेबल, स्केलेबल, व्यापक और खुली प्रकृति के कारण स्मार्ट खेती के लिए एक आदर्श योग है। स्मार्ट खेती के लिए आईओटी प्रौद्योगिकियों की इस विशाल क्षमता को महसूस करते हुए, अकोला में कृषि सीओई में एक आईओटी, फसल (फॉस्टरिंग एग्रीटेक स्टार्टअप्स फॉर ओगमेंटिंग लाइवलीहुड), स्थापित किया जा रहा है जो डिजिटल खेती, फसल संरक्षण और प्रबंधन, प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स और हाइड्रोपोनिक वीएफ सिस्टम सहित केंद्रित क्षेत्रों में पथप्रदर्शक उत्पादों के निर्माण के लिए एग्रीटेक और एग्री आईओटी के क्षेत्र में होनहार स्टार्टअप की पहचान और मूल्यांकन करेगा और उनका पोषण करेगा।

यह सीओई हाइड्रोपोनिक वीएफ सिस्टम का उपयोग करके ऑफ सीजन में किसानों की आय बढ़ाने के लिए स्मार्ट तकनीकों के विकास को सुविधाजनक बनाने में मदद करेगा। फसल सीओई का उद्देश्य खेती, शिपिंग और भोजन के भंडारण में चुनौतियों का समाधान करना और कृषि क्षेत्र में नई क्षमता का विकास करना है।

सीओई फसल की स्थापना सरकार, शिक्षा, उद्योग और उद्योग संघों के भागीदार और प्रमुख हितधारकों के सहयोग से की गई है । इसके हितधारकों में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), एसटीपीआई, डॉ पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ (पीकेडीवी) अकोला और अन्य भागीदार जैसे कि आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), और अन्य भागीदार जैसे कि एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसी), कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) अकोला, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी अकोला, सतश्योर एनालिटिस इंडिया प्रा. लिमिटेड, अमेजिंग एरियल सॉल्यूशंस प्रा. लिमिटेड, आईओकेयर, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स (आईएसएई) और टीआईई मुंबई शामिल हैं।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में डॉ. पीडीकेवी, अकोला के परिसर में स्थित अत्याधुनिक इन्क्यूबेशन केंद्र के साथ 10,000 वर्ग फुट का क्षेत्र शामिल है। फसल में डोमेन विशिष्ट भौतिक प्रयोगशालाएँ होंगी जैसे डिजिटल फार्मिंग लैब, एग्री आईओटी लैब, प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स लैब और हाई-टेक हाइड्रोपोनिक वर्टिकल फार्मिंग जो आवश्यक उपकरण के साथ स्थापित की गई है, पीओसी, प्रोटोटाइप, उत्पाद विकास या उनके समाधानों का परीक्षण करने के लिए स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए डोमेन में सॉफ्टवेयर है। यह सीओई एग्रीटेक डोमेन में काम करने वाले स्टार्टअप्स और उद्यमियों को प्रशिक्षण, सलाह, मार्केटिंग, नेटवर्किंग, आउटरीच, फंडिंग संसाधनों तक पहुंच, आईपीआर/पेटेंटिंग सहायता और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान करेगा।

इस सीओई के पास अन्य वित्तीय संसाधनों तक पहुंच के अलावा

प्रति स्टार्टअप 10 लाख रुपये तक की फंडिंग सहायता प्रदान करने का प्रावधान है।

इस सीओई का लक्ष्य 3 वर्षों की अवधि में 25 नवाचार स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करना है। फसल को सितम्बर 2021 को चालू किया है।

फसल ने 18 स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इन स्टार्ट-अप्स द्वारा 25 प्रोटोटाइप और 37 उत्पादों का विकास किया गया है।

आरआईएनएल विशाखापट्टनम में इंडस्ट्री 4.0 सीओई कल्पतरु उद्योग

कल्पतरु, आरआईएनएल- वीएसपी, पीएसयू एवं विशाखापट्टनम के आसपास मौजूद अन्य उद्योगो के लिये इंडस्ट्री 4.0 समाधानो को डिज़ाइन और विकसित करने के लिये इंडस्ट्री 4.0 पर और साथ ही समग्र भारतीय इंडस्ट्री 4.0 की अवाश्यक्ताओं में योगदान करने के लिए एक सीओई है।

बढ़ते औद्योगिक स्वचालन की पृष्ठिभूमि में इंडस्ट्री 4.0 उत्पाद एवं साल्यूशन की मांग में बहुत तीव्र वृद्धि होने जा रही है। इंडस्ट्री 4.0 उत्पादों और समाधानों की घरेलू क्षमताओं को मजबूत करने से उत्पादों, पेटेंट और आईपीआर में वृद्धि के माध्यम से घरेलू उद्योग को मूल्य श्रृंखला में महत्वपूर्ण रूप से ऊपर ले जाएगा। इंडस्ट्री 4.0 में प्रस्तुत किये गए अवसरों द्वारा सीओई इन क्षेत्रों में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देगा तथा स्थानीय रूप से विश्वस्तरीय सॉल्यूशन तैयार करके भारत सरकार के मेक इन इंडिया एवं डिजिटल इंडिया कार्यक्रमों में अपना योगदान देगा। उपर्युक्त पृष्टभूमि के साथ इंडस्ट्री 4.0 आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, आगमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स, ड्रोन, इंडस्ट्रियल आईओटी, इंडस्ट्रियल 3D प्रिंटिंग तथा एआई से चलने वाली अन्य सम्बंधित तकनीकों के क्षेत्र में एसीओई को विशाखपटनम में स्थापित करने का अनुमोदन किया गया है। सीओई को सितंबर 2022 में लॉन्च किया गया है, जिसमें स्टार्ट-अप का चयन और ऑनबोर्डिंग चल रही है।

भुवनेश्वर में इमर्जिंग टेक्नोलॉजी सीओई और बीपीयूटी, राउरकेला में सैटेलाइट सेंटर

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी विभाग (ओडिशा सरकार), एसटीपीआई, एसटीपीआईएनईएक्सटी, बीजू पटनायक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ओडिशा, राउरकेला और आईआईआईटी भुवनेश्वर के सहयोग से भुवनेश्वर में उभरती प्रौद्योगिकी पर एक सीओई और बीपीयूटी, राउरकेला में सैटेलाइट सेंटर की स्थापना की गई है। यह सीओई 5 वर्षों की अवधि में एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी प्रौद्योगिकियों में लगभग 150 स्टार्टअप को लक्षित करता है। सीओई को दिसंबर 2022 में लॉन्च किया गया था, जिसमें स्टार्ट-अप का चयन और ऑनबोर्डिंग चल रही है।

नेक्स्ट जेनरेशन इन्क्यूबेशन स्कीम (एनजीआईएस)

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने चैंपियन सेक्टर सर्विसेज स्कीम के तहत नेक्स्ट जेनरेशन इनक्यूबेशन स्कीम (एनजीआईएस) को मंज़ूरी दी है। एसटीपीआई एनजीआईएस लागू कर रहा है, जो एक व्यापक इन्क्यूबेशन योजना है, जिसका उद्देश्य भारत को एक सॉफ्टवेयर उत्पाद राष्ट्र बनाना है ताकि भारत को नवाचार, कुशल और सुरक्षित सॉफ्टवेयर उत्पादों के विकास, उत्पादन और आपूर्ति में एक वैश्विक प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। एनजीआईएस का उद्देश्य एक सुदृढ़ आईटी उद्योग के पूरक के लिए सतत विकास, नए रोजगार और अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए टियर-II और टियर-III शहरों में वाइब्रेंट सॉफ्टवेयर उत्पाद इकोसिस्टम प्रदान करना है । एनजीआईएस को 12 एसटीपीआई केन्द्रों (अगरतला, भिलाई, भोपाल, भुवनेश्वर, देहरादून, गुवाहाटी, जयपुर, लखनऊ, प्रयागराज,मोहाली, पटना और विजयवाड़ा) से शुरू किया गया है। एनजीआईएस आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम के क्षेत्र में लगभग 300 स्टार्टअप/उद्यमियों/एसएमई का समर्थन करेगा और उनसे 50 से अधिक पेटेंट/आईपीआर उत्पन्न करेगा। एनजीआईएस का कुल बजटीय परिव्यय 3 वर्ष की अवधि के लिए ₹95 करोड़ है।

14 चुनौती कार्यक्रमों के माध्यम से 381 स्टार्टअप्स का चयन किया गया (चुनौती - एडवांस इनहेबिटेड टेक्नोलॉजी इंटरवेन्शन के लिये एनजीआईएस के अधीन चैलेंजहंट)। 352 को सलाह, वजीफा और फंडिंग के रूप में समर्थन मिला है। विशेष रूप से, 255 स्टार्टअप को वजीफा प्राप्त हुआ है, और 71 स्टार्टअप को योजना के तहत धन प्राप्त हुआ है।

चालू वित्त वर्ष में ही, 12 चुनौती कार्यक्रम के दवारा 210 स्टार्टअप का चयन किया गया है।

संवर्धनात्मक कार्यकलाप

सूचना प्रौद्योगिकी में अनुकूल परिवेश बनाकर छोटे और मध्यम उद्यमियों (एसएमई) को प्रोत्साहन

एसटीपीआई, इन्क्यूबेशन सेवाएं, कार्यक्रमों का आयोजन, प्रायोजन/सह आयोजन, कार्यक्रमों में भागीदारी, मानव संसाधन विकास और निर्यात संवर्धन प्रयासों द्वारा एसएमई और उनके उद्देश्यों को नीचे दिए अनुसार बढ़ावा दे रहा हैः

इन्क्यूबेशन सेवा

एसटीपीआई अपने विभिन्न केन्द्रों पर स्टार्टअप्स इकाइयों को इन्क्यूबेशन सुविधाएँ प्रदान कर रहा है। इससे स्टार्टअप इकाइयों और उद्यमियों को बहुत मदद मिलती है।

कार्यक्रमों का आयोजन

- 28 फरवरी 2023 को एसपीजीपीआई लखनऊ में "उभरती प्रौद्योगिकियों में हालिया प्रगति" पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया।
- आईटी एसोसिएशन फॉर एपी (आईटीएएपी), एसटीपीआई, आईटीईएंडसी विभाग और एपी इनोवेशन सोसॉइटी द्वारा संयुक्त रूप से दो दिवसीय आईटी/आईटीईएस शिखर सम्मेलन "इन्फिनिटी विजाग - 2023" 20 से 21 जनवरी 2023 तक आयोजित किया गया।
- एसटीपीआई ने 13 जनवरी 2023 को जयपुर में "एम्ब्रेसिंग टेक्नोलॉजीज, ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स" विषय पर फिक्की के सहयोग से डिजिटल राजस्थान कॉन्क्लेव के 7 वें संस्करण का आयोजन किया।
- 28 अक्टूबर 2022 को विशाखापत्तनम में एसटीपीआई के साथ साझेदारी में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), हैदराबाद द्वारा "भारत का अगला तकनीकी केंद्र विजाग" विषय पर "सूचना प्रौद्योगिकी" पर सम्मेलन आयोजित किया गया।
- 5 जुलाई 2022 को गांधीनगर में डिजिटल इंडिया सप्ताह की 8वीं वर्षगांठ के दौरान त्वरित स्टार्ट-अप अर्थव्यवस्था पर एक पूरे दिन का राष्ट्रीय स्टार्ट-अप सम्मेलन आयोजित किया गया था।
- एसटीपीआई और ईएससी ने 30 नवंबर 2022 को नई दिल्ली में अगला यूनिकॉर्न बनाने के लिए स्टार्टअप पहल के तहत एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया है। इस पहल के तहत, गोवा, मुंबई, पुणे, भोपाल, कोलकाता, केरल, विशाखापत्तनम जयपुर बेंगलुरु पंजाब पंजाब मोहाली लखनऊ चेन्नई अहमदाबाद हैदराबाद, भुवनेश्वर जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में राज्य सम्मेलन भी आयोजित किए गए और अंततः 33 टैक स्टार्टअप यूएसए में वैश्विक प्रदर्शन के लिए चुने गए।
- 26 अगस्त 2022 को जयपुर में एसटीपीआई ने फिक्की के सहयोग से 'बिल्डिंग ए स्मार्ट, सैक्योर और कनेक्टेड एकोसिस्टम' पर 4वां राजस्थान IOT समिट का आयोजन किया।"
- एसटीपीआई ने कर्नाटक सरकार के साथ 16-18 नवंबर 2022 के दौरान बेंगलुरु प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन 2022 की सह-मेजबानी की।

आयोजनों की भागीदारी/प्रायोजन/सह-प्रायोजन

- 28 मार्च 2023 को नैसकॉम एसएमई कॉन्फ्लुएंस (एनएससी) नई दिल्ली में आयोजित हुआ।
- चेन्नई में 23 मार्च 2023 को 'उमागिन चेन्नई' को आयोजित किया गया।
- 23 मार्च 2023 को पुणे में नैसकॉम एसएमई कॉन्फ्लुएंस 2023 का आयोजन हुआ।
- 17 से 18 मार्च 2023 के दौरान गुरुग्राम में TiEcon दिल्ली-एनसीआर का आयोजन किया गया।
- 17 मार्च 2023 को फ्यूचर टेक लीडरशिप फोरम गोवा में आयोजित हुआ।
- विशाखापत्तनम में 3 से 4 मार्च 2023 को वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 2023 का आयोजन हुआ।
- तमिलनाडु के नगरकोल में 2 मार्च 2023 को कुमारी स्टार्ट-अप समिट-2023 का आयोजन हुआ।
- 10-15 फरवरी 2023 के दौरान लखनऊ में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट और ट्रेड शो का आयोजन किया गया ।
- 10 फरवरी 2023 को देहरादून में 17वीं उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस-2023 का आयोजन हुआ।
- 8 फरवरी 2023 को हैदराबाद में 30वां वार्षिक HYSEA उद्योग पुरस्कार समारोह 2022 का आयोजन किया गया।
- 29 जनवरी 2023 को कोलकाता में प्रौद्योगिकी पर बंगाल उद्यमियों का शिखर सम्मेलन (BEST) आयोजित हुआ।

- 21 से 24 जनवरी 2023 के दौरान भोपाल में भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ)-2022 का आयोजन किया गया।
- 11-12 जनवरी 2023 के दौरान भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 का आयोजन किया गया।
- इन्फोकॉम-2022 1-3 दिसंबर 2022 के दौरान कोलकाता में आयोजित किया गया।
- देहरादून में 25 से 27 नवंबर 2022 के दौरान उद्यमिता और स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2022 का आयोजन किया गया।
- मदुरै में 24 नवंबर 2022 को कनेक्ट मदुरै 2022 आयोजित हुआ।
- विशाखापत्तनम में 23 नवंबर 2022 को इन्क्यूबेटर्स-इंडस्ट्री कनेक्ट कार्यशाला आयोजित की गई।
- कोलकाता में 18 नवंबर 2022 को फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजीज और 7वें टेक्नोलॉजी उत्कृष्टता पुरस्कार का आयोजन किया गया।
- देहरादून में 17 नवंबर 2022 को TiEcon देहरादून 2022 का आयोजन हुआ।
- TiEcon पुणे 2022 11 से 12 नवंबर 2022 के दौरान पुणे में आयोजित किया गया।
- कोलकाता में 7-9 सितंबर 2022 के दौरान आईसीटी ईस्ट-2022 का 21वां संस्करण का आयोजन हुआ ।
- कोलकाता में 15 जुलाई 2022 को "बिजनेस आईटी कॉन्क्लेव (बीआईटीसी)" का 13वां संस्करण का आयोजन हुआ।
- मुंबई में 22 जून 2022 को TiECon मुंबई 2022 का आयोजन हुआ।
- मोहाली में 30 अप्रैल 2022 को TiECon चंडीगढ़ 2022 का आयोजन हुआ।
- विशाखापत्तनम में 22 अप्रैल 2022 को बिज़ बज़ बिजनेस कॉन्क्लेव (बीबीबीसी) का आयोजन किया गया।

एसटीपीआई - ईएससी स्टार्ट-अप इनिशिएटिव 2022 'बिल्डिंग दी नेक्स्ट यूनिकॉर्न'

इंफोकॉम 2022 के दौरान एसटीपीआई - आईटी एक्सपोर्ट्स अवार्ड्स फंक्शन

एसटीपीआई का वित्तीय विश्लेषण

एसटीपीआई की वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कुल राजस्व आय ₹ 267.31 करोड़ थी। ₹9.05 करोड़ के अधिशेष के साथ राजस्व व्यय ₹258.27 करोड (मूल्यह्रास के साथ) है। पूर्व अवधि के मदों के समायोजन के बाद तुलन-पत्र में ₹1.45 करोड़ के अधिशेष को लाया गया। निम्नलिखित ग्राफ आय और व्यय के रुझानो को प्रदर्शित करता है:

(₹ करोड़ में)

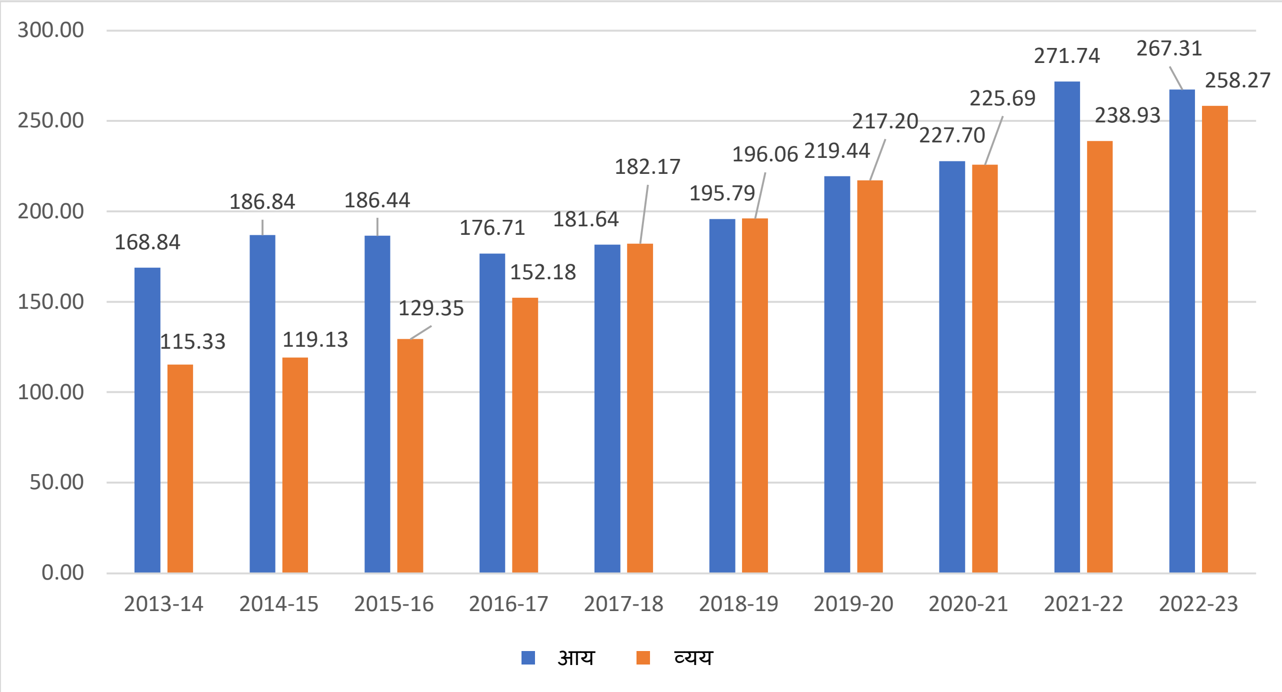

लेखा विवरण

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लेखाओं का संपरीक्षित विवरण अनुबंध-1 में दिया गया है ।

आभार

परिषद, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों, भारतीय रिजर्व बैंक, विभिन्न राज्य सरकारों, देशों में स्थित भारतीय मिशनों, अंतर्राष्ट्रीय वाहकों, हमारे बैंकरों, एसटीपीआई इकाइयों के सदस्यों, सॉफ्टवेयर उद्योग संघों तथा सांविधिक लेखा परीक्षकों से प्राप्त सहयोग के लिये उनका कृतज्ञतापूर्वक आभार व्यक्त करती है। परिषद, एसटीपीआई के सफलतापूर्वक कार्य करने के लिए, इसके अधिकारियों/कर्मचारियों के अथक प्रयासों के लिये उनका भी आभार मानती है।

(अश्विनी वैष्णव)
अध्यक्ष, शासी परिषद,
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
और
रेल, संचार तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार

अनुबंध -1

वार्षिक लेखा

समापन अवधि 31 मार्च, 2023 के लिए

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में,

शासी परिषद, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,

योग्य राय

हमने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के संलग्न वित्तीय विवरण पत्र की लेखा परीक्षा की है जिसमे 31 मार्च, 2023 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र और इस वर्ष की समाप्ति पर आय और व्यय एवं नकदी प्रवाह विवरण-पत्र तथा महत्वपूर्ण लेखांकन प्रतियों का संक्षेप और अन्य विवरणात्मक सूचना और वित्तीय विवरण जिसमे भुवनेश्वर, बेंगलूरू, चेन्नई, कोलकाता, गांधीनगर, गुवाहाटी, हैदराबाद, महाराष्ट्र और तिरुवनंतपुरम के निदेशालय के लेखा परीक्षकों द्वारा उस तारीख को समाप्त वित्तीय वर्ष के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण पर टिप्पण शामिल हैं।

हमारी राय में एवं हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमे दिये गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, हमारी रिपोर्ट की योग्य राय के आधार के भाग में वर्णित मामलों के प्रभाव को छोड़कर, संलग्न वित्तीय विवरण 31 मार्च 2023 की तारीख की स्थिति के अनुसार सोसाइटी की वित्तीय स्थिति और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानकों के अनुरूप वर्ष की समाप्ति पर इसके वित्तीय निष्पादन और नकदी प्रवाह का एक सही और उचित चित्र प्रस्तुत करता है।

योग्य राय के आधार

सैटकॉम सर्विसेज (इंडिया) द्वारा प्राप्त 19.54 करोड़ रुपये का सहायता अनुदान, जिसे वर्ष 1995-96 में एसटीपीआई के साथ विलय कर दिया गया था, एसटीपीआई के खातों की पुस्तकों में लेखांकन मानक -12 (एएस -12) "सरकारी अनुदान के लिए लेखांकन" के अनुपालन के तहत समायोजन किया जाना बाकी है।

हमने अपनी लेखा परीक्षा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार की है । उन मानकों के अनुसार हमारे उत्तरदायित्व हमारी रिपोर्ट के "*वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों के उत्तरदायित्व*" भाग में आगे वर्णित हैं। हम भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार सोसाइटी से स्वतंत्र हैं और इन अपेक्षाओं तथा आचार संहिता के अनुसार हमने अपने अन्य नैतिक दायित्वों का निर्वहन किया है। हमें विश्वास है कि हमें प्राप्त लेखा परीक्षा के साक्ष्य वित्तीय विवरण-पत्र हमारी लेखा परीक्षा संबंधी योग्य राय प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित हैं।

मुद्दों पर जोर:

हम निम्नलिखित बातों पर ध्यान आकर्षित करते हैं:

क. वित्तीय विवरण पत्र की अनुसूची 22क में टिप्पण संख्या 1 में दिए कुछ शेषों के संबंध में, जो समाधान/पुष्टि के अधीन हैं।

इन मामलों के संबंध में हमारी राय संशोधित नहीं है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबन्धन और प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों का उत्तरदायित्व

इन वित्तीय विवरण को तैयार करने की जिम्मेदारी प्रबंधन की है, जो भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान और सोसाइटिज रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1860 द्वारा जारी, भारत में सामान्य तौर पर मान्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार सोसाइटी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्य निष्पादन एवं नकदी प्रवाह का सही और उचित चित्र प्रस्तुत करता है। इस जिम्मेदारी

में सोसाइटी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी तथा अन्य विनियमितताओं की पहचान करने और उसे रोकने के लिए पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड बनाए रखना, समुचित लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग, तर्कसंगत और विवेकपूर्ण निर्णय लेना और अनुमान व्यक्त करना और ऐसे पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की रूपरेखा तैयार करना, उसका कार्यान्वयन और उसका अनुरक्षण करना है, जो लेखांकन रिकॉर्ड की यथार्थता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावकारी रूप से कार्य कर रहा है, जो वित्तीय विवरण तैयार करने और उसके प्रस्तुतीकरण से संबन्धित हैं और यह धोखाधड़ी अथवा त्रुटि से उत्पन्न सभी प्रकार के मिथ्या कथन से मुक्त एकदम उचित तथा निष्पक्ष स्थिति प्रस्तुत करता है।

वित्तीय विवरणों की तैयारी में यह प्रबंधन की जिम्मेदारी होती है कि वह संस्था के एक उन्नतिशील प्रतिष्ठान बने रहने की क्षमता, उन्नतिशील प्रतिष्ठान से सम्बंधित, यथा अनुप्रयोज्य, मामलों को दर्शाना, प्रतिष्ठान के लेखांकन आधार का प्रयोग करना, जब तक कि प्रबंधन संस्थान का परिसमापन करने अथवा इसका परिचालन समाप्त करने का इरादा न रखता हो या उसके पास ऐसा करने के अलावा और कोई वास्तविक विकल्प न हो ।

प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों पर संस्थान के वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया के पर्यवेक्षण का दायित्व है ।

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के प्रति लेखा परीक्षकों का उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस संबंध में यथोचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या धोखाधड़ी अथवा त्रुटि किसी भी वजह से वित्तीय विवरण समग्र रूप से मिथ्या कथन से मुक्त हैं और साथ ही राय से युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट जारी करना है। यथोचित आश्वासन उच्च स्तरीय आश्वासन होता है किन्तु यह इस बात की सुनिश्चितता नहीं है कि लेखांकन मानकों के अनुसार की गयी लेखा परीक्षा मिथ्या कथन यदि विद्यमान भी हो, की सदैव पहचान कर लेगी। मिथ्या कथन धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न होती है और यदि अकेले या सामूहिक रूप से वे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर प्रयोक्ता द्वारा लिए गए निर्णय पर प्रभाव डालते हैं तो उन्हें महत्वपूर्ण समझा जाता है।

लेखांकन मानक के अनुसार, लेखा परीक्षा के एक भाग के रूप में, हम पूरी लेखा परीक्षा में पेशेवर निर्णय लेते हैं और पेशेवर नजरिया बनाये रखते हैं। हम निम्नलिखित कार्य भी करते हैः-

- ➢ वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण गलत विवरण के जोखिमों की पहचान और उसका मूल्यांकन करते हैं चाहे वे धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटि के कारण, उन जोखिमों से निपटने के लिए लेखा प्रक्रिया डिज़ाइन व निष्पादन करते हैं और लेखा परीक्षा करते हैं और लेखा परीक्षा सम्बन्धी साक्ष्य प्राप्त करते हैं जो हमारे राय के लिए पर्याप्त और समुचित हो। धोखाधड़ी के कारण उत्पन्न महत्वपूर्ण गलत विवरणों का पहचान न कर पाने के खतरे का प्रभाव त्रुटि के कारण उत्पन्न किसी खतरे से प्रभाव से अधिक होता है क्योंकि धोखाधड़ी में सांठ-गाँठ, जालसाजी, साभिप्राय चूक, गलतबयानी, आतंरिक नियंत्रण में उल्लंघन शामिल हो सकता है।
- ➢ ऐसी परिस्थितियों में उपयुक्त लेखा परीक्षा प्रक्रिया तैयार करने के लिए सम्बद्ध आतंरिक नियंत्रण प्रणाली हासिल करते हैं ।
- ➢ प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और लेखांकन आकलनों की विश्वसनीयता और प्रबंधन द्वारा किये गए सम्बंधित प्रकटन का मूल्यांकन करते हैं।
- ➢ प्रतिष्ठान के लेखांकन आधार का प्रबंधन द्वारा उपयोग और प्राप्त लेखा परीक्षा के आधार, चाहे कार्यकलापों से सम्बंधित अनिश्चितताएं विद्यमान हों अथवा ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हों जिससे प्रतिष्ठान को चलाने में सोसाइटी की क्षमता पर व्यापक प्रभाव पड़ता हो, के आधार के औचित्य के संबंध में निष्कर्ष निकलना । यदि हम यह निष्कर्ष निकलते हैं कि अनिश्चितताएं विद्यमान हैं तो हम अपने लेखा परीक्षा रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों से सम्बंधित प्रकटन पर ध्यान आकर्षित करते हैं या यदि ऐसे प्रकटन अपर्याप्त होते हैं तो अपनी राय में परिवर्तन करते हैं। हमारी लेखा परीक्षा रिपोर्ट की निष्कर्षता लेखा परीक्षा रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित है । हालांकि भविष्य की गतिविधियों या परिस्थितियों के कारण हो सकता है की सोसाइटी चालू समुत्थान का विषय बना रह सकता है।

- वित्तीय विवरणों में प्रकटन सहित समग्र प्रस्तुतिकरण, संरचना और विषय वस्तु का मूल्यांकन करते हैं और इस बात का भी मूल्यांकन करते हैं कि क्या वित्तीय विवरणों में लेनदेन व घटनाएं इस प्रकार दी गयीं हैं कि निष्पक्षता प्रदर्शित होती हो ।

हम प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों को अन्य बातों के अतिरिक्त योजनागत कार्य क्षेत्र, लेखा परीक्षा का समय और लेखा परीक्षा के दौरान पहचान किये गए आतंरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण खामियों सहित महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्षों की जानकारी देते हैं।

हम प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों को इस संबंध में एक वक्तव्य भी प्रदान करते हैं कि हमने अपनी स्वतंत्रता में और उनके साथ सभी स्तरों पर संचार तथा ऐसे अन्य मामलों में, जिसका हमारी स्वंत्रता पर प्रभाव पड़ता हो, नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है और जहाँ कहीं भी उपयुक्त हुआ सुरक्षोपाय अपनाये।

अन्य मामले

हमने नौ निदेशालयों के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा नहीं की है, जिनके वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2023 की तारीख को कुल परिसंपत्तियां ₹41,922.11 लाख और उस तारीख को समाप्त वर्ष में कुल राजस्व ₹19,950.66 लाख दिखाए गए हैं। इन निदेशालयों के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा निदेशालयों के लेखा परीक्षकों द्वारा की गयी है जिनके रिपोर्ट हमें प्रस्तुत किये गए हैं और निदेशालयों से सम्बंधित राशि और प्रकटन के संबंध में हमारी राय केवल निदेशालयों के लेखा परीक्षकों के रिपोर्ट पर ही आधारित है।

इन मामलों के संबंध में हमारी राय संशोधित नहीं है।

अन्य विधिक एवं विनियामक आवश्यकताओं के बारे में रिपोर्ट

क) हमने ऐसी सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए है, जोकि हमारे सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजन से आवश्यक थे।

ख) हमारी राय में खाता बहियों की जांच से पता चलता है कि सोसाइटी ने खाता बहियों को विधि के अनुसार यथा अपेक्षित तरीके से रखा है।

ग) इस रिपोर्ट में चर्चा किये गए तुलन पत्र, आय व्यय लेखा विवरण सहित नकदी प्रवाह विवरण सम्बद्ध बही खातों के अनुरूप हैं।

कृते ए. पी. टी एंड को एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 014621C/N500088

(राकेश मक्कड़)
भागीदार
सदस्यता सं.-093490
स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: **23 अक्टूबर, 2023**
यूडीआईएन: 23093490BGXPQD5726

लेखा परीक्षक

वार्षिक लेखा

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी एंड एजी आई) की सिफारिश के आधार पर एसटीपीआई के लिए सांविधिक और शाखा लेखा परीक्षक नियुक्त किए गए हैं। इनकी सूची निम्न प्रकार हैः-

क्रम सं	लेखा परीक्षक कम्पनी का नाम	लेखा परीक्षा के लिए आवांटित केन्द
1	एपीटी एंड को एलएलपी (डीई2689) ए-2/36, तृतीय तल, सफ़दरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110029	लेखा का समेकन, लेखा परीक्षा दिल्ली मुख्यालय, नोएडा व गुरूग्राम इकाइयों की लेखा परीक्षा
2	राजगोपाल एंड बद्री नारायणन (बीए0135) #1, प्रथम तल, 7वीं मेन, 14वीं क्रॉस जयनगर, खंड-2 बेंगलुरु - 560011, कर्नाटक	बेंगलुरु, हैदराबाद व चेन्नई इकाइयों की लेखा परीक्षा
3	उदयन जैन एंड एसोसिएट्स (डब्लूआर2168) यूनिट न0 201, द्वितीय तल , टावर एस 4, फेज 2, साइबर सिटी, मागरपट्टा टाउनशिप हड़पसर, पुणे- 411013, महाराष्ट्र	पुणे व गांधीनगर इकाइयों की लेखा परीक्षा
4	एससीएम एसोसिएट्स (एसपीओ042) 98, प्रथम तल, खारवेल नगर, केशरी टॉकीज काम्प्लेक्स, भुबनेश्वर - 751001, ओड़िशा	भुवनेश्वर, गुवाहाटी व कोलकाता इकाइयों की लेखा परीक्षा
5	वी आर एस आर एंड को (एमडी1142) सी-6, उल्लासनगर, पेरुकादा पीओ तिरूवनंतपुरम-695005, केरल	तिरूवनंतपुरम की लेखा परीक्षा

तुलन-पत्र (31 मार्च 2023 को)

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुसूची सं.	चालू वर्ष	गत वर्ष
निधियों का स्रोत:			
सामान्य निधि	1	8,57,51,71,464	8,48,65,92,873
संचित एवं अधिशेष	2	3,22,11,592	10,63,18,566
चिन्हित निधि	3	98,73,74,529	94,16,88,946
(क)		**9,59,47,57,585**	**9,53,46,00,385**
अन्तर इकाई लेखा **(ख)**	4	-	-
ऋण निधि			
सुरक्षित ऋण	5	-	-
असुरक्षित ऋण		5,70,00,000	5,70,00,000
(ग)		5,70,00,000	5,70,00,000
आस्थगित कर देयताएं **(घ)**		-	-
कुल (क+ख+ग+घ)		**9,65,17,57,585**	**9,59,16,00,385**
निधियों का प्रयोग:			
संपत्ति संयत्र व उपस्कर			
सकल खण्ड	6	6,55,03,89,963	6,04,31,60,881
घटाव: संचित मूल्यह्रास		3,57,41,75,336	3,11,31,50,925
निवल खण्ड		2,97,62,14,628	2,93,00,09,956
पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	7	3,31,83,78,308	2,49,02,71,908
(च)		**6,29,45,92,936**	**5,42,02,81,864**
निवेश **(छ)**	8	4,80,15,549	4,80,18,882
आस्थगित कर परिसम्पत्तियाँ **(ज)**		-	-
चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण व अग्रिम			
सामग्रियां	9	1,71,661	1,71,661
विविध देनदार	10	31,20,14,350	23,61,09,142
शेष नकद	11	2,780	4,709
ऋण व अग्रिम	12	3,11,75,57,497	3,48,52,17,506
बैंक में शेष	11	5,09,05,88,129	6,31,30,62,312
संचालन पूर्व खर्चे		1,24,34,826	2,27,12,378
घटाव: चालू देयताएं व प्रावधान			
चालू देयताएं	13	2,94,44,87,975	3,68,73,36,156
प्रावधान	14	2,27,91,32,168	2,24,66,41,911
शुद्ध चालू परिसम्पत्तियाँ **(झ)**		3,30,91,49,099	4,12,32,99,339
कुल(च+छ+ज+झ)		**9,65,17,57,585**	**9,59,16,00,385**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ तथा लेखाओं पर की गई टिप्पणियाँ	**22 व 22क**		

संलग्न नोट वित्तीय विवरण के अभिन्न भाग हैं।

उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार
कृते एपीटी एंड को एलएलपी
सनदी लेखाकार
पंजीकरण सं. 014621C/N500088

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया

(राकेश मक्कड़)
भागीदार
सदस्यता सं. 093490
स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 23 अक्टूबर, 2023
यूडीआईएन: 23093490BGXPQD5726

(सचिन जैन)
मुख्य वित्त अधिकारी

(देवेश त्यागी)
वरिष्ठ निदेशक

(अरविन्द कुमार)
महानिदेशक

आय-व्यय खाता (समापन वर्ष 31 मार्च, 2023 के लिये)

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुसूची सं.	चालू वर्ष	गत वर्ष
आय			
परिचालन आय	15	2,37,62,02,234	1,98,62,57,572
अर्जित ब्याज	16	25,21,71,409	70,17,95,168
अन्य आय	17	4,47,38,973	2,93,02,925
कुल		**2,67,31,12,616**	**2,71,73,55,665**
व्यय			
डाटा लिंक शुल्क		6,04,04,825	5,71,52,638
परियोजना व्यय		22,06,95,535	20,54,19,635
कर्मचारियों की पारिश्रमिक व लाभ	18	1,14,21,87,462	1,08,16,69,943
बिक्री, प्रशासन व अन्य व्यय	19	63,40,28,562	56,54,46,751
ब्याज व वित्त शुल्क	20	1,56,20,105	2,23,73,477
मूल्यह्रास	6	50,97,17,846	45,71,92,191
कुल		**2,58,26,54,335**	**2,38,92,54,635**
कर पूर्व अवधि के समायोजन से पूर्व अधिशेष/(घाटा)		**9,04,58,282**	**32,81,01,030**
पूर्व अवधि के समायोजन	21	(7,59,86,665)	47,29,62,564
कर से पूर्व अधिशेष/(घाटा)		**1,44,71,617**	**80,10,63,594**
कराधान के लिए प्रावधान			
वर्तमान आयकर		-	-
आस्थगित कर		-	-
कुल कर व्यय		-	-
कर के बाद अधिशेष/(घाटा)		**1,44,71,617**	**80,10,63,594**
तुलन-पत्र में ले जाया गया अधिशेष/(घाटा)		**1,44,71,617**	**80,10,63,594**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ तथा लेखाओं पर की गई टिप्पणियाँ	**22 व 22 क**		

संलग्न नोट वित्तीय विवरण के अभिन्न भाग हैं।

उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते एपीटी एंड को एलएलपी

सनदी लेखाकार

पंजीकरण सं. 014621C/N500088

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया

(राकेश मक्कड़)	(सचिन जैन)	(देवेश त्यागी)	(अरविन्द कुमार)
भागीदार	मुख्यवित्त अधिकारी	वरिष्ठ निदेशक	महानिदेशक

सदस्यता सं. 093490

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 23 अक्टूबर, 2023

यूडीआईएन: 23093490BGXPQD5726

नगदी प्रवाह विवरण (समापन वर्ष 31 मार्च, 2023 के लिये)

(राशि ₹ में)

	विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
1	**परिचालन गतिविधियों से नगदी प्रवाह**		
	कर एवं पूर्व अवधि के समायोजन से पहले शुद्ध अधिशेष	9,04,58,282	32,81,01,030
	समायोजन हेतु:-		
	मूल्यह्रास	50,97,17,846	45,71,92,191
	ब्याज व्यय	1,56,20,105	2,23,73,477
	विविध देनदारों सम्बन्धी प्रावधान का वापसी-लेखन	(18,93,234)	(17,76,222)
	संयुक्त उद्यम से प्राप्त लाभांश	(1,25,51,000)	(1,25,51,000)
	विविध जमा शेष प्रावधान का वापसी-लेखन	(2,45,99,861)	(24,42,706)
	सेवानिवृति लाभ व पी एफ ट्रस्ट हेतु प्रावधान	8,64,89,565	8,94,10,855
	संदेहास्पद ऋण हेतु प्रावधान	2,14,92,408	17,37,555
	माफ़ किए गए अशोध्य ऋण	3,35,246	4,10,136
	अचल सम्पत्ति की बिक्री पर शुद्ध हानि/(लाभ)	8,01,581	(5,19,806)
	ब्याज की आय	(25,21,71,409)	(70,17,95,168)
	पूर्व अवधि आय	(4,77,651)	(47,52,82,181)
	विदेशी मुद्रा अस्थिरता से शुद्ध हानि/(लाभ)	15,69,984	12,95,344
	कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पूर्व परिचालन अधिशेष	**43,47,91,861**	**(29,38,46,495)**
	समायोजन हेतु:-		
	विविध देनदारों में (वृद्धि)/ कमी	(7,59,05,208)	97,75,200
	ऋण व अग्रिम में (वृद्धि)/ कमी	7,98,83,884	13,53,59,051
	सामग्रियों में (वृद्धि)/ कमी	-	(1,71,661)
	चालू देयतायों व प्रावधान में वृद्धि/ (कमी)	(76,33,57,924)	1,18,93,44,855
	पूर्व अवधि समायोजन से पहले परिचालन से उत्पन्न/(प्रयुक्त) नगदी	(32,45,87,387)	1,04,04,60,951
	पूर्व अवधि समायोजन	(7,59,86,665)	47,29,62,564
	कर पूर्व परिचालन से उत्पन्न/(प्रयुक्त) नकदी	(40,05,74,052)	1,51,34,23,514
परिचालन गतिविधियों से प्रवाह /(में प्रयुक्त)निवल नगदी		**(40,05,74,052)**	**1,51,34,23,514**
2	**निवेश गतिविधियों से नगद प्रवाह**		
	अचल संपत्तियों खरीद	(5,76,61,906)	(7,81,21,381)
	परिसंपत्तियों की बिक्री	10,77,996	15,53,715
	निवेश की (खरीद)/ बिक्री	3,333	-
	संयुक्त उद्यम से प्राप्त लाभांश	57,05,000	1,02,69,000
	पूंजीगत निर्माणाधीन कार्य	(1,10,82,11,328)	(28,62,22,351)
	अनुसूचित बैंकों में जमा	2,01,83,85,048	(1,29,51,10,839)
	प्राप्त ब्याज	15,59,40,966	67,14,89,067
	संचालन पूर्व व्यय में (वृद्धि)/ कमी	(2,11,45,490)	(2,03,68,039)
निवेश गतिविधियों से प्रवाह /(में प्रयुक्त)निवल नगदी		**99,40,93,619**	**(99,65,10,828)**
3	**वित्तीय गतिविधियों से नगद प्रवाह**		
	ब्याज व्यय	(1,56,20,105)	2,23,73,477
	चिन्हित कोष में वृद्धि/(कमी)	12,17,76,251	19,26,00,000
	सुरक्षित ऋण में वृद्धि/(कमी)	-	-
	असुरक्षित ऋण में वृद्धि/(कमी)	-	-
वित्तीय गतिविधियों से प्रवाह /(में प्रयुक्त)निवल नगदी		**10,61,56,146**	**21,49,73,477**
4	**नगद व नगद समान में निवल वृद्धि/(कमी)**	69,96,75,713	73,18,86,163
5	**वर्ष के आरम्भ में नगद व नगद समान**	1,25,83,42,136	52,64,55,974
वर्ष के अंत में नगद व नगद समान		**1,95,80,17,849**	**1,25,83,42,136**

उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते एपीटी एंड को एलएलपी | **कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया**

सनदी लेखाकार

पंजीकरण सं. 014621C/N500088

(राकेश मक्कड़)	(सचिन जैन)	(देवेश त्यागी)	(अरविन्द कुमार)
भागीदार	मुख्य वित्त अधिकारी	वरिष्ठ निदेशक	महानिदेशक

सदस्यता सं. 093490

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 23 अक्टूबर, 2023

यूडीआईएन: 23093490BGXPQD5726

31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलन-पत्र का भाग हैं

अनुसूची 1 : सामान्य निधि (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
सामान्य निधि		
वर्ष के प्रारंभ में	8,48,65,92,873	7,68,55,29,279
जोड़: वर्ष के दौरान वृद्धि	1,44,71,617	80,10,63,594
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग / समायोजन	7,41,06,974	-
कुल	**8,57,51,71,464**	**8,48,65,92,873**

अनुसूची 2 : संचित व अधिशेष (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
संचित पूँजी		
वर्ष के प्रारंभ में	10,63,18,566	10,63,18,566
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग / समायोजन	7,41,06,974	-
कुल	**3,22,11,592**	**10,63,18,566**

अनुसूची 3 : आबंटित निधि (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
सहायतार्थ अनुदान-अपना		
वर्ष के प्रारंभ में	88,59,30,169	1,35,02,43,006
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्ति	12,74,50,000	18,55,00,000
जोड़:वर्ष के दौरान समायोजन	9,19,344	9,75,69,001
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग	6,98,99,117	61,48,12,838
घटा:वर्ष के दौरान समायोजन	-	13,25,69,000
(क)	**94,44,00,396**	**88,59,30,169**
सहायतार्थ अनुदान-अन्य इकाइयाँ		
वर्ष के प्रारंभ में	5,57,58,777	6,13,16,454
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्ति	71,00,000	71,00,000
जोड़:वर्ष के दौरान समायोजन	-	-
घटा: वर्ष के दौरान उपयोग	1,98,84,644	1,26,57,677
घटा:वर्ष के दौरान समायोजन	-	-
(ख)	**4,29,74,133**	**5,57,58,777**
कुल(क+ख)	**98,73,74,529**	**94,16,88,946**

31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलन-पत्र का भाग हैं

अनुसूची 4 : अन्तर इकाई लेखा (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
एसटीपीआई-मुख्यालय	4,79,12,63,871	4,08,89,71,872
एसटीपीआई-भिलाई	(10,20,91,270)	(12,01,07,762)
एसटीपीआई-इन्दौर	(11,61,45,156)	(13,43,99,703)
एसटीपीआई-जयपुर	(14,14,78,762)	(11,38,09,561)
एसटीपीआई-जोधपुर	1,57,85,452	1,49,25,323
एसटीपीआई-मोहाली	68,22,42,134	(39,23,26,892)
एसटीपीआई-शिमला	(4,29,31,284)	85,15,207
एसटीपीआई-श्रीनगर	(14,09,59,322)	(15,96,06,848)
एसटीपीआई-जम्मू	28,32,487	43,19,409
एसटीपीआई-बैंगलुरू	(77,19,89,508)	(70,79,66,992)
एसटीपीआई-मैसूर	-	-
एसटीपीआई-मणिपाल	-	-
एसटीपीआई-हुबली	-	-
एसटीपीआई-मैंगलुरु	-	-
एसटीपीआई-हैदराबाद	5,14,36,367	34,18,461
एसटीपीआई-विशाखापत्तनम	(99,80,610)	(67,73,428)
एसटीपीआई-विजयवाड़ा	(30,91,45,457)	(35,38,52,469)
एसटीपीआई-वारंगल	(16,91,728)	(21,80,659)
एसटीपीआई-तिरूपति	(1,57,67,597)	(1,20,38,945)
एसटीपीआई-काकीनाडा	(86,70,222)	(70,52,836)
एसटीपीआई-नवी मुम्बई	9,64,15,501	8,05,53,673
एसटीपीआई-पूणे	2,54,36,572	1,51,41,931
एसटीपीआई-औरंगाबाद	(8,97,298)	(12,42,957)
एसटीपीआई-नागपुर	(8,49,10,667)	(4,21,24,176)
एसटीपीआई-कोल्हापुर	(49,47,118)	(52,84,564)
एसटीपीआई-नासिक	6,21,211	(10,50,043)
एसटीपीआई-नोएडा	(65,44,32,375)	(57,24,04,035)
एसटीपीआई-देहरादून	(5,60,72,949)	(1,83,24,744)
एसटीपीआई-लखनऊ	(30,02,745)	(2,14,75,794)
एसटीपीआई-कानपुर	(51,62,945)	(20,51,871)
एसटीपीआई-प्रयागराज	(10,96,10,176)	(11,63,99,918)
एसटीपीआई-चेन्नई	19,85,06,430	22,51,46,324
एसटीपीआई-कोयम्बटूर	1,07,84,888	(9,06,190)
एसटीपीआई-पॉन्डिचेरी	(15,06,659)	7,89,970
एसटीपीआई-त्रिची	(10,35,706)	3,84,611
एसटीपीआई-तिरुनेलवेली	(8,681)	8,680
एसटीपीआई-मदुरै	(21,03,037)	26,90,286
एसटीपीआई-गंगटोक	(40,62,234)	(15,68,338)
एसटीपीआई-गुवाहाटी	(23,09,93,135)	(22,58,18,309)
एसटीपीआई-इम्फाल	(25,98,732)	(29,51,420)
एसटीपीआई-भुवनेश्वर	(7,66,79,332)	7,37,47,920

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
एसटीपीआई-दुर्गापुर	57,60,810	64,95,662
एसटीपीआई-कोलकाता	(1,00,40,23,682)	(66,09,18,638)
एसटीपीआई-राऊरकेला	7,51,92,510	4,72,14,246
एसटीपीआई-खड़गपुर	1,10,200	2,93,949
एसटीपीआई-रांची	(14,38,57,791)	(14,94,09,418)
एसटीपीआई-सिलीगुड़ी	81,40,024	80,63,850
एसटीपीआई-हल्दिया	75,18,911	79,27,513
एसटीपीआई-शिलाँग	(32,85,979)	(17,58,112)
एसटीपीआई-पटना	(14,87,21,947)	(9,47,43,681)
एसटीपीआई-भिवाड़ी		-
एसटीपीआई-तिरुवनंतपुरम	(44,43,38,527)	(28,49,57,532)
एसटीपीआई-गांधीनगर	(7,91,60,753)	(11,21,67,148)
शाखा पुनर्मिलान	19,138	-
एसटीपीआई-बेरहामपुर	(2,99,56,508)	(3,33,86,351)
एसटीपीआई-आइजोल	(60,36,687)	(25,20,000)
एसटीपीआई-अगरतला	(3,50,93,653)	(4,61,89,048)
एसटीपीआई-गुरुग्राम	(1,10,97,48,482)	(10,17,25,683)
एसटीपीआई-गोवा	(2,36,15,073)	(2,55,37,717)
एसटीपीआई-देवघर	(39,13,481)	(55,57,952)
एसटीपीआई-कोहिमा	(4,61,11,443)	(5,20,90,754)
एसटीपीआई-भोपाल	3,42,247	-
एसटीपीआई-ग्वालियर	93,071	-
एसटीपीआई-मेरठ	90,405	-
एसटीपीआई- धनबाद	41,46,483	40,71,601
कुल		

अनुसूची 5 : ऋण निधि **(राशि ₹ में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
सुरक्षित ऋण		
बैंकों से नकद-उधार	-	-
वित्तीय संस्थानों से	-	-
सुरक्षित ऋण पर अर्जित तथा देय ब्याज	-	-
(क)	-	-
असुरक्षित ऋण	-	-
भारत सरकार से	-	-
राज्य सरकारों से	5,00,00,000	5,00,00,000
अन्य संस्थानों और एजेंसियों से	70,00,000	70,00,000
असुरक्षित ऋण पर अर्जित तथा देय ब्याज	-	-
(ख)	5,70,00,000	5,70,00,000
कुल (क+ख)	**5,70,00,000**	**5,70,00,000**

31 मार्च, 2023 समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग हैं

अनुसूची 6: स्थायी परिसंपत्तियां एवं मुल्य्हास

(राशी ₹ में)

विवरण	सकल ब्लॉक					मूल्यह्रास				नेट ब्लॉक	
	01.04.22 को	संयोजन: 180 या उससे अधिक दिनों के लिए	संयोजन: 180 से कम दिनों के लिये	कटौतियां/ समायोजन	31.03.23 को	01.04.22 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान समायोजन/ पूर्व अवधि मुल्य्ह्रास	31.03.23 को	31.03.23 को	31.03.22 को
मूर्त संपत्तियां											
भूमि:											
मुक्तिधारित	1,70,41,374	-	-	-	1,70,41,374	-	-	-	-	1,70,41,374	1,70,41,374
पट्टाधारित	1,54,40,582	-	2,25,000	-	1,56,65,582	8,70,054	1,71,937	-	10,41,991	1,46,23,591	1,45,70,528
भवन:											
आवासीय	16,94,07,838	-	-	-	16,94,07,838	1,07,13,104	56,53,177	-	1,63,66,281	15,30,41,557	15,86,94,734
अन्य	3,36,94,51,037	21,96,31,423	1,01,98,905	12,28,666	3,59,80,52,700	1,38,57,97,594	24,06,38,467	(10,87,185)	1,62,75,23,247	1,97,05,29,453	1,98,36,53,443
अस्थायी निर्माण	85,55,285	-	-	-	85,55,285	85,55,285	-	-	85,55,285	-	-
फर्नीचर एवं फिक्सचर	34,72,30,468	13,75,28,510	14,39,398	29,13,733	48,32,84,643	19,18,84,493	3,88,88,374	(48,17,864)	23,55,90,731	24,76,93,912	15,53,45,975
विद्युत् फिटिंग	34,79,68,599	2,47,53,251	3,35,694	5,10,543	37,25,47,002	19,67,27,397	5,31,74,965	2,04,992	24,96,97,369	12,28,49,633	15,12,41,202
एचएसडीसी उपस्कर	35,39,25,499	62,60,855	47,36,837	3,64,92,239	32,84,30,952	31,32,32,789	1,65,34,810	3,57,62,199	29,40,05,400	3,44,25,552	4,06,92,710
विद्युत् उपकरण	84,96,73,280	9,95,11,273	27,83,297	65,78,717	94,53,89,132	55,06,76,571	10,94,34,884	33,22,303	65,67,89,152	28,85,99,980	29,89,96,709
कार्यालय उपस्कर	21,80,73,865	1,34,26,333	25,85,918	39,89,104	23,00,97,013	16,86,44,274	1,81,97,682	38,02,017	18,30,39,941	4,70,57,073	4,94,29,590
वाहन:											
कार	1,05,36,625	-	-	-	1,05,36,625	55,76,057	17,90,526	-	73,66,583	31,70,041	49,60,568
अन्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कंप्यूटर एवं उपांत उपस्कर	15,30,49,584	75,88,617	77,36,964	1,07,61,512	15,76,13,652	12,95,37,024	1,12,60,791	88,58,670	13,19,39,146	2,56,74,506	2,35,12,560
अग्निशमन उपस्कर	7,03,56,374	1,44,00,223	82,93,894	1,29,918	9,29,20,573	4,27,97,136	1,14,92,173	68,031	5,42,21,278	3,86,99,295	2,75,59,238
अमूर्त संपत्तियां	5,46,81,148	-	1,13,97,121	30,00,000	6,30,78,269	5,09,33,144	19,16,740	34,19,724	5,02,69,608	1,28,08,661	37,48,004
प्लांट एवं मशीनरी	5,77,69,323	-	-	-	5,77,69,323	5,72,06,003	5,63,320	-	5,77,69,323	-	5,63,320
वर्तमान वर्ष का कुल	**6,04,31,60,881**	**52,31,00,486**	**4,97,33,027**	**6,56,04,431**	**6,55,03,89,963**	**3,11,31,50,925**	**50,97,17,846**	**4,95,32,886**	**3,57,41,75,336**	**2,97,62,14,628**	**2,93,00,09,956**
पिछले वर्ष का कुल	**5,75,47,90,017**	**37,03,12,495**	**19,25,76,395**	**27,45,18,023**	**6,04,31,60,881**	**2,76,74,77,973**	**45,71,92,191**	**11,15,19,241**	**3,11,31,50,925**	**2,93,00,09,956**	**2,98,73,12,043**

31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलन-पत्र का भाग हैं

अनुसूची 7 : पूंजीगत निर्माणाधीन कार्य (राशि ₹ में)

विवरण	प्रारंभिक शेष 01.04.2022 को	संयोजन	पूँजीगत / समायोजन	अंत शेष 31.03.2023 को
मूर्त संपत्ति				
भूमि:				
मुक्तधारिता	-	-	-	-
पट्टे पर	8,680	1	-	8,681
भवन:				
आवासीय	-	-	-	-
अन्य	2,26,90,63,925	1,31,33,19,043	33,00,32,920	3,25,23,50,048
अस्थायी निर्माण	-	-	-	-
फर्नीचर एवं फिक्सर	10,10,01,131	2,42,28,216	10,10,01,131	2,42,28,216
विद्युत स्थापना	-	-	-	-
एचएसडीसी उपस्कर	9,87,54,791	97,06,864	8,98,85,549	1,85,76,105
विद्युत उपस्कर	-	-	-	-
कार्यालय उपस्कर	1,86,000	-	1,86,000	-
कम्प्यूटर व बाह्य उपस्कर	1,82,10,415	-	-	1,82,10,415
अग्निशमन उपस्कर	-	-	-	-
मुद्रा परिवर्तन दर में अन्तर	-	-	-	-
प्लांट व मशीनरी	-	-	-	-
अमूर्त सम्पत्तियां	-	-	-	-
कुल (क)	**2,48,72,24,941**	**1,34,72,54,124**	**52,11,05,600**	**3,31,33,73,465**
निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय	30,46,967	19,57,876	-	50,04,843
चालू वर्ष का कुल	**2,49,02,71,908**	**1,34,92,12,000**	**52,11,05,600**	**3,31,83,78,308**
गत वर्ष	**1,73,94,15,368**	**1,22,84,20,421**	**47,75,63,881**	**2,49,02,71,908**

31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलन-पत्र का भाग हैं

अनुसूची 8 : पूँजीनिवेश (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
संयुक्त उद्यम में निवेश	2,44,40,000	2,44,40,000
सहायक कम्पनियों में निवेश	-	-
भारत सरकार के प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
बांड में निवेश	-	-
अन्य में निवेश	2,35,75,549	2,35,78,882
कुल	**4,80,15,549**	**4,80,18,882**

अनुसूची 9 : सामग्रियां (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
भंडार एवं पुर्जे	1,71,661	1,71,661
एसटीपीआई प्रकाशन / पुस्तकें	-	-
निर्माणाधीन परियोजनाएं	-	-
कुल	**1,71,661**	**1,71,661**

अनुसूची 10 : विविध देनदार (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
6 महीने से ज्यादा बकाया	26,38,72,896	21,17,90,540
अन्य बकाया	19,10,68,749	15,12,98,773
कुल(क)	**45,49,41,645**	**36,30,89,313**
घटा: संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान (ख)	14,29,27,294	12,69,80,171
कुल (क-ख)	**31,20,14,350**	**23,61,09,142**

31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलन-पत्र का भाग हैं

अनुसूची 11 : नकद व बैंक में जमा राशि (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
हस्तगत नकद	-	25
फ़ूड वाउचर और हस्तगत स्टाम्प	2,780	4,684
(क)	**2,780**	**4,709**
अनुसूचित बैंकों के पास शेष रकम		
अनुसूचित बैंक के चालू खाते में	-	-
अनुसूचित बैंक के बचत खाते में	1,95,80,17,849	1,25,83,37,427
अनुसूचित बैंक के ईईएफसी खाता में	-	-
अनुसूचित बैंक के जमा खाता में	41,44,17,000	1,47,76,33,711
हस्तगत और मार्गस्थ चेक / डीडी	-	-
जमा रकम पर अर्जित ब्याज पर अभी देय नहीं	21,12,08,411	11,49,77,967
(ख)	**2,58,36,43,260**	**2,85,09,49,105**
अन्य नकद और बैंक में जमा राशि		
3 महीने से अधिक सावधि जमा	2,36,75,18,934	3,36,75,46,232
ग्रहणाधिकार के तहत सावधि जमा	13,94,25,936	9,45,66,975
(ग)	**2,50,69,44,870**	**3,46,21,13,207**
कुल(ख+ग)	**5,09,05,88,129**	**6,31,30,62,312**
कुल (क+ख+ग)	**5,09,05,90,909**	**6,31,30,67,020**

31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलन-पत्र का भाग हैं

अनुसूची 12 : ऋण व अग्रिम

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
ऋण (असुरक्षित पर वसूली योग्य समझे गए) :		
कर्मचारीगत	76,86,151	66,32,650
सहायक कंपनियां	-	-
अन्य	-	1,772
(क)	**76,86,151**	**66,34,422**
अग्रिम		
पूर्तिकर्ता व ठेकेदारों को	82,21,03,562	63,34,24,034
कर्मचारियों को (ब्याज सहित)	11,28,759	11,90,795
वसूली योग्य दावे	15,50,67,672	20,27,91,917
अन्य	47,84,39,982	86,15,26,905
(ख)	**1,45,67,39,975**	**1,69,89,33,651**
प्रीपेड व्यय	51,06,034	57,06,957
प्रतिभूति / जमा अग्रिम धन	6,52,40,149	10,54,59,509
अग्रिम आयकर	1,69,23,29,815	1,77,78,93,008
(ग)	**1,76,26,75,997**	**1,88,90,59,474**
कुल (क+ख+ग)	**3,22,71,02,124**	**3,59,46,27,547**
घटा: संदेहात्मक ऋण व अग्रिम के लिए (घ)	10,95,44,626	10,94,10,041
कुल (क+ख+ग-घ)	**3,11,75,57,497**	**3,48,52,17,506**

31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलन-पत्र का भाग हैं

अनुसूची 13 : चालू देयताएं (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
विविध लेनदार :		
(क) सेवाओं के लिए	8,53,95,382	10,01,14,948
(ख) सप्लाई के लिए	7,78,94,569	7,80,87,804
(ग) अन्य व्ययों के लिए	2,67,92,252	2,99,44,977
	19,00,82,203	**20,81,47,729**
ठेकेदारों व अन्य से प्राप्त जमानत व जमा	26,62,41,282	29,96,20,814
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम:		
(क) सेवाओं तथा अन्यों के लिए	20,01,19,472	23,28,04,771
(ख) परियोजना के लिए	17,45,21,597	28,27,45,152
	37,46,41,070	**51,55,49,923**
अन्य देयताएं	78,16,74,942	77,61,70,473
परियोजना के लिए अग्रिम	1,33,18,48,478	1,88,78,47,217
कुल	**2,94,44,87,975**	**3,68,73,36,156**

अनुसूची 14 : प्रावधान (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
आय कर	1,49,11,00,000	1,49,11,00,000
कर्मचारियों के लिए लाभ	75,94,76,664	72,69,86,406
प्रावधान: अन्य	2,85,55,505	2,85,55,505
कुल	**2,27,91,32,168**	**2,24,66,41,911**

31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो आय व्यय लेखा का भाग है

अनुसूची 15 : परिचालन आय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
सॉफ्ट प्वाइंट	-	-
सॉफ्ट लिंक	20,23,15,917	20,02,35,019
सैटेलाइट गेटवे सेवाएं	-	-
सांविधिक शुल्क	1,43,01,09,129	1,22,02,30,331
परियोजना क्रियान्वयन, प्रबंधन व परामर्श	29,57,96,132	22,69,31,100
इंक्यूबेशन आय	36,82,04,667	27,24,15,785
अन्य सेवाएं	7,97,76,389	6,64,45,336
इंटरनेट टेलीफोनी सेवाएं	-	-
कुल	**2,37,62,02,234**	**1,98,62,57,572**

अनुसूची 16 : ब्याज आय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
बैंकों के पास जमा राशि से	19,10,48,135	19,06,13,213
बैंकों के पास बचत खाते से	3,41,69,299	2,76,88,856
भारत सरकार की प्रतिभूति में निवेश से	-	-
बांड में निवेश से	-	-
कर्मचारियों को ऋण देने से	2,13,880	1,97,030
अन्यों से	2,67,40,095	48,32,96,070
कुल	**25,21,71,409**	**70,17,95,168**

अनुसूची 17 : अन्य आय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
अनुदान व अनुवृति	-	-
विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव से लाभ	1,63,076	10,065
अग्रिमो के लिए प्रावधान का वापसी-लेखन	41,612	5,84,485
विविध देनदारों के लिए प्रावधान का वापसी-लेखन	18,93,234	17,76,222
विविध जमा शेष का वापसी-लेखन	2,45,99,861	24,42,706
अचल संपत्ति की बिक्री/ निपटान से लाभ	5,42,536	5,43,185
निवेश की बिक्री/ विमोचन से लाभ	-	-
संयुक्त उद्यम से लाभांश	1,25,51,000	1,25,51,000
सहायक कंपनियों से लाभांश	-	-
अन्यों से लाभांश	-	-
अन्य विविध आय	49,47,653	1,13,95,262
कुल	**4,47,38,973**	**2,93,02,925**

31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो आय व्यय लेखा का भाग है

अनुसूची 18 : कर्मचारियों के पारिश्रमिक तथा लाभ (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
वेतन, मजदूरी व अन्य लाभ	1,03,76,19,094	97,41,48,228
भविष्य व अन्य निधियों में अंशदान	7,62,30,226	6,76,01,882
ग्रेच्युटी निधि में अंशदान	1,20,20,810	1,69,33,449
कर्मगारों व कर्मचारियों के कल्याणार्थ	1,63,17,331	2,29,86,384
कुल	**1,14,21,87,462**	**1,08,16,69,943**

अनुसूची 19 : बिक्री, प्रशासनिक व अन्य व्यय (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
स्टोर एवं पुर्जों की खपत	28,79,063	25,74,899
किराया	1,23,50,589	1,72,34,291
दरें व कर	3,70,10,800	2,23,47,436
प्रशिक्षण एवं भर्ती	23,95,986	19,21,302
बीमा	35,49,216	31,19,854
मरम्मत व रख-रखाव - भवन	9,89,04,365	11,05,86,488
मरम्मत व रख-रखाव - अर्थ स्टेशन	89,02,763	75,69,859
मरम्मत व रख-रखाव - अन्य	4,55,78,246	4,28,21,715
संचार व्यय	1,05,10,519	98,34,091
यात्रा व संवहन व्यय	1,60,22,850	70,12,208
वाहन चालन व किराया शुल्क	2,25,39,397	1,93,37,284
लेखा परीक्षकों की अदायगी	8,28,120	7,90,640
विज्ञापन व प्रचार व्यय	1,66,21,182	1,08,22,335
सुरक्षा व्यय	8,83,19,727	8,52,39,783
व्यवसाय संवर्धन	23,44,484	17,54,958
मुद्रण व लेखन सामग्री	35,89,760	39,65,919
अखबार, पुस्तकें व पत्रपत्रिकाएं	5,12,483	4,74,662
बैंक शुल्क	7,51,430	17,48,090
बिजली, ईधन व पानी शुल्क	18,51,04,299	17,19,69,627
कंप्यूटर किराया व परिचालन व्यय	29,14,633	18,93,685
विधि शुल्क	19,63,616	4,26,070
व्यावसायिक व परामर्श शुल्क	95,25,137	1,50,30,981
दान	-	-
विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव से हानि	17,33,060	12,95,344
अचल सम्पति बिक्री/निपटान से हानि	13,44,117	23,379
निवेश की बिक्री/ शोधन पर घाटा	-	-
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	2,13,57,823	17,37,555
संदेहास्पद अग्रिमों के लिए प्रावधान	1,34,585	-
अप्रयुक्त स्टॉक के लिए प्रावधान	-	-
बट्टे खाते डाले गए अशोध्य ऋण	3,35,246	4,10,136
अन्य व्यय	3,60,05,067	2,35,04,161
कुल	**63,40,28,562**	**56,54,46,751**

31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो आय व्यय लेखा का भाग है

अनुसूची 20: ब्याज व वित्त शुल्क (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
भारत सरकार से प्राप्त ऋण पर ब्याज	-	-
बैंकों से लिए गए ऋण पर ब्याज	-	-
वित्तीय संस्थान से लिए गए ऋण पर ब्याज	-	-
विदेशी मुद्रा ऋण पर ब्याज	-	-
भारतीय मुद्रा में लिए ऋण पर किया गया खर्च	-	-
विदेशी मुद्रा में लिए ऋण पर किया गया खर्च	-	-
अन्यों पर ब्याज	1,56,20,105	2,23,73,477
कुल	**1,56,20,105**	**2,23,73,477**

अनुसूची 21: पूर्व अवधि के समायोजन (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
पूर्व अवधि का व्यय		
डाटा लिंक शुल्क	2,38,193	1,02,177
परियोजना व्यय	1,07,25,510	-
कर्मचारी परिश्रमिकी व्यय	11,96,454	1,26,000
मूल्यह्रास	82,24,707	27,23,760
संचार व्यय	5,898	-
यात्रा व परिवहन	1,80,720	-
विद्युत व जल	7,79,097	62,840
सेवाएं	-	-
ब्याज	-	-
अन्य	5,81,74,973	21,79,291
	7,95,25,552	**51,94,068**
पूर्व अवधि से आय		
सेवाएं	31,65,411	28,99,462
ब्याज	(1,04,175)	(25,011)
अन्य	4,77,651	47,52,82,181
	35,38,887	**47,81,56,632**
कुल	**(7,59,86,665)**	**47,29,62,564**

अनुसूची-22

31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, जो लेखाओं का भाग है।

1. लेखांकन परिपाटियाँ

क) लेखा ऐतिहासिक लागत परंपरा, अर्जन आधारित तथा चालू संस्थान के सिद्धांत पर तैयार किए गए हैं।

ख) लेखांकन नीतियाँ जिनका विशेष रूप से किसी स्थान पर अन्यत्र उल्लेख नहीं किया गया है, संगतपूर्ण हैं तथा सामान्य रूप से स्वीकृत भारतीय लेखांकन पद्धतियों/सिद्धांतों के अनुरूप हैं, जिसमे आईसीएआई द्वारा जारी अनिवार्य लेखांकन मानकों सहित सिद्धांत, मार्गदर्शी टिप्पणियां तथा जारी अन्य घोषणाएं शामिल है।

ग) उपभोज्य सामग्रियों की खरीद को व्यय के रूप में लिया जाता है, भले ही अंत में उनका उपभोग किया हो या स्टॉक में रखा गया हो, क्योंकि समग्र प्रभाव महत्वपूर्ण नहीं है।

घ) उपभोक्ताओं के स्थलों पर प्रतिस्थापित रेडियो मास्ट की लागत को उपयोज्य मद होने के कारण व्यय शीर्ष में प्रभारित किया जाता है और इसे ग्राहकों से वसूल किया जाता है और तदनुसार इसे साफ्टप्वाइंट/साफ्टलिंक आय में दर्ज किया गया है।

ङ) ₹5,000/- से कम राशि के पूर्व अवधि व्यय और आय को चालू वित्तीय वर्ष के दौरान संबंधित लेखा शीर्ष में सीधा खाते में डाला/जमा किया जाता है।

2. अनुमानों का प्रयोग

वित्तीय विवरणियाँ तैयार करते समय अनुमानों और पूर्वानुमानों की जरूरत होती है जिनका प्रभाव उस अवधि के आय तथा व्यय की बताई गई राशि, परिसम्पतियों तथा देयताओं के लिए दर्शाई गई राशि तथा वित्तीय विवरण की तिथि के अनुसार आकस्मिक देयताओं पर पड़ता है। वास्तविक परिणामों तथा अनुमानों के बीच के अंतर को उस अवधि का माना जाता है जिस अवधि में परिणाम का पता लगता है/पूरा हो जाता है।

3. मूल्यह्रास

क) संयोजन वर्ष में ₹ 5,000/- तथा उससे कम की परिसम्पतियों का शत-प्रतिशत की दर से मूल्यह्रास किया जाता है।

ख) नीचे दी गयी विनिर्धारित दरों के आधार पर सरल रेखापद्धति के अनुसार अन्य परिसम्पतियों का मूल्यह्रास किया जाता है।

1.	भवन	10%
2.	कम्प्यूटर व बाह्य उपस्कर	25%
3.	विद्युत स्थापन	15%
4.	फर्नीचर व फिक्सचर	10%
5.	कार्यालय उपस्कर	15%
6.	एचएसडीसी उपस्कर	20%
7.	टावर व मास्ट	20%
8.	मोबाईल फोन	25%
9.	वाहन	20%
10.	प्लांट व मशीनरी	30%

ग) अमूर्त परिसम्पतियों का अनुमानित लाभप्रद अवधि के आधार पर परिशोधन किया जाता है। तेजी से होने वाले प्रौद्योगिकी परिवर्तनों और अप्रचलन की तेज दर के कारण साफ्टवेयर व्ययों को उद्भूत वर्ष का ही माना जाता है।

4. राजस्व अभिज्ञान

क) वार्षिक सेवा शुल्क वर्ष के आरंभ में अस्थायी रूप से यूनिट के पिछले वर्ष के अनुमानित/वास्तविक निर्यात कारोबार में से उच्चतम पर लगाया जाता है। वास्तविक आंकड़े प्राप्त होने पर शुल्क में अंतर/परिवर्तन दर्ज किया जाता है।

ख) स्थान तथा मूलभूत सुविधाएँ मुहैया कराने के लिए मासिक आधार पर शुल्क लगाया जाता है।

ग) डी-बॉन्डिंग अथवा शिथिल ईकाइयों के मामलों में न्यूनतम शुल्क लगाया जाता है और इसे पंजीकरण के समय प्राप्त अग्रिम जमा में से समायोजित किया जाता है। इसके बाद शेष अग्रिम रकम को न्यूनतम शुल्क से कम होने पर अन्य आय के रूप में माना जाता है।

5. संपत्ति संयंत्र व उपस्कर

क) संपत्ति संयंत्र व उपस्कर की लागत में निम्नलिखित शामिल होते हैंः

i. खरीद मूल्य, जिसमे आयात शुल्क सहित व्यापार में छूट और रियायत के बाद गैर वापसी योग्य क्रय कर।

ii. प्रबंधन द्वारा इच्छित तरीके से संचालन करने में सक्षम होने के लिए परिसंपत्तियों को आवश्यक स्थान व स्थिती में लाने के लिए आवश्यक कोई भी सीधी लागत।

ख) संचालन पूर्व खर्च को पूंजी में परिणत किया जाता है तथा अभिचालित होने पर विभिन्न परिसम्पत्तियों में संविभाजित किया जाता है।

6. विदेशी मुद्रा का लेन देन

विदेशी मुद्रा के लेन देन बैंक द्वारा निर्दिष्ट औसत दरों पर लेन-देन की अवधि के दौरान दर्ज किए गए हैं। लेखा वर्ष की समाप्ति पर असमायोजित शेष मौजूदा परिसंपत्तियों और देनदारियों का पुनर्मूल्यांकन वर्ष की समाप्ति पर उनके मूल्य दर पर किया जाता है और विनिमय में अंतर को यथास्थिति के अनुरूप उस वर्ष के आय अथवा व्यय माना जाता है।

7. अनुदान

पूंजीगत व्यय के लिए प्राप्त अनुदान को तब तक देयता के रूप में दर्शाया जाता है जब तक कि परिसंपतियाँ, संयत्र व उपस्कर निर्मित अथवा सृजित नहीं कर ली जाती है । इस अनुदान से अचल संपति के निर्माण/सृजन के बाद देयता निर्मित/सृजित संपत्ति के मूल्य के बराबर कम हो जाएगी और उपयोग की गयी राशि सम्बद्ध परिसंपतियाँ, संयत्र और उपस्कर की लागत से कम कर दी जाती है ।

8. निवेश का लेखांकन

दीर्घावधि निवेश को लागत के आधार पर दर्शाया जाता है। अगर गिरावट अस्थायी नहीं है, तो मूल्यह्रास का प्रावधान लेखांकन मानक-13 (एएस-13) 'निवेश के लिए लेखांकन' के अनुसार किया जाता है।

9. कर्मचारी लाभ

कर्मचारियों के लाभ से संबधित व्यय व देयताओं को आईसीएआई द्वारा जारी संशोधित लेखांकन मानक-15 (एएस-15) "कर्मचारी लाभ (संशोधित 2005)" के अनुसार दर्ज किया जाता है।

क) भविष्य निधि

कर्मचारी के भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि में नियोक्ता के अंशदान को उचित आधार पर खाता में डाला जाता है तथा इसे आय व व्यय लेखा में वसूला जाता है।

ख) ग्रेच्युटी

ग्रेच्युटी रोजगार के बाद का लाभ है और एक परिभाषित लाभ योजना की प्रकृति में है। ग्रेच्युटी के लिए तुलन-पत्र में भावी देयता अमान्य बिमांकिक लाभ अथवा हानि तथा पिछली सेवा लागत का समायोजन सहित योजनागत परिसंपत्तियों के उचित मूल्य को घटा कर तुलन-पत्र की तारीख में विनिर्धारित लाभ/देयता का वर्तमान मूल्य है। अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का इस्तेमाल करते हुए जीवन बीमा निगम द्वारा निश्चित लाभ/देयता की गणना तुलन-पत्र की तारीख अथवा इसके आस-पास के आधार पर किया जाता है।

पिछले अनुभव तथा बिमांकिक धारणाओं के परिवर्तन से हुई लाभ तथा हानि को जिस वर्ष की लाभ तथा हानि लेखा से संबंधित है, के आय तथा व्यय लेखा में व्ययित अथवा जमा किया जाता है।

ग) छुट्टी का नगदीकरण

तुलन-पत्र की तारीख के बाद देय अथवा देय योग्य छुट्टी के नगदीकरण का अनुमान देयता के बारे में अनुमानित

यूनिट क्रेडिट पद्धति का इस्तेमाल करते हुए एक स्वतंत्र बिमांकिक द्वारा बिमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

घ) अन्य अल्पकालीन लाभ

अन्य अल्पकालीन लाभों के व्यय को कर्मचारियों द्वारा की गई सेवाओं के दौरान अदायगी योग्य अवधि के लिए अथवा अदा की गई रकम के आधार पर खाते में दर्ज किया जाता है।

10. पट्टाधारिता

परिसम्पत्ति का पट्टा, जिसके अंतर्गत स्वामित्व का सभी लाभ तथा जोखिम पट्टाकार के पास रहता है, को परिचालन पट्टा के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। परिचालन पट्टा को शुल्क करारनामे की शर्तों के अनुसार, जो सोसायटी के लाभ की समय पद्धति का सूचक है, आय तथा व्यय लेखा में व्यय के रूप में दर्ज किया जाता है।

11. आय पर कर

क) वर्तमान कर का प्रावधान आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना अपेक्षित है।

ख) भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखांकन मानक एएस-22 ' आय पर कर के लिए लेखांकन' के अनुसार लेखा लाभ तथा आय कर लाभ के बीच की अवधि से उत्पन्न आस्थगित कर देयता/परिसंपत्ति को खाते में उस समय के लिए लागू कर की दर के अनुसार बाद के वर्षों में तय किया जाता है। तथापि वसूली की पर्याप्त/वास्तविक निश्चितता होने पर ही आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता दी जाती है।

12. अमूर्त परिसंपत्तियाँ

एएस- 26 'अमूर्त परिसंपत्तियाँ' में दिए गए सिद्धांतों के अनुसार पहचान योग्य गैर-मुद्रा संबंधी परिसंपत्ति के क्रय एवं विकास पर किए गए पूँजीगत व्यय को बिना किसी वास्तविक आधार पर सॉफ्टवेयर व्यय को छोड़कर, को अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में माना जाता है। इन्हें वर्गीकृत किया जाता है तथा इन्हें परिसंपतियाँ, संयत्र और उपस्कर की अनुसूची में अलग से दर्शाया जाता है। इनकी अनुमानित कार्यकारी स्थिति तक इन्हें परिशोधित किया जाता है।

13. परिसंपत्तियों की हानि

प्रबंधक-वर्ग समय समय पर बाहरी एवं आन्तरिक स्रोतों का इस्तेमाल करते हुए, परिसंपत्तियों की हानि का आकलन करता है। परिसंपत्ति के निरंतर इस्तेमाल और अंततः इसके निपटान के फलस्वरूप भविष्य में होने वाले लेन-देन में दर्ज मूल्य के वर्तमान मूल्य से अधिक होने पर हानि होती है। हानि पर होने वाले व्यय का निर्धारण परिसंपत्ति के निवल बिक्री मूल्य अथवा यथा निर्धारित वर्तमान मूल्य के अंकित मूल्य से आधिक्य के आधार किया जाता है। तुलन-पत्र की तारीख को ऐसा कोई संकेत होने पर कि पूर्व आकलित हानि अब नहीं है, तो वसूली योग्य राशि का पुनः आकलन करके परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि को लागत के अधिकतम मूल्यह्रास के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

14. प्रावधान तथा आकस्मिक खर्च

ऐसे किसी पिछले आयोजन, जहां वास्तविक अनुमान लगाया जा सकता है, के फलस्वरूप अनिश्चित अवधि अथवा राशि के वर्तमान दायित्वों के लिए प्रावधान किया जाता है तथा संभवतः आर्थिक लाभ के लिए स्रोतो की निकासी अपेक्षित होने अथवा राशि का आकलन विश्वसनीय रूप से नहीं कर पाने पर यदि स्रोतो की निकासी से आर्थिक लाभ की संभावना कम नहीं है, तो इस दायित्व को आकस्मिक देयता के रूप में दर्शाया जाता है।

संभावित दायित्वों, जिनके मौजूद होने की पुष्टि किसी एक अथवा अधिक अनिश्चित आयोजन के होने अथवा नहीं होने से ही की जाएगी, को भी स्रोतो की निकासी से आर्थिक लाभ की संभावना कम नहीं होने पर आकस्मिक देयताओ के रूप में दर्शाया जाता है।

15. नगदी व समरूप नगदी

नगदी और समरूप नगदी में बैंक और हाथ में नगदी तथा तीन माह या इससे कम अवधि के अल्पावधि निवेश शामिल है।

अनुसूची-22क

31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए टिप्पणियाँ, जो लेखाओं का भाग है

1. सोसाइटी द्वारा विविध देनदारों, विविध लेनदारों को दिए गए और लिए गए ऋण और अग्रिम की शेष राशि संबंधित पार्टियों से पुष्टि और लेखाओं के मिलान के अधीन हैं।

2. सोसाइटी के राय से सभी ज्ञात देयताओं के लिए लेखाओं में पर्याप्त प्रावधान किया गया है तथा चालू परिसंपत्तियों, ऋण तथा अग्रिम का तुलन-पत्र में उल्लिखित मूल्य उतना है जितना सामान्य कारोबार में इनका हो सकता है।

3. (क) सीमा शुल्क विभाग के पास ₹40,62,780/- (गत वर्ष ₹61,89,122/-) मूल्य की संपत्तियाँ, संयत्र और उपस्कर बंधक है।

   (ख) 31.03.2023 को उपलब्ध संपत्तियों, संयत्र और उपस्कर में वे उपस्कर भी शामिल हैं जो पुराने हो गए हैं और उपयोग में नहीं हैं। इन उपस्करों का मूल लागत और ह्रासित मूल्य दिनांक 31.03.2023 को क्रमश ₹7,16,47,728/-(गत वर्ष ₹27,11,80,967/-) तथा शुन्य/- (गत वर्ष ₹4/-) था।

   (ग) एसटीपीआई-गुरुग्राम (श्रीनगर) के वित्त वर्ष 2021-22 की अनुसूची 6 में, वित्त वर्ष 2020-21 के समापन शुद्ध ब्लॉक (सकल ब्लॉक-संचित मूल्यह्रास) को वित्त वर्ष 2021-22 के शुरुआती सकल ब्लॉक के रूप में लिया गया था, इसलिए समपत्ति के समापन शेष को प्रभावित नहीं किया गया। सकल ब्लॉक और संचित मूल्यह्रास को सही करने के लिए ₹2,00,35,187.41/- का पुनर्वर्गीकरण किया गया है।

4. जारी की गई बैंक प्रतिभूति के लिए ₹13,94,25,935/- की सावधि जमा (गत वर्ष ₹9,45,66,975/-) बैंक के पास ग्रहणाधिकार में है।

5. (क) हैदराबाद स्थित इन्क्यूबेशन सेंटर बिल्डिंग, जिसे पूंजीकृत किया गया/ इस्तेमाल योग्य बनाया गया समानुपात शेयर वर्ष 2009-10 के दौरान विकासकर्ता को हस्तांतरित कर दिया गया था, को वर्ष 2010-11 के दौरान खातों में दर्ज कर दिया गया है। भूमि का 61 प्रतिशत अंश जिसका मूल्य ₹78,29,533/- है, जोकि विकासकर्ता के अंश का भाग है, क़ानूनी औपचारिकता के लंबित होने के कारण इसे अभी तक विकासकर्ता को नहीं सौंपा गया है। इसके अलावा, परिसमाप्त क्षति के रूप में ₹11.40 करोड़ और ₹21.20 लाख का दावा और संपत्ति कर में डेवलपर का हिस्सा, मामले को मध्यस्थता के लिए भेजा गया था और मध्यस्थ ने एसटीपीआई के पक्ष में निर्णय पारित किया है। । लेकिन विकासकर्ता ने अतिरिक्त मुख्य न्यायाधीश,सिटी सिविल कोर्ट, हैदराबाद में अपील दायर की है और मामला न्यायनिर्णयन में है।

   (ख) एसटीपीआई ने ईआरपी के कार्यान्वयन के लिए अनुबंध प्रदान किया था। लेकिन समझौते के अनुसार कार्यान्वयन और कार्य निष्पादन नहीं होने के कारण, एसटीपीआई ने अनुबंध समाप्त कर दिया है और वसूली के लिए दावा किया है। चुंकि मध्यस्थता की कार्यवाही चल रही है अत: कार्य प्रगति पर दर्शाते हुए ₹1,82,10,415/- का प्रावधान किया गया है।

   (ग) एसटीपीआई ने इंफोसिस को एसटीपीआई के कंप्यूटरीकरण का अनुबंध प्रदान किया था। किन्तु इंफोसिस ("सिस्टम इंटीग्रेटर") अनुबंध दायित्वों के निर्वहन में असफल रहा और इसलिए ₹1,70,84,658/- की राशि का पीबीजी जब्त कर लिया गया और उसे वर्तमान देयता के रूप में दिखाया गया है। मामले को मध्यस्थ के पास भेजा गया और मध्यस्थ ने दिनांक 10.10.2022 के फैसले के तहत माना कि पीबीजी का नकदीकरण वैध है। हालाँकि, मध्यस्थ ने अनुबंध समाप्ति में देरी के कारण एसटीपीआई को इंफोसिस को ₹ 1.0 करोड़ का भुगतान

करने का निर्देश दिया है। हालाँकि, इंफोसिस ने आज तक एसटीपीआई से राशि का दावा नहीं किया है।

(घ) संपत्ति, संयंत्र व उपकरणों में अगस्त 2022 में एसटीपीआई-नोएडा में आग लगने के कारण ₹1,33,16,314/- की संपत्ति का नुकसान शामिल है, जिसके खिलाफ मेसर्स ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी से बीमा का दावा किया गया है। चूंकि मामला अभी भी प्रक्रियाधीन है, सर्वेक्षक ने दावा निपटान राशि की पुष्टि नहीं की है। ह्रासित मूल्य ₹13,06,298.50/- को आग के कारण नुकसान के रूप में दर्ज किया गया है।

(ङ) एसटीपीआई नोएडा ने वीसेट सेवा प्रदान करने के लिए इनसेट सिस्टम का स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) और लाइसेंस शुल्क के लिए डीओटी के साथ पत्र संख्या 1-7/CCA/Assmt/Comm-VSAT(SUC)/2008-09 दिनांक 22.05.23 और 1-7/CCA/Assmt/Comm-VSAT/2008-09 दिनांक 01-05-23 के द्वारा हस्ताक्षरित लाइसेंस समझौता 815-82/2003 LR दिनांक 22.03.2004 के तहत अक्टूबर 2008 तक राजस्व साझा करने संबंधित डीओटी की ₹ 2,52,36,062/- (₹2,51,59,034 (लाइसेंस शुल्क) + ₹77,028 (एसयूसी)) की मांग का कोई प्रावधान नहीं किया है। यह मामला विचाराधीन है और समझौते की शर्तों के अनुसार गणना की जा रही है। इससे पहले, एसटीपीआई-नोएडा ने 2014-15 में दूरसंचार विभाग को स्पेक्ट्रम शुल्क ₹54,36,709/- का सविरोध भुगतान किया था, जिस पर दूरसंचार विभाग ने उपरोक्त मांग की गणना करते समय विचार किया था।

(च) वर्तमान देनदारियों में ₹31.99 करोड़ की राशि कर्मचारियों के लिए अवितरित प्रदर्शन प्रोत्साहन और ₹21.21 करोड़ की राशि एसटीपी-इकाइयों को सीएसटी प्रतिपूर्ति के लिए शामिल है।

(छ) एसटीपीआई एमईआईटीवाई/राज्य सरकार के अनुदानो से अर्जित स्थायी/अर्ध-स्थायी संपत्तियों के लिए रजिस्टर बनाए रखने की प्रक्रिया में है और तदनुसार पात्र संपत्तियों का बीमा किया।

(ज) नकद और बैंक शेष में केंद्रीय नोडल एजेंसी खाते ("सीएनए") के संबंध में केनरा बैंक, पार्लियामेंट स्ट्रीट में रखे गए ₹85,75,46,621/- शामिल हैं।

6. ₹4,21,45,016/- राशि के लेखाओं के कथित दुर्विनियोग/गबन के बारे में दायर दिवानी/आपराधिक मामला अभी भी न्याय निर्णयण के लिए सक्षम न्यायालय में लंबित है। फिर भी इस रकम के लिए पूरा प्रावधान कर दिया गया है।

7. वित्त वर्ष में लेखा परीक्षक को प्रदत्त/देय पारिश्रमिकी

(राशि ₹ में)

	2022-23	2021-22
केंद्रीय सांविधिक लेखा परीक्षक	₹3,22,500/-	₹3,22,500/-
शाखा लेखा परीक्षक	₹4,57,500/-	₹4,57,500/-

8. **वर्तमान कर:** सोसाइटी आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12 क के तहत पंजीकृत है और इसने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 11 के तहत छूट का दावा किया है। निर्धारण वर्ष 2006-07, 2007-08 और 2008-09 के लिए आयकर अपीलीय अधिकरण,दिल्ली के हाल के आदेशों में,आयकर अपीलीय अधिकरण ने भी आयकर अधिनियम 1961 की धारा 11 के तहत एसटीपीआई की छूट के दावे को स्वीकार किया है। इसके अतिरिक्त माननीय दिल्ली उच्च न्यालायाय ने भी अपने आदेश दिनांक 30 जुलाई,2019 द्वारा उस अवधि की उस स्थिति को स्वीकार किया है और आयकर अपीलीय अधिकरण के आदेश के खिलाफ राजस्व विभाग द्वारा दायर अपील को स्वीकार नहीं किया है और भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी राजस्व विभाग द्वारा दायर अपील को ख़ारिज करते हुए निर्धारण वर्ष 2007-08 तथा 2008-09 के लिए उसी स्थिति की पुष्टि की है। इसके अलावा, विभाग ने एसटीपीआई के पक्ष में निर्धारण वर्ष 2018-19 के लिए धारा 143(3) और निर्धारण वर्ष 2019-20, 2020-21 और 2021-22 के लिए धारा 143(1) के तहत आदेश पारित किया था। तदनुसार सोसाइटी ने वर्तमान कर के लिए वित्त वर्ष 2014-15 से कोई प्रावधान नहीं किया है ।

9. लेखांकन मानक-15 'कर्मचारियों को लाभ'

सोसाइटी ने संशोधित लेखांकन मानक-15 'कर्मचारी लाभ' स्वीकार किया है।

सुनिश्चित अंशदान योजना

वर्ष के दौरान व्यय के रूप में मान्य सुनिश्चित अंशदान योजना में अंशदान नीचे दिए अनुसार है:
भविष्य निधि में नियोक्ता का अंशदान ₹6,71,83,931/-(गत वर्ष ₹5,81,52,673/-)

सुनिश्चित लाभ योजना

कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी निधि योजना एक सुनिश्चित लाभ योजना है। देयताओं के वर्तमान मूल्य को अनुमानित इकाई जमा प्रणाली का प्रयोग करके बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित किया जाता है जिसमे यह माना जाता है कि प्रत्येक सेवा अवधि से कर्मचारी की लाभ पात्रता में एक अतिरिक्त इकाई की वृद्धि होती है और देयताओं का अंतिम रूप से निर्धारण करते समय ऐसी प्रत्येक इकाई की अलग-अलग गणना की जाती है। छुट्टी नगदीकरण की देयताओं के लिए भी ग्रेच्यूटी की ही पद्धति अपनाई जाती है।

ग्रेच्यूटी

1. सुनिश्चित लाभ योजना देयताओं के आरंभिक और इतिशेष का मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19
वर्ष के आरम्भ में सुनिश्चित लाभ देयता	30,38,01,344	27,81,95,030	29,11,48,343	23,87,80,482	24,34,45,506
वर्तमान सेवा लागत	1,85,66,561	1,75,70,007	1,83,88,102	2,09,43,397	1,83,28,025
ब्याज लागत	2,25,42,060	1,99,30,279	2,05,02,267	1,82,90,585	1,87,69,649
बीमांकिक (लाभ)/हानि	(74,93,872)	(24,05,597)	(4,73,44,503)	1,46,53,439	(3,98,59,122)
प्रदत्त लाभ	(71,47,557)	(94,88,375)	(44,99,179)	(15,19,560)	(19,03,576)
विगत सेवा लागत	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में सुनिश्चित लाभ देयता	**33,02,68,536**	**30,38,01,344**	**27,81,95,030**	**29,11,48,343**	**23,87,80,482**

2. योजना परिसम्पतियो के वास्तविक मूल्य के आरंभिक और इतिशेष का मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19
वर्ष के आरम्भ में योजना परिसम्पतियों का वास्तविक मूल्य	31,92,61,494	31,07,57,163	25,12,05,509	21,26,92,647	13,00,86,141
अनुमानित लाभ	2,36,89,203	2,18,15,153	1,73,83,421	1,59,51,949	98,21,504
बीमंकिक लाभ/ (हानि)	(8,42,129)	(28,05,106)	6,18,425	10,64,656	45,18,688
नियोक्ता द्वारा अंशदान	1,98,66,662	-	4,60,48,987	2,30,15,817	7,01,69,890
प्रदत्त लाभ	(61,30,216)	(1,05,05,716)	(44,99,179)	(15,19,560)	(19,03,576)
अदायगी लागत	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में योजना परिसम्पतियों का वास्तविक मूल्य	**35,58,45,014**	**31,92,61,494**	**31,07,57,163**	**25,12,05,509**	**21,26,92,647**
योजना सम्पतियों का वास्तविक लाभ	2,28,47,074	1,90,10,047	1,80,01,846	1,70,16,605	1,43,40,192

3. तुलन -पत्र में मान्य धनराशि का पुनर्मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19
वित्तीय वर्ष के अंत में योजना परिसम्पतियों	35,58,45,014	31,92,61,494	31,07,57,163	25,12,05,509	21,26,92,647

का वास्तविक मूल्य					
वित्तीय वर्ष के अंत में देयताओ का वर्तमान वास्तविक मूल्य	33,02,68,536	30,38,01,344	27,81,95,030	29,11,48,343	23,87,80,482
तुलन-पत्र में स्वीकृत निवल परिसम्पतियों/ (देयताएं)	**2,55,76,478**	**1,54,60,150**	**3,25,62,133**	**(3,99,42,834)**	**(2,60,87,835)**

4. वर्ष के दौरान स्वीकृत व्यय (कर्मचारियों की परिश्रमिकी और लाभ शीर्ष के तहत

(राशि ₹ में)

विवरण	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19
वर्तमान सेवा लागत	1,85,66,561	1,75,70,007	1,83,88,102	2,09,43,397	1,83,28,025
ब्याज लागत	2,25,42,060	1,99,30,279	2,05,02,267	1,82,90,585	1,87,69,649
योजना सम्पत्तियों पर अनुमानित लाभ	(2,36,89,203)	(2,18,15,153)	(1,73,83,421)	(1,59,51,949)	(98,21,504)
विगत सेवा लागत	-	-	-	-	-
अवधि के दौरान मान्य निवल बीमांकिक (लाभ)/ हानि	(66,51,743)	3,99,509	(4,79,62,927)	1,35,88,783	(4,43,77,810)
आय एवं व्यय लेखा विवरण में मान्य व्यय	**1,07,67,675**	**1,60,84,642**	**(2,64,55,979)**	**3,68,70,816**	**(1,71,01,640)**

5. मुख्य बीमांकिक मान्यताएँ

विवरण	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19
मृत्युदर सारणी (एलआईसी)	आईएएलएम (2012-14)	आईएएलएम (2012-14)	आईएएलएम (2012-14)	आईएएलएम (2012 - 14)	आईएएलएम (2006 - 08)
31 मार्च की स्थिति के अनुसार कटौती दर	7.45%	7.42%	7.02%	6.92 %	7.66%
भावी वेतन वृद्धि	8.00%	8.00%	8.00 %	8.00 %	8.00%
योजना परिसम्पतियों पर अनुमानित लाभ दर	7.45%	7.42%	7.02%	7.43 %	7.50%
सेवानिवृत्त आयु	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष
आहरण दर					
आयु					
30 वर्ष तक	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%
44 वर्ष तक	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
44 वर्ष से अधिक	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%

6. योजना परिसम्पतियों पर वास्तविक लाभ

(राशि ₹ में)

विवरण	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19
योजना परिसम्पतियों पर अनुमानित लाभ	2,36,89,203	2,18,15,153	1,73,83,421	1,59,51,949	98,21,504
बीमांकिक (लाभ)/ हानि	(8,42,129)	(28,05,106)	6,18,425	10,64,656	45,18,688
योजना परिसम्पतियों पर वास्तविक लाभ	**2,28,47,074**	**1,90,10,047**	**1,80,01,846**	**1,70,16,605**	**1,43,40,192**

छुट्टी नकदीकरण

1. सुनिश्चित लाभ देयताओं के आरंभिक और इतिशेष का मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19
वर्ष के आरंभ में सुनिश्चित लाभ देयताओं	39,14,09,040	34,58,77,312	30,03,75,803	23,76,66,455	20,61,81,182
अंदर/(बाहर) स्थानांतरण दायित्व	1,94,464	-	-	-	-
वर्तमान सेवा	2,69,27,480	3,67,58,845	3,07,17,730	2,38,60,045	2,02,66,126
व्याज लागत	2,81,57,192	2,46,87,186	2,15,64,430	1,82,05,250	1,58,96,569
बीमांकिक (लाभ)/ हानि	63,84,083	1,10,31,375	1,32,98,094	3,44,27,370	96,07,638
प्रदत्त लाभ	(2,38,64,131)	(2,69,45,678)	(2,00,78,745)	(1,37,83,317)	(1,42,85,060)
विगत सेवा	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में सुनिश्चित लाभ देयता	**42,92,08,128**	**39,14,09,040**	**34,58,77,312**	**30,03,75,803**	**23,76,66,455**

2. तुलन पत्र में मान्य धनराशि का मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19
वित्तीय वर्ष के अंत में योजना परिसम्पतियों का वास्तविक मूल्य	-	-	-	-	-
वित्तीय वर्ष के अंत में देयताओं का वर्तमान वास्तविक मूल्य	42,92,08,128	39,14,09,040	34,58,77,312	30,03,75,803	23,76,66,455
तुलन पत्र में स्वीकृत निवल परिसम्पति/ (देयताएं)	**(42,92,08,128)**	**(39,14,09,040)**	**(34,58,77,312)**	**(30,03,75,803)**	**(23,76,66,455)**

3. वर्ष के दौरान स्वीकृत व्यय (कर्मचारियों की परिश्रमिकी और लाभ शीर्ष के तहत)

(राशि ₹ में)

विवरण	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19
वर्तमान सेवा लागत	2,69,27,480	3,67,58,845	3,07,17,730	2,38,60,045	2,02,66,126
ब्याज लागत	2,81,57,192	2,46,87,186	2,15,64,430	1,82,05,250	1,58,96,569
योजना सम्पतियों सम्पतियों पर अनुमानित लाभ	-	-	-	-	-
विगत सेवा लागत	-	-	-	-	-
अवधि के दौरान मान्य निवल बीमांकिक (लाभ)/ हानि	63,84,083	1,10,31,375	1,32,98,094	3,44,27,370	96,07,638
आय एवं व्यय लेखा विवरण में मान्य व्यय	**6,14,68,755**	**7,24,77,406**	**6,55,80,254**	**7,64,92,665**	**4,57,70,333**

4. मुख्य बीमांकिक मान्यताएँ

विवरण	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19
मृत्युदर सारणी (एलआईसी)	आईएएलएम (2012-14)	आईएएलएम (2012-14)	आईएएलएम (2012-14)	आईएएलएम (2012 - 14)	आईएएलएम (2006 - 08)
31 मार्च की स्थिति के अनुसार कटौती दर	7.45%	7.42%	7.02%	6.92%	7.66%
भावी वेतन वृद्धि	8.00%	8.00%	8.00 %	8.00 %	8.00%
योजना परिसम्पति से अपेक्षित प्रतिलाभ	-	-	-	-	-
सेवानिवृत्त आयुq	60 years	60 years	60 years	60 years	60 years
आहरण दर					
आयु					
30 वर्ष तक	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%
44 वर्ष तक	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
44 वर्ष से अधिक	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%

बीमांकिक मूल्यांकन में वेतन में वृद्धि दर का अनुमान, मुद्रा-स्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नत्ति के साथ-साथ रोजगार बाजार में माँग और आपूर्ति जैसे सुसंगत कारकों को ध्यान में रख कर लगाया जाता है । बिमांकिक द्वारा छुट्टी नगदीकरण और ग्रेच्यूटी को प्रमाणित किया जाता है।

10. निकाय: संयुक्त नियंत्रित

एसटीपीआई ने, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (तत्कालीन सूचना प्रौद्योगिकी विभाग,संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) भारत सरकार के अनुमोदन के अनुसार इंडिया डाट इन पोर्टल और संबंधित सेवाओं के कार्यान्वयन के लिए एमटीएनएल के साथ दिनांक 03.02.2006 को संयुक्त उद्यम के रूप में एक कंपनी का गठन किया। तदनुसार, कंपनी का नाम एमटीएनएल-एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लिमिटेड रखा गया। यह कंपनी 5,000 लाख रुपये की अधिकृत शेयर पूंजी से जो 10 रुपये प्रति शेयर मूल्य के 500,00,000 शेयर में विभाजित करके निगमित की गई। इन शेयरों

को एसटीपीआई और एमटीएनएल ने बराबर मात्रा में अभिदत्त किया है। कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा इस संबंध में दिनांक 31.03.2006 को निगमन प्रमाण पत्र जारी है। संगम ज्ञापन के अनुसरण में सोसाइटी से प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से 10 रुपये मूल्य के प्रति शेयर की दर से 22,82,000 शेयरों की खरीद की है तथा वर्ष के दौरान तुलन-पत्र की तारीख तक इन्हें दिखाया गया है। ₹ 2.44 करोड़ के निवेश में व्यय/परिसंपत्ति के लिए ₹ 16.20 लाख भी शामिल है जिसे अभी दर्ज नहीं किया गया है।

नाम	स्वामित्व हित	
	31.03.2023	31.03.2022
एमटीएनएल-एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लि.	50%	50%

एएस-27 "संयुक्त उद्यम में हितों की वित्तीय रिपोर्टिंग" के अनुरूप संयुक्त नियंत्रित निकाय की परिसंपत्तियों, देयताओं, आय, व्यय, आकस्मिक देयताओं और पूँजीगत प्रतिबद्धताओं में संस्था की अधिभागिता इस प्रकार हैः

(राशि सौ में)

	विवरण	31.03.2023	31.03.2022
i)	**परिसंपत्तियाँ**		
	संपत्ति संयत्र व उपस्कर	14,474.76	18,602.50
	पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	1,62,263.80	-
	आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	3015.61	3,168.50
	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	4.02	4.02
	आय कर परिसंपत्तियां(निवल)	-	-
	अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	4,11,705.09	3,44,887.50
ii)	**देयताएं**		
	चल देयताएं	2,76,924.76	51,081.00
	अचल देयताएं	8,457.50	8,457.50
iii)	**आय**	3,67,249.55	3,44,147.50
iv)	**व्यय**	2,00,656.69	1,89,258.00
v)	**आकस्मिक देयताएं**	6,49,253.42	6,49,253.42

11. सोसाइटी केवल एक ही लक्ष्य यथा आईटी तथा आईटीईएस उद्योग के संवर्धन पर कार्य करती है।
12. एसटीपीआई केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से अनुदान प्राप्त कर रहा है। ये अनुदान पूंजी के साथ-साथ राजस्व प्रकृति के होते हैं। नए केंद्र की स्थापना या नई पूंजीगत संपत्तियों के अधिग्रहण जैसे पूंजीगत व्यय के लिए पूंजीगत अनुदान दिया जाता है और एएस-12 के अनुपालन में खाते की पुस्तकों में दर्ज है। हालांकि, सैटकॉम सर्विसेज (इंडिया), जिसे वर्ष 1995-96 में एसटीपीआई के साथ विलय कर दिया गया था, द्वारा प्राप्त 19.54 करोड़ रुपये के सहायता अनुदान का एसटीपीआई के खातों की पुस्तकों में समायोजन किया जाना बाकी है।
13. राज्य सरकार से ₹5,70,00,000/- की राशि ब्याज मुक्त असुरक्षित ऋण के रूप में प्राप्त हुई है।
14. सोसाइटी ने वर्ष के लिए 26एएस का मिलान किया है, उपलब्ध कुल राशि में से असमाशोधित राशि ₹16,85,578/- है।
15. सोसाइटी ने एसटीपीआई-बैंगलोर में भवन से राजस्व का सृजन शुरू कर दिया है। हालाँकि, सीपीडब्ल्यूडी द्वारा निपटान/बिल जमा न करने के कारण उक्त संपत्तियों को पूंजीकृत नहीं किया गया है और प्रगति पर पूंजीगत निर्माणाधीन कार्य के तहत दिखाया गया है। एसटीपीआई इसे पूंजीकरण करने की प्रक्रिया में है।
16. सोसायटी एमएसएमईडी अधिनियम 2006 से संबंधित अनुपालन के लिए प्रगति पर है।

17. **संबंधी पार्टी सूचना**:-

वर्ष के दौरान सम्बंधित पार्टी के साथ निम्नलिखित लेन-देन किया गया:-

1. एमटीएनएल-एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लि.(संयुक्त उद्यम)

लाभांश प्राप्त	:	₹1,25,51,000/-
सेवाओं के लिए राजस्व	:	₹2,96,74,684/-
अन्य लेन-देन से राजस्व	:	₹19,98,442/-
31.03.2023 को शेष राशि	:	₹1,48,65,481/-

2. एआईसी एसटीपीआई नेक्स्ट इनिशिएटिव्स

परियोजना निधि प्रेषित	:	₹12,14,36,692/-
31.03.2023 को शेष राशि	:	₹2,87,77,548/-

18. **आकस्मिक देयताएं**

(राशि ₹ में)

	विवरण	**2022-23**	**2021-22**
(क)	पूंजी लेखा के शेष अनुमानित रकम को पूरा किया जाना है जिनका प्रावधान नहीं किया गया	68,88,72,144	106,68,55,082
(ख)	बकाया बैंक गारंटी	10,37,22,215	12,47,711
(ग)	कंपनी के विरुद्ध दावे/विवादित देयताएँ जिनको ऋण नहीं माना गया है		
(i)	बिक्री कर/वैट/प्रवेश कर सम्बन्धी मामले	32,39,672	32,39,672
(ii)	सेवा कर सम्बन्धी मामले	5,60,11,463	5,51,04,817
(iii)	आईएसपी-आईटी के संदर्भ में डीओटी लाईसेंस शुल्क	1,09,76,650	1,53,18,852
(iv)	परिसमापन क्षति	82,43,499	82,43,499
(v)	वीसेट सेवाए	2,52,36,062	-
(vi)	कोई अन्य आकस्मिक देनदारियाँ	47,13,920	-

(घ) आय कर विभाग ने निर्धारण वर्ष 2009-10 से 2017-18 के लिए मांग किया है। मामलों की वर्तमान स्थिति नीचे दिए अनुसार है:

निर्धारण वर्ष	**मांग की गयी (राशि ₹ में)**	**पुस्तकों में किए गए प्रावधान**	**आकस्मिक देयता**	**किस विभाग में मामला लम्बित पड़ा है।**
2010-11	38,63,41,529	27,00,00,000	11,63,41,529	एसटीपीआई ने सीआईटी-(ए) के समक्ष अपील दायर की है।
2014-15	31,35,88,480	शून्य	31,35,,88,480	एसटीपीआई ने सीआईटी-(अपील) में अपील दायर की है।
2017-18	32,81,75,312	शून्य	32,81,75,312	एसटीपीआई ने सीआईटी-(अपील) में अपील दायर की है।
	5,03,400	शून्य	5,03,400	टीडीएस देयतायें

अपीलीय प्राधिकारी के निर्णय के आधार पर तथा सोसाइटी के अन्य संबंधित प्रावधानों की व्याख्या को ध्यान में रखते हुए सोसाइटी का मत है कि मांग-पत्र रद्द किया जा सकता है। तदनुसार निर्धारण वर्ष 2015-16 से इसका कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

19. निम्नलिखित मामलों में पट्टाधारी दस्तावेजों पर कार्रवाई की जानी हैः

केन्द्र का नाम	कार्य	मूल लागत	ह्रासित मूल्य
आइजोल	भूमि व भवन	₹1/- प्रति वर्ष	शून्य
इम्फाल	भूमि व भवन	₹1/- प्रति वर्ष	शून्य
शिलांग	भूमि व भवन	₹1/- प्रति वर्ष	शून्य

20. चालू वर्ष के आंकड़ों से तुलन योग्य बनाने के लिए आवश्यक होने पर गत वर्ष के आंकड़ों को पुनर्गठित या पुनः वर्गीकृत किया गया है।

21. सभी आंकडों को निकटतम रुपयों में दर्शाया गया है।

कृते एपीटी एंड को एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 014621C/N500088

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया

(राकेश मक्कड़)
भागीदार

(सचिन जैन)
मुख्य वित्त अधिकारी

(देवेश त्यागी)
वरिष्ठ निदेशक

(अरविंद कुमार)
महानिदेशक

सदस्यता सं.-093490
दिनांक: **23 अक्टूबर, 2023**
यूडीआईएन: 23093490BGXPQD5726

सूचना का अधिकार

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 2(ज) के शर्तों के अंतर्गत लोक प्राधिकारी है। एक आरटीआई सेल एसटीपीआई मुख्यालय,नई दिल्ली में स्थित है जिसमे 11 केन्द्रों के सहायक लोक सूचना अधिकारी, एक केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी और एक प्रथम अपीलीय प्राधिकारी कार्य कर रहे हैं। आरटीआई सेल का कार्य सूचना का अधिकार आवेदन को हार्डकॉपी के रूप में और आरटीआई वेब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त करना है और आवेदनकर्ता द्वारा एसटीपीआई से सम्बंधित मांगी गयी स्वीकार्य सूचना प्रस्तुत करना है। सेल का उत्तरदायित्व है कि वह मुख्य सूचना आयुक्त को अधिनियम में उल्लिखित उपबंधो के अनुसार अपेक्षित विवरण भी प्रस्तुत करे।

1 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023 तक आरटीआई सेल में प्राप्त आवेदनों/अपील की संख्या निम्न प्रकार है:;

प्राप्त आरटीआई आवेदनों की संख्या	निपटाए गए आरटीआई आवेदनों की संख्या	लंबित
158	158	0
प्राप्त आरटीआई अपील की संख्या	निपटाए गए आरटीआई अपील की संख्या	लंबित
26	26	0

एसटीपीआई के केन्द्र

1. **अगरतला**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
मुकुट बिपानी बिटान, दूसरी मंजिल, लिचुबगान,
अगरतला – 799010 त्रिपुरा (डब्लू)
टेलीफोनः + 381–2416005
फैक्सः + 381–2416005
ई–मेलः agtl.info@stpi.in
URL: https://guwahati.stpi.in/agartala

2. **औरंगाबाद**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट नं0–टी 25, एमआईडीसी, चिकलथाना, गरवारे स्टेडियम के पास, औरंगाबाद–431210 (महाराष्ट्र)
टेलीफोनः + 91–240–2473859
ई–मेलः praful.patinge@stpi.in
URL: https://pune.stpi.in/aurangabad

3. **इन्दौर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एमपीएसईडीसी एसटीपी बिल्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्पलेक्स,
परदेसीपुरा, इन्दौर – 452010 (मध्यप्रदेश)
टेलीफोनः + 91–731–4024440,
फैक्सः +91–731–4030880
ई–मेलः ravi.varma@stpi.in
URL: https://noida.stpi.in/indore

4. **इम्फाल**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
मंत्रीपुखरी, एनएच – 39,
इम्फाल – 795001 (मणिपुर)
टेलीफोनः + 91–385–2423237
फैक्सः + 91–385–2423237
ई–मेलः impl.info@stpi.in
URL: www.guwahati.stpi.in/imphal

5. **एज़वॉल**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
दूसरी मंजिल, सीएच. चूंगा बस टर्मिनल बिल्डिंग, थुमपुई,
एजवॉल–796017, मिजोरम
टेलीफोन : + 0389-2350337
फैक्सः + 0389-2350337
ई–मेल :azl.info@stpi.in
URL: https://guwahati.stpi.in/aizawl

6. **काकीनाड़ा**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
कलेक्ट्रेट कम्पाऊड,
काकीनाड़ा–533004 (आंध्र प्रदेश)
टेलीफोनः + 91–884–6660112 / 123
फैक्सः + 91–884–6660112
ई–मेलः suresh.b@stpi.in
URL: https://hyderabad.stpi.in/kakinada

7. **कानपुर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
आठवीं मजिंल, यूपीएसआईडीए कॉम्पलेक्स, ए–1 / 4, लखनपुर,
कानपुर – 208024 (उत्तरप्रदेश)
टेलीफोनः + 91–512–2584765
ई–मेलः praveen.dwivedi@stpi.in
URL: https://noida.stpi.in/kanpur

8. **कोयम्बटूर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एसएफ न० 333 / 1, भूमि तल,
कुमारगुरू कॉलेज टेक्नोलॉजी कैम्पस, चीन्नावेदमपट्टी,
कोयम्बटूर – 641049 (तमिलनाडु)
फोनः +91–422– 2669682
ई–मेल : jinubala.v@stpi.in
URL: https://chennai.stpi.in/coimbatore

9. **कोलकाता**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
डब्ल्यूईबीईएल एसटीपी–II बिल्डिंग, दूसरी मंजिल,
डीएन – 53, सैक्टर – V, साल्ट लेक सिटी,
कोलकाता – 700091 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोनः +91–33–23673598 / 99
फैक्सः +91–33–23673597
ई–मेलः kol.info@stpi.in
URL: https://kolkata.stpi.in

10. **कोल्हापुर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट न0 पी–5, आईटी पार्क, हॉकी स्टेडियम रोड़, नार्थ स्टार हास्पिटल, कोल्हापुर – 416012 (महाराष्ट्र)
टेलीफोन : + 91 – 231–2644429
फैक्स : + 91 – 231–2644429
ई–मेलः sachin.narule@stpi.in
URL: https://pune.stpi.in/kolhapur

11 **कोहिमा**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
डायरेक्टरेट ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी एवं कम्युनिकेशन
बिल्डिंग, थिजामा रोड़, कोहिमा, नागालैंड–797001
टेलीफोनः 009880830127
ई–मेलः guw.info@stpi.in
URL: https://guwahati.stpi.in/kohima

12. **खड़गपुर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
डब्ल्यूबीआईआईडीसी इंडस्ट्रीयल ग्रोथ सेंटर,
प्लॉट सं० 3, सेक्टर – बी, नीमपुरा,
खड़गपुर – 721303 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोनः + 91–3222–234436 / 233014
फैक्स +91-3222-234436/233014
ई–मेलः kharagpur.oic@stpi.in
URL: https://kolkata.stpi.in/en/kharagpur

13 **गंगटोक**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
ऊपरी मंजिल, सिक्किम ज्वैल्स लि० कॉम्पलेक्स,
राष्ट्रीय राजमार्ग– 10, तादोंग,
गंगटोक – 737102 (सिक्किम)
टेलीफोनः + 91–3592–271193 / 94
फैक्सः + 91–3592–271193
ई–मेलः siddaiah.ns@stpi.in
URL: https://guwahati.stpi.in/gangtok

14. **गांधीनगर**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
नौ वीं मजिल, गिफ्ट (जीआईएफटी) वन टॉवर,
ब्लॉक –56, रोड़ –5 सी, जोन–5, गिफ्ट सिटी,
गांधीनगर – 382355 (गुजरात)
टेलीफोनः + 91-79- 66748531 /32
फैक्सः +91-79- 66748533
ई–मेलः gnr.info@stpi.in
URL: https://gandhinagar.stpi.in/

15. **गुरूग्राम**
निदेशक
प्लॉट नं0 30 इलेक्ट्रॉनिक सिटी,
सेक्टर 18, गुड़गॉव–122015 (हरियाणा)
टेलीफोनः + 91-124-2012183
ई–मेलः rajneesh@stpi.in
URL: https://gurugram.stpi.in/

16. **गुवाहाटी**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एलजीबीआई एयरपोर्ट के पास, बोरझार,
गुवाहाटी – 781015 (असम)
टेलीफोनः + 91–361–2841269, 2841374
फैक्सः + 91–361–2842657
ई–मेलः guw.info@stpi.in
URL: www.guwahati.stpi.in

17. **ग्वालियर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
मुरैना लिंक रोड, गंगा मंलनपुर,
ग्वालियर–474010 (मध्यप्रदेश)
टेलीफोन : +91- 9597200648
ई–मेलः ravi.varma@stpi.in
URL: https://noida.stpi.in/gwalior

18. **गोवा**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
दूसरी मंजिल, उद्योग भवन,
पानाजी–403001 (गोवा)
टेलीफोनः +91–832–2226828,
ई–मेलः dinesh.bhagat@stpi.in
URL: https://pune.stpi.in/goa

19. **चेन्नई**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
नं0 5, तीसरी मंजिल, राजीवगांधी सलाई,
तारामणी, चेन्नई–600113 (तमिलनाडु)
टेलीफोनः + 91–44–22541201,
फैक्सः + 91–44–23703506
ई–मेलः sanjay.tyagi@stpi.in
URL: https://chennai.stpi.in

20. **जम्मू**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
ई.पी.आई.पी करथौली, बड़ी ब्रहामणा,
जम्मू (जम्मू व कश्मीर)–181133
टेलीफोनः +91-191-2300381
फैक्स : +91-191-2300500
ई–मेलः asim.khan@stpi.in
URL: https://gurugram.stpi.in/jammu

21 **जयपुर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
आईटी–21, आईटी पार्क, ईपीआईपी,
सीतापुर, इंडस्ट्रीयल एरिया, टैंक रोड
जयपुर – 302022 (राज0)
टेलीफोन: + 91–141–2770635 / 2770192
फैक्स: + 91–141–2770890
ई–मेल: rajkumar.verma@stpi.in
URL: https://gurugram.stpi.in/jaipur

22. **जोधपुर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सीवाईबी–1, साईबर पार्क,
भारी औद्योगिक क्षेत्र, सरस डेयरी के निकट,
जोधपुर – 342003 (राजस्थान),
टेलीफोन: + 91–141–2770635
फैक्स: + 91–141–2770635
ई–मेल: rajkumar.verma@stpi.in
URL: https://gurugram.stpi.in/jodhpur

23. **तिरूनेलवेली**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
मनोनमनियम सुंदरनार, विश्वविद्यालय परिसर अभिषेकपट्टी
तिरूनेलवेली – 627012 (तमिलनाडु)
टेलीफोन: +91-9842119566
ई–मेल :s.lakshman@stpi.in
URL: https://chennai.stpi.in/tirunelveli

24. **तिरूपति**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सर्वे सं० 234, अर्बन हाट के पीछे, त्रिचनूर रोड,
तिरूपति – 517503 (आंध्रप्रदेश)
टेलीफोन: + 91–877–2239262 / 2239680
ई–मेल: varaprasad.y@stpi.in
URL: https://stpi.in/en/tirupati

25. **तिरूवनंतपुरम**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सी-21, तेजस्विनी भवन, टेक्नोपार्क,
तिरूवनंतपुरम – 695581 (केरल)
टेलीफोन: + 91–471–2700404 / 607 / 707 / 807
फैक्स : + 91–471–2700505
ई–मेल: tvpm.do@stpi.in
URL: https://thiruvananthapuram.stpi.in

26. **त्रिची**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
बी–9, लाइट इंजिनियरिंग शेड
त्रिची रीजनल इंजिनियरिंग कालेज,
सांइस एण्ड टेक्नोलॉजी इंटराप्रेन्यूरस पार्क
एनआईटी कैम्प्स,
त्रिची–620015 (तमिलनाडु)
टेलीफोन: +91-431-2501585/86
फैक्स: +91-431-2501586
ई–मेल: r.pattabi@stpi.in
URL: https://chennai.stpi.in/trichy

27. **दुर्गापुर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
शहीद सुकुमार बनर्जी सरणी,
विधान नगर, जिला – पश्चिम वर्धमान, स्पेन्सर के सामने,
दुर्गापुर – 713212 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोन: + 91–0343–2531294 / 95
ई–मेल: durgapur.oic@stpi.in
URL: https://kolkata.stpi.in/en/durgapur

28. **देहरादून**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट न0 आई टी–01, इंटीग्रेटिड इंडस्ट्रीयल इस्टेट
(आईआईई), आई, टी. पार्क, सहस्त्रधारा रोड़
देहरादून –248013 (उत्तराखंड)
टेलीफोन: + 91–135–2608003 / 2608202
फैक्स: + 91–135–2608940
ई–मेल: maneesh.kumar@stpi.in
URL: https://noida.stpi.in/dehradun

29. **देवघर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट न0 एनएस 15 (पार्ट) इंडस्ट्रीयल एरिया,
जसीडीह, देवघर–814142 झारखंड
टेलीफोन: + 91–651–2462270
फैक्स: + 91–651–2462280
ई–मेल: siddharth@stpi.in
URL: https://bhubaneswar.stpi.in/deoghar

30. **नागपुर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लाट नं0 3, आईटी पार्क, पारसोडी,
वीआरसीई टेलीफोन एक्सचेंज के पास,
नागपुर–440022 (महाराष्ट्र)
टेलीफोन: + 91–712–2227774,
फैक्स: + 91–712–2234960
ई–मेल: sanjay.darne@stpi.in
URL: https://pune.stpi.in/nagpur

31. **नासिक**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लाट नं0 आईटी-I, आईटी पार्क,
ई–2 ब्लॉक के सामने, एम आई डी सी, अम्बड.,
नासिक – 422010 (महाराष्ट्र)
टेलीफोनः + 91–253–2382835
फैक्स : + 91–253–2382835
ई–मेलः parag.modi@stpi.in
URL: https://stpi.in/en/nasik

32. **नोयडा**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
गंगा सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी कॉम्पलेक्स,
ब्लॉक– IV, सैक्टर–29,
नोएडा –201 303 (उत्तरप्रदेश)
टेलीफोनः + 91–120–2470400
फैक्सः + 91–120–2470403
ई–मेलः rajneesh@stpi.in
URL: https://noida.stpi.in/

33. **पटना**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
13वीं मंजिल, बिस्कोमान टावर,
माड्यूल ए5, गांधी मैदान के पश्चिम
पटना – 800001 (बिहार)
टेलीफोनः +91-612-2205627
फैक्सः +91-612-2205627
ई–मेलः patna.info@stpi.in
URL: https://stpi.in/en/patna

34. **पुडुच्चेरी**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
पुड्डुचेरी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कैम्पस,
टेकनोपोलिस बिल्डिंग–I, पिल्लचावडी,
पुडुच्चेरी – 605014
टेलीफोनः + 91–413–2656317 / 18
फैक्स : + 91–413–2656318
ई मेल : senthilv@stpi.in
URL: www.chennai.stpi.in

35. **पुणे**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट सं०. पी–1, फेज – I,
राजीव गांधी इन्फोटेक पार्क,
एमआईडीसी, हिंजावडी.,
पुणे – 411057 (महाराष्ट्र)
टेलीफोन : + 91–20–22981000 / 22934475
फैक्स : + 91–20–22981010 / 22932639
ई–मेलः sanjay.gupta@stpi.in
URL: https://pune.stpi.in

36. **प्रयागराज**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एमएनएनआईटी कैम्पस, लखनऊ रोड,
प्रयागराज–211 004 (उ०प्र०)
टेलीफोनः + 91-532-2545270
ई–मेलः praveen.dwivedi@stpi.in
URL: https://noida.stpi.in/prayagraj

37. **ब्रह्मपुर**
प्रभारी अधिकारी,
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट नं0. 860 / 4562,
आयकर कार्यालय के नजदीक, अम्बापुआ,
ब्रह्मपुर–760011 (ओडिशा)
टेलीफोन : 91–680–2404300
फैक्स : 91–680–2404232
ई मेल : berhampur@stpi.in
URL: https://bhubaneswar.stpi.in/berhampur

38. **बेंगलुरू**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सं० 76 और 77, 6वीं मंजिल, साईबर पार्क,
इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी, होसुर रोड,
बेंगलुरू–560100 (कर्नाटक)
टेलीफोनः + 91–080–66186000–07
फैक्सः + 91–080– 28521161
ई–मेलः shailendra.tyagi@stpi.in
URL: https://bengaluru.stpi.in

39. **भुवनेश्वर**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एसटीपीआई एलीट बिल्डिंग, ईडको प्लॉट नं 2/ ए,
औद्योगिक क्षेत्र, पोस्ट मलीपड़ा,
गोठपटना, भुवनेश्वर–751003 (ओडिशा)
टेलीफोनः + 91–674–2623000
फैक्सः + 91–674–2302307
ई–मेलः dir.bbioffice@stpi.in
URL: https://bhubaneswar.stpi.in

40. **भोपाल**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सी–11, आईटी पार्क, आरजीपीवी के नजदीक,
न्यू जेल रोड, गांधी नगर, भोपाल,
मध्यप्रदेश – 462038
टेलीफोनः +91-0755- 2986688
ई–मेलः ravi.varma@stpi.in
URL: https://noida.stpi.in/bhopal

41. **भिलाई**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
मंगल भवन, नेहरू नगर (पूर्व),
भिलाई, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़–490020
टेलीफोन : +91–788–4040326
ई–मेलः mukuldhar.sharma@stpi.in
URL: : https://noida.stpi.in/bhilai

42. **मदुरै**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
थ्यागराज कालेज इंजीनियरिंग परिसर,
मदुरै – 625015 (तामिलनाडु)
टेलीफोन : + 91–452– 2482294, 2482025
फैक्स : + 91–452–2482025
ई–मेल : s.lakshman@stpi.in
URL: https://chennai.stpi.in/madurai

43. **मणिपाल**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
दूसरी मंजिल, कार्मिक भवन,
राजीव नगर, न0. 80, बडागुबेट्टु, अलेवूर रोड,
मणिपाल पारकला पोस्ट,
यूदुपी जिला–567107 (कर्नाटक)
टेलीफोनः + 91–820–2575752
ई–मेल : ravindra.aroor@stpi.in
URL: https://bengaluru.stpi.in/en/manipal

44. **मैंगलूरू**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
ब्लूबेरी हिल, हरी पडावु रोड, डेरेबल,
मैंगलूरू – 575008 (कर्नाटक)
टेलीफोनः + 91–824–2212189 / 139
फैक्सः + 91–824–2216555
ई–मेलः ravindra.aroor@stpi.in
URL: https://bengaluru.stpi.in/en/mangaluru

45. **मुम्बई**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
चौथी मंजिल, समृद्धि वेन्चर पार्क,
गाला, नं0 4, एमआईडीसी, सेन्ट्रल रोड,
अंधेरी (पूर्व), मुम्बई–400 093
टेलीफोनः + 91-22-28384907/28343742
फैक्सः + 91–22–28395384
ई–मेलः ashok.yadav@stpi.in
URL: https://pune.stpi.in/mumbai

46. **मोहाली**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट सी–184, औद्योगिक क्षेत्र, फेज–8 ए,
सैक्टर – 75, मोहाली–160071 (पंजाब)
टेलीफोनः + 91–172–2237061 / 62
ई–मेलः ajay.shrivastava@stpi.in
URL: https://gurugram.stpi.in/en/mohali

47. **मैसूर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एसजेसीईई – एसटीईपी कैम्पस, मानस गंगोत्री
मैसूर – 570006 (कर्नाटक)
टेलीफोनः +91–821–2412090, 2517780 / 90
फैक्सः + 91–821–2412080
ई–मेलः jayaprakash@stpi.in
URL: https://bengaluru.stpi.in/en/mysuru

48. **रांची**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट सं० 8 पार्ट, नामकुम औद्योगिक क्षेत्र,
नामकुम, रांची – 834011 (झारखण्ड),
टेलीफोनः + 91–651–2462270
फैक्सः +91-651-2462280
ई–मेलः ramesh.meena@stpi.in
URL: https://bhubaneswar.stpi.in/ranchi

49. **राउरकेला**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सेक्टर–5, औद्योगिक म्युजियम,
नजदीक पंथ निवास,
राउरकेला–769002 (ओडीशा)
टेलीफोनः + 91–661–2643745
फैक्सः + 91–661–2643295
ई–मेलः ishu.agrawal@stpi.in
URL: https://bhubaneswar.stpi.in/rourkela

50. **लखनऊ**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एसटीपी कॉम्पलेक्स, अपट्रॉन बिल्डिंग, गोमती बैराज के पास, गोमती नगर, लखनऊ –226010 (उत्तरप्रदेश)
टेलीफोनः + 91–522–2307913
फैक्सः + 91–522–2307930
ई–मेलः praveen.dwivedi@stpi.in
URL: https://noida.stpi.in/lucknow

51\. **वारंगल**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
काकतिया आईटी पार्क,
एच नं0 2–5–906/1, 2,
सर्किट हाऊस रोड,
हनमकोंडा, वारंगल–506001 (टीएस)
टेलीफोन : + 91–870–2446944
ई–मेल ramakishore.babu@stpi.in
URL : https://hyderabad.stpi.in/warangal

52\. **विजयवाडा**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
राजकीय पोलिटेकनिक कॉलेज कैम्पस,
स्टेला कॉलेज के सामने, बेंज सर्कल के नजदीक,
विजयवाडा – 520008 (आंध्रप्रदेश)
टेलीफोन : + 91–866–2494243
ई–मेलः vinaykumar.b@stpi.in
URL : https://hyderabad.stpi.in/vijayawada

53\. **विशाखापट्टनम**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
यूनिट नं0 9,एसडीएफ–1, बिल्डिंग,
विशाखापट्टनम स्पेशल इकनॉमी ज़ोन,
नजदीक दुवादा रेलवे स्टेशन
विशाखापट्टनम–530049 (ए.पी)
टेलीफोन : +91-741-6452474, 0891-2587226
फैक्सः +91-891-2587226
ई–मेलः suresh.b@stpi.in
URL: https://hyderabad.stpi.in/visakhapatnam

54\. **शिलांग**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
लमजिंगशाई, छोटा गोलचक्कर मार्ग के नजदीक,
शिलांग – 793001 (मेघालय)
टेलीफोनः +91–364–2591022
फैक्सः +91–364–2591022
ई–मेलः slg.info@stpi.in
URL: https://guwahati.stpi.in/shillong

57\. **सिलीगुड़ी**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट सं० जेएल 86, मतीगरा,
उत्तरायन के सामने, जिला – दार्जिलिंग
सिलीगुडी – 734010 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोनः + 91– 353–2571986/87
फैक्स : +91-033-23673597
ई–मेलः siliguri.oic@stpi.in
URL: https://kolkata.stpi.in/en/siliguri

58\. **सूरत**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एफ पी 27, टीपी 22, जियाव बुदिया रोड़,
सोमेश्वर सोसॉयटी के नजदीक, बिष्ठान,
सूरत – 395023
टेलीफोनः + 91-261-2972755
ई–मेल : surat.info@stpi.in
URL: http://gandhinagar.stpi.in/surat

59\. **हल्दिया**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट न० 149, देभोग, भवानीपुर,
जिला पूर्व मेदिनीपुर,
हल्दिया – 721657 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोनः + 91–3224–255062/92
ई–मेलः haldia.oic@stpi.in
URL: https://kolkata.stpi.in/en/haldia

60\. **हैदराबाद**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
6 क्यू 3, 6ठी मंजिल, साइबर टावर,
हाइटेक सिटी, माधापुर,
हैदराबाद – 500081 (टीएस)
टेलीफोनः +91–40–66415600/11
ई–मेलः ram@stpi.in
URL: https://Hyderabad.stpi.in

61\. **हुबली**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
चौथी मंजिल, ब्लॉक ए, आईटी पार्क,
इंदिरा ग्लास हाऊस के सामने,
हुबली – 580029 (कर्नाटक)
टेलीफोनः + 91–836–2257090/92/93
फैक्सः + 91–836–2257091
ई–मेलः v.sasikumar@stpi.in
URL: https://bengaluru.stpi.in/hubballi

62\. **मेरठ**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
प्लॉट न0 आईटीपी–03 नियर एनएच–58 बाईपास
वेदव्यास पूरी योजना, मेरठ (यू.पी)
टेलीफोनः + 91–0121–2975000
फैक्सः +91-0121-2975000
ई–मेलः sanjaykumar@stpi.in
URL: https://noida.stpi.in/meerut

63. **दावणगेरे**

प्रभारी अधिकारी

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
केएसओयू क्षेत्रीय केन्द्र,
शमनूर के पीछे, नागनूर रोड़, दावणगेरे
कर्नाटक—577004
टेलीफोन : + 91—870—2446944
ई—मेल ramakishore.babu@stpi.in
URL : https://bengaluru.stpi.in/davanagere

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई)

पहली मंजिल, प्लेट–बी, कार्यालय ब्लॉक – 1, पूर्वी किदवई नगर, नई दिल्ली – 110023

Phone: +91 11 24628081 | Website: www.stpi.in